हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

20 दिसम्बर, 1991

खण्ड 2, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 20 दिसम्बर, 1991

	पृश्ठ संख्या
भाोक प्रस्ताव	
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर	(4)1
रख गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(4)3
ध्यानकर्शण प्रस्तावः–	(4)39
हरियाणा के घनी अबादी वाले गांवों/छोटे कस्बों में सीवरेज सिस्टम की व्यवस्था करने सम्बन्धी	(4)40
वक्तव्यः–	
जनस्वास्थ्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी	(4)41
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(4)43
सदन की मेज पर रखे गये कागज–पत्र	(4)44
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(4)45

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(4)55
बिल्ज	
(i) दि हरियाणा रेगूले ान एण्ड कंट्रोल औफ क्रा ार्ज बिल, 1991	(4)45
(ii) दि हरियाणा श्रीमाता भीताला देवी भाराईन बिल, 1991	(4)46
वाक–आउट	
दि हरियाणा श्रीमाता भीतला देवी भाराईन बिल, 1991 (पुनरारम्भ)	(4)75
(iii) दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुले ान एण्ड डिवैल्पमैंट) सैकिड अमैडमैट बिल, 1991	(4)75
दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसिलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैडमैट बिल, 1991	(4)88
नियम 84 के अधीन प्रस्ताव	(4)96

हरियाणा विधान सभा

भुक्रवार, 20 दिसम्बर, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

भाोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर, अब मुख्य मंत्री जी भाोक प्रस्ताव प्रे ा करेगे।

श्री बि नोई बिहारी मेहती–संसद सदस्य

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाला): अध्यक्ष महोदय यह सदन सदस्य श्रीविनोद बिहारी के 15 दिसम्बर, 1991 में लोक सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन से दे ा एक अनुभवी सांसद की सेवओं से वचित हा`गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव श्री विनोद बिहारी मेहतों के स्वर्गवास होने पर रख है, मै अपोजि ान की तरफ से उनके दुखी परिवार को सहानुभूति भेजती हूं ओर उनके दुख में हम गहरा भाोक प्रकट

करते है। हम ई वर से प्रार्थना करते हैि कवे उनके परिवार को इस दुख को सहने की भाक्ति दे।

श्री राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): अध्यक्ष महोदय, अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से मै स्वर्गीय विनोदे बिहारी महतों जो के देहांत पर गहरे दुख का इजहार करता हूं।

श्री अमर सिंह (बवानी–खेड़ा अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, मै सदन के नेता ने जो विनोद बिहारी मेहतों के बारे में भाोक प्रस्ताव रखा हे, अपनी पार्टी की और से इस में भाामिल होता हूं। और भगवानसे प्रार्थना करता हूं कि वे इस दुख को सहने की ताकत व हिम्मत परिवार वालो को प्रदान करे।

श्री मोहन लाल पिपल (अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक–प्रस्ताव सदन में रखा है, श्री विनोद बिहारी मेहतों, संसद सदस्य के बारे मं, जिनका 18 तारीख को ह्रदय गति रूकने के कारण दंहांत हो गया, उसके बारे में मै आपनी तरफ से ओर अपनी पार्टी की तरफ से प्रार्थना करता हूं कि श्री विनोद बिहारी मेहतों के परिवार को इस दुख को सहने की भाक्ति भगवान दे मै अपनी ओर से और अपनी पार्टी की ओर स उस परिवार को गहरा भाोक संदे ा भेजता हूं।

श्री हरि सिंह नलवा (संभालखा): अध्यक्ष महोदय, मै आपी तरफ से और अपनी पार्टी जे0 डी0 (एच) की तरफ से

भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उसे परिवार को इस दुखद घड़ी को सहने की भाक्ति दे।

श्री लहरी सिंह (रादौर अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भाोक प्रस्ताव यहां पर रखा है, वास्तव में वह सैल्फ ऐक्सपलानेटरी है। उनका जन्म 1923 में हुआ और उन्होने संसद सदस्य होने के नाते दे ा की सेवा की। वे और भी कई पदों पर रहे होगे। मै परमपिता ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस तरह के फ्रीडम फाईटर जिन्होने दे ा के लिए कुर्बानी दी, जेल भी गए, भगवान उन्हें भाान्ति प्रदान करे तथ्ज्ञा उनके भाोक संतप्त परिवार को यह दुख सहन करने की भाक्ति दे। अध्यक्ष महोदय, ऐसे लोगों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके बताए हुए मार्ग पर चलें।

प्रो0 सम्पत सिंह (भट्टू कला): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने विनोदे बिहारी मेहतों जी, जो संसद सदस्य थे, उनकी दुखद मृत्यु पर जो भाोक प्रस्ताव रखा हैं उसमें भाग लेते हुए मै अपनी पार्टी की तरफ से भाोक प्रकट करता हूं। ऐसे आदमी जो विधान सभा के मैम्बर रहे, बड़े अच्छे लैजिस्लेटर थे और जिन्होने दे ा की अच्छी सेवा की, उनके निधन से दे ा उनकी सेवओंवे वंचित रह जाएगा। इसका हमें अफसोस है ओर मै एक बार फिर उनको श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

Mr. Speaker: I associate myself with the feeling of the House. Sh. Bindoe Bhihari Mehto was in fact a legal

luminary and aslo a perliamentarian. He remained a member of the Bihar Vidhas Sabha death, the country has lost a seasoned parliamentarian and a patriot. I pay my homage to the departed soul. I will also convey the feeling of this House to the bereaved family. Now I would request all of you to stand and observe silence for two minutes.

(The House then stood in silence for two minuets as a mark of respect to the memory of the deceased)

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः आनेरेबल मैम्बज, अब सवाल होगे।

Construction Completion of Roads

29 Sh. Amar Singh: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether there is any proposla under consideration of the Government to construc/complete the following roads isn Bawani Khera Constuency:—

(a) Kheri Daulatpur Kunga.

(b) Hansi to Bawani Khera road near Sunder Branch Biridge of Hansi Banwani Khere Road,

(c) Bawani Khera to Sorkhi via Kunga.

(d) Bawanti Khera to Jamalpur.

(e) Ratera to Khanak.

(f) Pur to Lohari Jattu

(g) Hansi to Tosham Road

(h) Sikarndarput to Railway Phatak on Hansi Tosham Road; and

(d) If so, the time by which the above-said roads are likely to be completed?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): (क भाग) जी हां। प्र न में दी गइ सड़कों को पूरा करने की योजना निम्नलिखित अनुसार हैः—

(क) इस सड़क पर 'सरफेसिग' के अलावा बाकी काम पूरा है जो कि 31.03.92 तक पूरा कर दिया जाऐगा।

(ख) यह पहले ही पक्की सड़क है परन्तु सुन्दर उप भााखा के निकट ऊंचा उठाने की आव यकता है। इस पर पत्थर की कुटाई तक कार्य पूरा कर दिया है। 'सरफेसिग' का कार्य प्रगति परहै। जिसकी मार्च 1992 तक पूरा होने की संभावना है।

(ग तथा घ) यह पहले ही पक्की सड़के है। इनसडकों पर मुरम्मत का कार्य किया जा रहा है, जिनकी मार्च 1992 तक पूर्ण होने की संभावना है।

(ड) हां। इस सड़के पर कार्य प्रगति पर है। तथा यथा समय पूरा कर दिया जायेगा।

(च) हां। इस सड़क पर कार्य प्रगति पर हैं तथा यथा समय पूरा कर दिया जाएगा।

(छ) यह एक पक्की सड़क है। हांसी के पास एक टूटा हुआ पूल सिचाई विभाग द्वारा निर्माणधीन हैं जिसकी मार्च 1992 तक पूरा होने की संभावना हैं

(झ) यह एक पक्की सड़क हैं इस सड़क की मुरम्मत की जा रही है और इस काम की चालू वित्त वर्श में पूरा हो जाने की संभावना हैं

(क्ष–भाग) भाग–क में सड़कों का निर्माण कार्य पूरा होने का समय प्रत्येक सड़के के सामने दिया गया है।

श्री अमर सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने बताया है कि सवाल के पार्टस 'ए' टू 'डी' और 'जी' टू 'एच' की सड़कों को तो इस फाइनैि ायल ईयर तक पूरा कर लिया जाऐगा। जबकि पार्टस 'ई' और 'एफ' की सड़कों के बारे में कहा है कि यथा समय पूरा दिया जायेगा। स्पीकर साहब, रतेरा से खनक तक की रोड 6 कि0 मी0 लम्बी है। जिसमें 3 कि0 मी0 तक पक्की बन गयी है और बाकी काअर्थ वर्क हो रहा है। अगर वह काम भाुरू नही किया गया ओरउसमें देर लग गयी तो वह 3 कि0 मी0 बनी हुई रोड भी काम नही आयेगी ओर जो अर्थ वर्क हो चुका है उसका भी कोई फायदा नही होगा। भोश 3 कि0 मी0 रोड़ कब तक बन जायेगी, क्या मुख्य मंत्री जी इस बारे में बतायेगे?

चोधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हमने इस बारे में में एक फैसला लिया है कि स्टेट में जितनी पुरानी सड़के है और

पिछले चार सालों में जो काफी खस्ता हालत में हो गयी है, पहले उन सबकी मरम्त करायी जायेगी ओर उसकेबाद ही नयीसड़कों के बनाने के बारें में सोचा जायेगा। ये दोनों सड़के नयी है जिनमें से एक की लम्बाई 6.20 कि0 मी0 है और दूसरी सड़की की लम्बाई 5.3 कि0मी0 हैं नयी सड़को के लिए हम बजट अगले वर्श मार्च में प्रौवाइड करेगे ओर अप्रैल में ये सड़के बनानी भुरू करेगे।

श्री कृश्ण लालाः स्पीकर साहब, मेरे हल्के में ऐ मटलोडा गांव है, वहां परएक किलोमीटर सड़क का टुकडा बनने वाल है। उसको न तो पी0 डब्ल्यू0 डी वाले बनते है ओर न ही मार्किट कतेटी बनाव रही है। मै जानना चाहता हूं कि वह टूकडा किस के अंडर आएगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो इस सवाल का इससे ताल्लुक नही है लकिन मै फिर भी बताना चाहता हूं कि वहां पर सड़क अगर बनी हुई है तेा उस टुकडे की मरम्मत 31 मार्च तक करवा देगे।

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, मेरे हल्के रतिया में सड़कों की बहुत बुरी हालत है। अभी मुख्य मंत्री जी ने कहा कि सभी टूटी हुई सड़कों की मरम्मत 31 मार्च तक करवा देगल लेकिन क्या इस बारे में अफसरों को हिदायत दे दी गई अै?

चौधरी भजन लालः अध्यक्षमहोदय, हिदायत ही नही दी है। बलिक हमने सभी जगह पैसा भी भेज दिया हैं आज जा कर

तो देखे तो फिर पता चलेगा कि सभी जगह सड़कों की मरम्मत का काम भुरू हो चुका है। रतिया जहां आपका हल्का है, वहां मेरी ससुराल भी हैं (हंसी)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः स्पीकर साहब, बल्लभगढ में खाद के एरिया में कुछ ऐसे गांव है जहां मैटल रोड नही बन सकती। पी0 डब्ल्यू0 डी0 की तरफ से कन्क्रीट की टुकडियों बनाई जाती है जो जहां पर सड़कों के काम आती हैं बागपुर मे एक डेढ किलोमीटर का टुकडा है। इसी तरह से माला सिंह फार्म तथा नंगलिया वगैरह वगैरह गांव है, वहां पर भी छोटे छोटे टुकड़े बनने बाकी रहते है। कन्क्रीट की टुकडिया महकमे के पास बनी हुई हैं तो क्या आने वाले दो तीन महीनों में इनसड़कों को पक्का कर दिया जाएगा।

चौधरी भजन लालः आपे इलाके में जैसे अपने बताया, अगर महकमे के पास समान होगात तो हम कोि ा ा करेगे, उनको इसी साल में बनादेगे।

श्री हरि सिंह नलवाः मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या रिपेयर के अन्दर वे सड़के भी भाामिल है जो पहले से बनी हुई है लेकिन बची मे एक फर्लाग या आधा फर्लाग का टुकडा बाकी पडा है। और वहां पुलिया बननी है। जिन सड़कों पर अर्थ वर्क कम्पलीट है ओर रोड़ी पड चुकी है। क्या वे भी रिपेयर में भाामिल होगी या उनका नम्बर अगले साल आएगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्षमहोदय, जिन सड़कों में चार फरलांग तक का गैप है ओर उससडत्रका इस्तेमाल नही हो रहा हैं उस गैप को हम बना देगे ओर यदि फर्लाग–दो–फर्लाग की सड़के गावं तक पहुंचने के लिए बाकी रहती है तो उसको भी पूरा अप्रैल यानी नए बजट में टे–अप करेगे। स्पीकर साहब, पिछली सरकार बजट का बहुत ज्यादा सत्याना ा करके गई थी। आप यह समझिए कि यह सरकार एक साल के बजट में दो सौ करोड़ रूपए का घाटा छोड़कर गई थी। हमारे लिए बहुत मु ाकल होग या था। हम तो चाहते है कि प्रदे ा में डिवैल्पमैंट का काम ज्यादा हो लकिनफाइनैस की कमी के कारण और पिछली सरकार की गल्तियों के कारण हमारी मजबूरिया है जिससे कि हम नई सड़कों को काम टेक–अप नही कर पा रहे है।

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि चार साल में सड़कों को सत्याना ा हो गया ओर हम सड़कों की रिपेयर 31 मार्च तक करेगे। स्पीकरसहाब, सरकार का यह भीफैसला है कि सड़के खस्ता हालत में हैं उनकी रिपेयर करेगे। क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि जिन सडत्रकों के बर्म्ज कच्चे है या टूट गए हैं उनको भी ठीक किया जाएगा?

चोधरी भजन लालाः स्पीकर साहब, जितना संभव होगा उतना काम हम करेगे। मै सदन को बताना चाहता हूं कि पिछले साल 18 करोड़ रूपया मरम्त के लिए था लेकिन इस साल हमने अठारहा करोड़ से बढ़ाकर लगभग 34.20 करोड़ रूपए मरम्त के

लिए दिया है ताकि सारे प्रदे ज्ञ की सडत्रकों की मरम्मत हो ाजए। हमने सड़कों की मरम्मत के लिए अलग से पैसे का इन्तजाम करके पी0 डब्ल्यू0 डी0 को दिया है। जिससे 31 मार्च तक सारी सड़कों की मरम्त हो जाए।

प्रों0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, पहले जो सड़के थी, वे इनकी बनाई हुई थी इसलिए जल्दी टूट गई। स्पीकर साहब, जो बजट मै पैसा रखा गया था और इन्होने जो बढ़ाया है, वह दस परसैन्ट से ज्यादा नही है फिर इतनी डीग मारे की क्या आव यकता है? दस परसेन्ट तो मंहगाई के कारण कास्ट आफ कस्ट्रक्ान भी बढ गई हैं क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि पिछले एक साल में माकिटिग बोर्ड द्वारा ओर पी0 डब्लयू0 डी0 द्वारा कितनी नई सडत्रके बनाई गई और जिन सड़कों पर रोड़ी पड़ी हुई है, उन सड़कों परकाम क्यों बन्द कर रखा है? स्पीकर साहब, अगर ये उन सड़कों को अगले साला में बनाएंगे तो अगले साल इनको ज्यादा खर्च करना पड़ेगा।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 18 करोड़ से हमने 34 करोड़ रूपए किया है। यह दस परसैन्ट तो बनता नही है। यह तोकाफी ज्यादा बनता है ये प्रोफसेर जरूरी है लेकिन लगता है कि इनके पास बोगस डिग्री है क्योंकि इनकौ यह नही पता कि दस परसैन्ट से कितनी रकम बनती है। (विध्न)

अध्यक्ष महोदय, हम अभी नई सड़के बनाने का काम भ्रारू नही करेगे। पहले जो सड़के टूटी हुई हैं उनकी मुरम्मत करके नई जैसी बनाएंगे। पिछली सरकार ने पिछले चार साल में प्रदे ा की किसी भी सड़क की मरम्मत नही की, जो सड़के टूटी पड़ी है उन पर कही रोड़ी नही डाली, किसी भी सड़क परकोई कारी नही लगाई। हम उन सड़कों की मरम्मत करके नई जैसी बना देगे ओर अगल साल नई सड़के बनाने काम भ्रारू करेगे।

चौधरी बलवंत सिह मैनाः स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी ने कहा कि मार्च तक टूटी हुई। सड़कों की मरम्मत करके नई जैसी बना दिया जाएगा। लेकिन हरियाणा प्रदे रूा को सभी सड़कों पर कोकर के पेड़ बहुत ज्यादा पैदहा हो गए हैं जिनके कारण साइडस पास करने के लिए रास्ता नही हैं मै आपकेमाध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्रूा उन कीकर के पेड़ों को वहां से हटाने की कोई बात सरकार के विचारधीन है? क्या उन कांटों को कोई समाधान किया जाएगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने सार`प्रदे ज्ञ में बहुत ज्यादा कांटे फैला दिए। अब वह कांटे हमें साफ करने पड़ेगे। जैसा माननीय सदस्य ने कहा, वह भी हम ठीक करेगे ताकि किसी को सड़कों पर आने जाने में कोई दिक्कत न हो।

श्री कण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, मुख्य ंत्री जी ने कहा कि 31 मार्च तक प्रदे ज्ञ की सभी टूटी हुई सड़कों की मरम्मत कर दी जाएगी। मै आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या सभी सड़कों में म्यूनिसिपल कमेटीज की सड़के टूटी हुई सड़कों की मरम्मत कब तक कर दी जाएगी?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कुछ सड़के भाहरों के मोहल्लों और गलियों में टूटी हुई है, उनकी मरम्मत 31 मार्च तक नही हा कसेगी क्योंकि म्यूनिसिपल कमेटीज के पास इससमय फण्डज नही है। हमारी कोि ा ा होगी कि म्यूनिसिपल कमेटीज का स्पै ाल फण्डज देकर 1992–93 में सड़कों के मामले में, नालियों के मामले में और सिवरेज के मामले में भाहरों और देहातो को एकदम भाानदार बना देगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैने दादरी के पी डब्ल्यू0 डी0 के एक्सीयन को एक चिट्ठी लिखी थी कि ठीक सड़कों की मरम्मत हो रही है लेकिन सड़कों पर जा विचुमैन डाला जाता है वह एक ट्रक में जाते है और वहां ए क राा सी डाल दते है जिसके कारण सड़के साथ साथ टूटती चल जाती है। इस बारे में मैने चीफ इंजीनियर को भी लिखा था। यह बहुत अच्छी बात है कि सड़कों की मरम्मत हो रही है। मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जाना चाहतीा हूं कि क्या वह इस बात की जाचं करवाऐ कि सडकों की मरम्त के लिए जो विचुमैन डाला जा रहा है वह ठीक

है क्योंकि इस समय जो बिचुमैन डाला जा रहा है वह एक राखी सी है जिसकेकारण सड़के साथ को साथ टूट रही हैं

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मै बहन जी का धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होने सही बात को सही माना हकि सड़कों की मरम्त हो रही है। एक दो माननीयसदस्यों ने कहा था कि सड़कों की मरम्मत का काम भाुरू नही है। बहन जी आपने कहा कि सड़कों की मरम्मत का काम भाुरू है इसके लिए आपका बजुत बहुत भाुक्रिया। मै बहन जी को बताना चाहूंगा कि सरफसे में जोमैटीरियल डालाज जाता है, उसो प्रिमिक्स करके ढाला जाता है। यह काम सदियों मं हो नही सकता क्यों सदियों में बिचुमैन जमेगा नही इसलिए गमियों के दिनों में यहकाम कारना पड़ता है। अब सर्दी का मौसम है इसलिए अब दो महीने काम नही होग। दो महीने केबाद इस काम को करेगे। इसी काम के लिए भिवानी सर्कल को हमने 492 लाख रूपए दिए हैं।

श्री अमर सिंह ढांडेः स्पीकर साहब, मेरे हल्के में घग्गर नही पर डंडोता और मालिकपुर गांवों के लिए दो पुल बनाने के लिए कांग्रेस सरकार दो बार नींव पत्थर रख चुकी है लेकिन दोनो बार वही से ईंटे और पत्थर गायब हो गए। मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि उन दोनों पुलो को बनाने का काम कब तक भाुय हो जाऐगा और उन पुलों को कब तक कम्पलीट कर दिया जाएगा?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, पिछले फांउडे ानों के बारे में तो सम्पत सिंह जी और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी को ही पता होगा पिछली सरकार ने कसेवल पत्थर ही पत्थर लगाये और कोई का काम नही किया। लेकिन जो सवाल इन्होने पूछा है उसे बारे में मै इनको जानकारी के लिए बतानाचाहता हूं कि अगर वह पुल इरीगे ान डिपोर्टमैंट का है तो उनसे बात करनी पड़ेगी ओर यदि पी0 डब्लू0 डी0 का है तो उनसे बात करेगे ओर हम कोि ा ा करेगे कि अगले साल 1992–93 में वह पुल बनवा सकें।

श्री जय सिंह आर्यः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी की जानकारी के लिए बतानाचाहता हूं कि मेरा हल्काखादर का है। वहां से रेती की खान निकलती हे मेरे हल्के में एक खड़कल गांव है वहां पर रेती की खान है जिस वजह से सरकार को सालाना 70–75 लाख रूपये की आमदनी होती है लकन वहां पर जो सड़क बनी हुई है। वह ट्रेफिक बहुत ज्यादाहोने के कारण 6 महीने मेंही टूट गई है यानि उसका मालियामंट हो गया है। इसी प्रकार से एक जठेड़ी गांव है वहां परभ रेती की खान निकलती है। सरकार को उस जगह से भी 35–36 लाख रूपये की सालाना आमदनी होती है। इसके अलावा वहां पर लड़के और लड़कियों की को एजूके ज्ञन भी है वे सब बच्चे इकट्ठे पढ़ने जाते है। उनको भी दिक्कत है। लेकिन सड़क की वहां भी बहुत बुरी हालत है क्येांकि वहां पररेती की खान होने की वजह से ट्रेफिक बहुत चलता है। उस सड़के को बनाने का ऐस्टिमेंट पास

हो चुकाहथा ऐक्सीयन ने केस एस0 ई0 को भेज दिया है लकिन एस0 ई0 ने कोई नोट लिख करे उस सड़क को बनने से रोका हुआ है। इस बारे में मै मुख्य मंत्रीमहोदय से स्पश्ट पूछना चाहता हूं कि ये दोनों सड़के, जिसकी वजह`स सरकार को सालाना एक करोड़ रूपये की आदमनदी है ओर उनपर आना जाना भी बहुत अधिक है, कब तक बन कर तैयार हो जाऐगी? मेरी आपसे प्रार्थनाहै कि वहां पर पहले सड़क बनाने के आदे ा दें।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इन्होने ठीक कहा है कि पिछली सरकार ने जा सड़के बनवाई थी वे छः महीने में ही टूट गई क्योकि पिछली सरकार ने मैटिरियल अच्छा नही लगाया था अब हमने फैसला किया है कि जो सडत्रके 12 फुट चौड़ी है उनको 18 फुट चौड़ा किया जायेगा और हम लोगों को भाानदार सड़कें बना कर देगे। हम ऐसी बढ़िया सड़के मार्च के महीने तक खड़ी करके देगे।

श्री जय सिंह पाल आर्यः स्पीकर साहब, सोनीपत माकिटिंग कमेटी का मै 2–3 साल चेयरमैन रहा हूं और मैने अपनी माकिट कमेटी का कोई 35–36 लाख रूपया जमा करवाया हुआ है वहां पर कुछ नई सड़के मन्जूर भी हो चुकी है। लकन जिन सड़कों परकाम चल रह था जिन पर ताराकोल और रोड़ी पड़नी थी, उनपर तकरीबन अब 6 महीने से काम रूका पड़ा है। ऐसी दो सड़के तो जिस हल्के से चौधरी हुक्म सिंज जी मंत्री है, वहां की है। उसके बारे में मैने इनसे भी रिक्वैस्ट की हैं कि आप सरकार

में मंत्री है एसलिए मार्किट कमेटी के पैसे जो ऐक्सीयन करनाल के पास पड़े है। उनसे जो सड़के बननी है उनको जल्दी से जल्दी बनवाने की कृपा करें मेरीमुख्य मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि जो हमारा 35–36 लख रूपया वहां जमा पड़ा है और जिस पैसे से नई सडत्रके बननी है। उस पैसे को लगाने के आदे ा दे ताकि लोगों को आने जाने में सुविधा हो सके।

चौधरी भजन लालः माकिट–कमेटी का जो पैसा जमा करवाया जाता है। वह वही की सड़के बनाने पर खर्च किया जाताहैं जहां तक नहीं सड़के बनाने की बातहै उसके बारे में इनको बताना चाहता हूं कि अभी हमने नई सड़द्यके बनाने का काम टेकअप नही कियाहै अभी तक हम वही नई सड़क बना रहे है जहां पर चार या पांच किलोमीटर या इससे कम टुकडा किसी सड़के के जोडने से रहता है सिफ वही नई सड़क अभी बनाई जा रही है। ऐसी सड़के भी हम इसलिए बना रहे है क्योकि इस गैप की वजा से उन सड़कों को इस्तेमाल नही हो पा रहा है। मै माननीय सदस्य को यकीन दिलाता हूं कि अप्रैल, 92 में नई सड़कों का काम भाुरू हो जायेगा ओरजो नई सड़के बननी अधूरी पड़ी है, उनको भी 1992–93 के माली साल में कम्पलीट करेगे।

चौधरी सूरजभान काजलः स्पीकर साहब, मै मुख्य मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि कई सड़के जो बनाई गई है, वे गांव के लाल डोरे तक बना करके छोड़ दी गई हैं ऐसी सड़कों परआग्रे गांव क पक्की इटे तो छिा दी गई थी लेकिन गाडियो के

ओर ट्रैक्टर के आने जाने के कारण टूट कर उनका बुरा हाल हो गया है। ऐसी सड़कों कही पर फासला 200 फूट है तो कही पर 500 फुट है। मै मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या ऐसी सड़कां को कंकरीट आदि बिछा कर बनवाने की कोई स्कीम सरकार के विचारधीन है?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जी सड़के गांव के लाल डोरे के अन्दर होती है, वह गवर्नमैंट नही बनाती है। वह पंचायत का काम हाता है। वह तो पंचायत बनवाती है। उसके लिए तो आप अलग से सवाल पूछे। लाल डोरे से बाहर ताक गांव कीसड़के सरकार बनाती है। लकिन जो भी सड़के गां के लाल डोरे तक नही गयी है, वह सारी सड़के सरकार 31 मार्च तक सारी स्टेट में पूरा कर देगी।

Repair of The Damaged Roads of Karnal city

15 Sh. Jai Parkash: Will the Minister of state for Loacal Government be pleased to state—

(a) Wheter there is any proposla under consideration of the Government to repair the damaged roads, if any, of Karnal City; and

(b) If so, the time by which the oas referred to in part (a) above are likely to be repaired?

Minister of State for Locla Govt. (Ch. Dharambir Gauba):

(a) Yes, Sir,

(b) Sveral roads inKarnal city (as per annexure) have been identified for major repairs and the work is likely to be completed by the eand of 1992-93

ANNEZURE

List of Raods inMunicipal committee Karnal identified to be repirad by H.S.A.M.B.

(a) Roads leading to yeards of Market Committee

1	Road from old G.T. Road New Mayur Chowk to minar Road.
2	All the main roads of Meodel Town Karnal leading to Sabzi Mandi.
3	Road fromModel Town toKunjpura Road near Tajindera Park.
4	All main roads of Sadar Bazarm Karnal leading to Anaj Mindi.
5	Road from Hasni Road to Jundla Gate Via Shamshan Ghat.
6	Road from Jrjun Gate to Karan Gate.
7	Road from Karan Gate to Junldla Gate near Matak Majri, Karnla.
8	Road from Nugual Canal to Old Kunjpura Road in front of Sabzi Mandi, Karnal.

9	Road frm Hansi Road to Ciruclar Road Near Nai Grain Mkarket via Ravi Dass Pura.
10	Road from G.T. Road (By Pass) to Model Town at Karnal.
11	Road from Gur Mandi toHansi Road Chowk near R.O. 8
12	Road from Janta Grain Market near Novelty Theatre to Hansi Road (In basck side of sadar Bazar).
13	Road from Maharaja Partap Chowk to G.T. Road Bye Pass (Meerut Road)
14	Road from Old G.T. Road near Arjun Gate to Shamshan Ghat.
15	Road from Old G.T. Road to Old Kunjpura Road Via Daya Singh College.
16	Road from Nyar Puri to theRialway Road, Karnal.
17	Road from M.C. Chowk to Mughal Canal via Sabzi Mandi, Karnal.
18	Road from Subhash Gate to Jundla Gate Road, Karnal.
19	Road from Subhash Gate toJundla Gate Road, Karnal.
20	Road connecting Mall Road near Canal Rest House & Railway Road, Karnal.

(B) Other Major Roads:

1	Road from NunicipalCommittee Cowk to Railway Station.

2	Road from Meera Ghati Chowk to Municipal Committee Chowk via Nai Anaj Mandi & Janta Mandi.
3	Road from VJC Bridge on Kachhwa Road to Mall Road near Railway Crossing.
4	Road from Sabzi Mandi chowk to Kunjpura road near Parnami Mandir.
5	Road from Court Chowk to Hospital Chow at Karnal.
6	Road from Kaithal Road to Maini Road & Circular Road in front of Punjab National Bank in Prem Nagar at Karnal.
7	Main Road alongwith connecting roadsto Kachhwa Road in Ram Nagar at Karnal.
8	All roads of Ram Nagar connecting Kachhwa Road.
9	All roads of Prem Ngar connecting Kachhwa Road.
10	Road from Railway Crossing to Kaithal Road near Maharishi Balmiki Road.
11	Road from old G.T. Road to Police Lines.

श्री जय प्रका : अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो सड़के करनाल की बनाने के लिए आईडंटीफाई की है, क्या उनके साथ ही वहा की लोकल सड़कों की रिपेयर के लिए भी कोई प्रोवीजन है जैसे हरिजन बस्ती की है, बाल्मीकी बस्ती की हं और दूसरी बस्तियों की

सड़के है। यदिकोई प्रोवीजन है, तो वे सड़के कब तक रिपेयर हो जायेगी?

चौधरी धर्मबीर गाबा: स्पीकर साहब, 18 लाख रूपया तो हमने नई सड़के बनाने के लिए कमेटी से जमा किया है। पेवमैंट के लिए अगल से पैसा रखा गया है। गुप्ता जी, मै यह अर्ज करनाचाहता हूं कि 590076 रूपए कंस्ट्रक ान एंड रिपेयर आफ रोड्ज एंड स्ट्रीट्स पर खर्च हो चुके है।

श्री जय प्रका ा: क्या मंत्री महोदय यह भी बताने की कृपा करेगे कि यह पैसा कब खर्च हुआ है और किस किस काम पर खर्च हुआ है?

चौधरी धर्मवीर गाबा: स्पीकर सहाब, यह पैसा हमने अप्रैल 1991 से लकर नवम्बर 1991 तक खर्च किया है। जिन कमों पर खर्च हुआ है, वे इस प्रकार से है:–

Name of Work	**Amount**
Brick flooring in Ward No. 9 Ashok Nagar & Moti Nagar	139235-00
Purchase of Brick for brick flooring inPrem Colony (Prem Nagar) And Shiv Colony	150000-00
Premixing of Raod in Subhas Marg in Ware No. 33	55536-00
Construction of roads in Chandi Sarai	24000-00

Premixing of mainroads in Ram Nagar	47346-00
Premizing of roads opposite S.D. School, Ram Nagar	29481-00
Premizing carpet inDispensary Road, Ram Nagar	36784-00
Road Permizing Arya Samaj Road Kispensary Ram Nagar, Karnal	29160-00
Premixing of Road Arjun Gate to Shamshan Road	2449-00
Premixing of road in W.No. 22 Near fish Market	28458-00
Premizing carpet in Prem Nagr School	47600-00
Total	**590076-00**

चौधरी अजमत खाः स्पीकर साहब, कुछ भाहर ऐसे है जहां बाई पास बनाना बहुत जरूरी है। क्या मंत्री जी वहां पर बाई पास बनाने के बारे मं विचार करेगेत्र हमारे हथीन भाहर में से गुजर कर पलवल जाना पड़ताहै। वहां पर बाजार से गुजरना पड़ता है। वहां पर कई बार ट्रैफिक इतना होताहै। कि दो और तीन–तीन घंटे तक ट्रैफिक जाम हो जाता है। वहां पर बहुत र ा रहता है। क्या आप वहां पर बाई पास निकाल कर वहां का ट्रैफिक जाम होने की समस्या को निटाने के लिए तैयार है? इससे लेागों केा भी सुवधिा रहेगी।

चौधरी धर्मवरी गाबाः स्पीकर साहब, जहां तक बाई पास निकालने का सवाल है यह तो पी0 डब्ल्यू0 डी0 का काम है।

म्यूनिसिपल कमेटी का यह काम नही है। म्यूनिसिपल कमेटी का यह काम नही है।

Sub-division wise number of vehicles with Haryana State Electricity Borad

38. Smt. Chandravati: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) The Sub-division-wise number of Cars, Jeeps and Trucks etc. with Haryana State Electricity Board as at present; and

(b) The number of Vehicles out of those as referred to in part (a) above are inworking condition?

Irrigation & Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surewala):

(a) A state ment showing sub-Division-wise number of cars, jeeps and Trucks is pleaced on th Table of the House.

(b) All the vehicles are in working condition.

STATEMNT

S. No.	Name of Office	Number of Vehicles			
		Car	Jeep	Pick-up	Truck
1	2	3	4	5	6
1.	**OPERATION CIRCLE, AMBALA**				

	(a) "OP" Div. Yamuna Nagar				
	(a) A/E T.L. & SSE Yamuna Nagar			2	1
	(b) SDO Mustafabad				1
	(c) AEE/I.A. Yamuna Nagar			1	
	(d) AEE/ 'OP' No. 1 Y. Nagar		1		
S/Urban Kiv. Jagadhir					
	(a) SDO Sub-urban, Jagadhri		1		1
	(b) SDO City Jagadhir			1	
	(c) SDO Chhachhrauli				1
	(d) SDO T/L Gobind Puri			1	
	OP Divn. Panchkulla				
	(a) 'OP' S/Divn. Panchkula			1	
	(b) SSE/ 220KV S/Stn. Madanpur		1		
	(c) Sub Office Pinjore			1	
	(d) SEE/132 KV S/Stn. Pinjore			1	
	(e) Constn. Subk Divn. Panchkula				1

	(f) 'OP' Divn. Naraingarh		2	4	1
	OP Division Ambala Cantt.				
	(a) SDO No. 11, Ambala Cantt.			1	
	(b) SDO OP Babyal				2
	SDO OP Barara			1	
	SDO OP, No., 1 Ambala Cantt.		2		
	'OP' Divsion Amabala City		1		
	(a) SDO' OP. Model Town, Ambala City			1	
	(b) SDO (East) Sub Divn. Ambala City		1		
	(c) SDO' OP Chaur Mastpur			1	1
	(d) SDO Hotline Khukote			1	
	(e) SDO (West) Sub Divn. Amabala City				1
2.	**OPRATION CIRUCLE, KURUKSHETRA**	1			
	'OP' Divison Kurukshetra		1		
	(a) SDO' OP No. 1,				1

	Kurukshetra				
	(b) SDO' OP No. 11 Kurukshetra		1		
	(c) SDO' OP Pipli		2		2
	(d) SDO' T/L Pipli			1	
	(e) SDO' OP Ladwa		1		1
	(f) SDO' OP Radaur			1	
	'OP' Division, Kaithal		1		
	(a) 132 KV Sub stn. Katihal			1	
	(b) SDO Sub-urban Kaithal		1		1
	(c) SDO No. 1, Pundri				1
	(d) SDO No. 11, Pundrie			1	
	(e) SSE 220 KV S/S Kaithal			1	
	(f) SDO 'OP' Siwan			1	
	'OP' Division Shahabad				1
	(a) SDO' OP No., Shahabad		1		1
	(b) SDO' OP No. II, Shahabad		1	1	
	(c) SSE 66 K/V Shahabad			1	
	(d) SDO Ajrana Kalan			1	

	(e) SDO' OP Babain			1	1
	SDO' OP Ismailabad			1	1
	'OP' Division Pehowa			1	1
	SDO' OP Gulaha			1	1
	(b) SDO S/U Pehowa		1		1
	(c) SDO 'OP' Pehowa			1	
	(d) SDO' OP Cheeka		1		
	(e) SDO' OP Dhand			1	1
	(f) SDO T/L Pehowa		2	1	
3.	**OPERATION CIRCLE SIRSA**	2			
	'OP' City Division 'OP' Sirsa				1
	(a) SDO City 'OP' Sirsa			1	
	(b) AEE I.A. Sirsa		2		1
	(c) AEE T/L & SSE Sirsa			2	
	(d) AEE T/L & SEE Ding			1	
	(e) SDO' OP Panjuna			1	1
	(f) SDO' OP Ding				1
	Sub-urban Divsion Sirsa				
	(a) SDO Ellenabad			1	1

	(b) SDO S/U Sirsa		1	1	1
	(c) SDO Nathusari			2	
	(d) SEE Jiwan Nagar			1	
	(e) SDO 'OP' Rania		1	1	1
	'OP' Division Dabwali				
	(a) AEE/SSe T/C Dabwali			2	
	(b) SDO' OP Chautala			1	
	(c) SDO' OP Dabwali		1	1	1
	(e) SDO' OP Kalanwali			1	
4.	**OPERATION CIRCLE HISAR**	1			
	'OP' Div. Hisar		1		
	(a) SDO Model Town Hisar		1		
	(b) SDO City Hisar		1	1	1
	(c) SDO City Line HIsar		1		
	'OP' Div. No. II, Hisar		1		
	(a) SDO Adampur		1		1
	(b) SDO Satrod, Hisar			1	1
	(c) SDO 'OP' Barwala			2	
	'OP' Division Hansi				

	(a) SDO Narnaud		1		1
	(b) SSE Hansi		1		
	(c) SDO S/U Hansi		1		1
	(e) SDO Mundhal			1	
	'**OP' Division Fatehabad**				
	(a) AEE Fatehabad		1	1	
	(b) SDO Ratia			1	1
	(c) SDO Mundhal				1
	'OP' Division Tohana				
	(a) SDO' OP Uklana				
	(b) SDO' OP Tohana				1
	(c) Sub Office Bhuna				1
	(d) SDO S/U Tohana				1
	(e) Sub Office Jakhal			1	
	(f) SSE Tohana			1	
5.	**OPPERATION CIRCLE BHIWANI**	1			
	'OP' Division Bhiwani		1		
	(a) AEE T/L Sub Divn.		1	1	

	Bhiwani				
	(b) AEE Constn. Sub. Div. I, BHiwani				1
	(c) SDO Sub-urban No. 1, Bhiwani				1
	(c) SDO Sub-urban No. II, Bhiwan			1	
	(e) SDO 'OP' Tosham			1	
	Sub-urban Division Bhiwani				
	(a) SDO 'OP' Division Jattan		1		1
	(b) SDO 'OP' Jui		1		1
	(c) Constn. S/D No. 2, Bhiwani		1		1
	(d) SDO 'OP' Lohar			1	
	(e) SDO 'OP' Siwani			1	
	SDO 'OP' Dadri				
	(a) SEE No. II, Dadri			2	
	(b) SEE No. I, Dadri			1	
	(c) SSE Atela Kalan			1	
6.	**OPERATION CIRCLE JIND**	1			

	'OP' Division Jind				
	(a) SDO 'OP' Julana			1	
	(b) SDO S/U Jind				1
	(c) SDO 'OP' Naguran			1	
	(d) SDO 'OP' Jind			1	
	SSE T/L Jind		1	1	
	'OP' Division Safidon				
	(a) SSE T/L Safidon		1		
	(b) SDO S/U Safidon		1	1	
	(c) SDO 'OP' Saffidon		1		1
	(d) SDO 'OP' PiluKhera			1	
	'OP' Division, Narwana				
	(a) SDO S/U Narwana		1		1
	(b) SEE T/L Narwana		1	1	
	(c) SDO 'OP' Kalyat			1	
	(d) SSE 220 KV S/S Narwana			2	
	(e) SDO 'OP' Uchana			1	
	(f) SDO 'OP' Narwana				1
7.	**OPERATION CIRCULE**				

	KARNAL				
	'OP' City Division, Karnal	1			
	(a) SDO Newal		1		1
	(b) SDO S/u Karnal			1	
	(c) SDO M.T. Karnal		1	1	
	(d) AET T/L Karnal		1	1	1
	(e) City S/Divn. Karnal			1	
	'OP' S/U Divn. 1, Karnal	1			
	(a) SDO 'OP' Jundla			1	
	(b) SDO Gharaunda			2	
	(c) SDO Nissing			1	1
	(d) SDO Constn Karnal			1	1
	(e) SDO 'OP' Munak			1	
	(f) SDO Constn. Gharaunda			1	1
	'OP' City Division Panipat				
	(a) SEE Panipat		1		1
	(b) SDO S/U Panipat		1		1
	(c) SDO Chhajupur			1	1
	(d) SDO Model Town Panipat			1	

	(e) SDO Sanauli Road, Panipat			1	
	'OP' S/U Divsion Panipat				
	(a) SDO Assandh			1	
	(b) SDO Beholi			1	
	(c) SDO Smalkha			1	1
	(e) SDO Const. Panipat			1	1
	(f) SDO Israna		1	2	2
	'OP' circle Sonipat	1			
	(a) SDO Murthal at Sonipat		1	1	1
	(b) SDO Constn. S/D Sonipat				1
	(c) SDO Kharkheda			1	
	(d) SDO City Ganar			1	
	(e) SDO S/U Ganaur			1	
	(f) AEE Kundli		1	2	
	(g) SDO Gohana			1	
	(h) SDO CitySonipat		1	1	1
	(i) SDO I.A. Sonipat			1	
	(j) SSE Fazilpur			2	

	(k) SDO S/U Gohana			1	
9.	**OPERATION CRICLE FARIDABAD**	1			
	'OP' Division Faridabad		1		
	(a) SDO Sub Div. No. 1, Faridabad			1	
	(b) SDO Sub Div. No. II, Faridabad			1	
	(c) SDO Sub Div. No. III, Faridabad		1		
	(d) SDO Sub Div. No. IV, Faridabad			1	
	(e) SDO Sub Div. Dawahar Colony, Faridabad			1	
	'**OP' Division, Old Faridabad**		1		
	(a) SDO East Fiaridabad			1	
	(b) SDO West Faridabad			1	
	(c) SDO No. V, Faridabad			2	
	(e) SDO Mathura Road, Faridabad				1
	'OP' Division, Ballabgarh		1		

	(a) SDO CityBallabargh				
	(b) SDO I.A. Ballabgarh		1		
	(c) SDO S/U Ballabgarh			2	
	(d) SDO Badraula			1	
	(e) SDO Constn. Ballabgarh				2
	'OP' Division, Palwal		1		
	(a) City Sub Divin Palwal			1	1
	(b) SDO S/U Palwal			1	1
	(e) SDO Hodel			1	1
	T7S DIVISION FARIDABAD		1		
	(a) SSE A-2 S/Stn. Faridabad			1	
	(b) SSE G-Steel, Ballabgarh			1	1
	(c) SSE Palwal			1	
	(d) SDO T7S Faridabad				1
10.	**OPERATION CIRCLE GURGAON**	1			
	City Division, Gurgaon				
	(a) AO& SSE 66KV S/Stn. Gurgaon			1	1

	(b) AEE I.A. Gurgaon		2		
	Sub Urban Divin. Gurgaon				
	(a) S.D.O. E/C Gurgaon		1	1	1
	(b) S.D.O. 'OP' Farakhnagar			1	
	(c) S.D.O. Badshapur			1	
	'OP' Cum-Constn Divion, Gurgaon	1			
	(a) S.D.O. 'OP' Pataudi			1	2
	(b) (a) S.D.O. Manesar			1	
	'OP' Division,Sohna				
	(a) S.D.O. Taraorn			1	1
	(b) S.D.O. OP Sohna			1	1
	(c) SSE Sohan		1	1	
	(d) S.D.O. 'OP' Nuh.			1	
	(e) S.D.O. Ferozpur Zhirka			1	
11.	**OPERATON CIRCULE NARNAUL**	1			
	'OP' DivionNarnaul		1		
	(a) SEE 220 KV S/Stn. Narnaul			1	

	(b) S.D.O. Sub Urban Narnaul			1	
	(c) S.D.O. Nangal Chaudhry			1	
	(e) S.D.O. Ateli				1
	(f) S.D.O. City Narnaul				1
	'OP' Division Mahendergarh		1		
	(a) S.D.O Sub. Urban Mahendergarh				1
	(b) S.D.O 'OP' Mahendergarh			1	1
	(c) S.D.O Kanina			1	
	(d) SSE 132 KV S/Stn. Mahender			1	
	'OP' Division Rewari		1		
	(a) S.D.O 'OP' Buroli			1	1
	(b) S.D.O S/U Rewari			1	1
	(c) S.D.O No. 1, Rewari/S-Office Palwas			1	
	(d) AEE Rewari			1	
	'OP' Division, Dharuchera				
	(a) SEE Dharuchera		1		
	(b) S.D.O Constn,			1	

	Dharuchera				
	(e) SEE Bawal			1	1
	(f) S.D.O 'OP' Dharuhera			1	1
12.	**OPERATION CIRCLE ROHATAK**	1			
	'OP' Div. Rohtak		1		
	(a) S.D.O No. 1, Rohtak		1		1
	(b) S.D.O No. II, Rohtak			1	
	(c) S.D.O No. III, Rohtak				1
	(e) S.D.O No. IV, Rohtak			1	
	(f) SEE Rohtak		1	1	
	Sub-Urban Divn Rohtak		1		
	(a) SDO Kalanaur			1	
	(b) S.D.O Bhalaut			1	1
	(c) S.D.O Meham		1		
	'OP' Division Bahadurgarh		1		
	(a) S.D.O Sampla			1	
	(b) AEE City Bahadurghar				1
	(c) AO & SDO T/L Delhi		1		

	'OP' Division, Jhajjar				
	(a) S.D.O Jhajjar		1	1	1
	(c) S.D.O Koshli			1	1
	(e) S.D.O Matan Hail			1	
	(d) S.D.O Beri			2	
13.	**(M&P) Circle Hisar**	1			
	(a) M&P Divn. Panipat		1	1	
	(b) AEE M&P Yamuna Nagar			1	
	(c) M&P Divn. Hisar		2	2	
	(d) M&P Divn. Bhiwani		2		
	(e) M&P Divn. Kurukshetra		2		
14.	**M&P CRICLE, DELHI**	1			
	(A) M&P Divn. Panipat		2	1	
	(b) M&P Divn. Rohtak		1	1	
	(c) M&P Divn. Gurgaon		2	1	
	(d) M&P Divn. Faridabad		1	2	
15.	**CHIEF ENGINER (THERMAL) FARIDABAD**	3	5		3

16.	**CHIEF ENGINEER (THERMAL) PANIPAT**	3	3	1	5
17.	**CHIEF ENGINEER (HYDEL)**				
	(a) S.E. (Civil) Field		1		1
	(b) S.E. (Electrical) Field	1	3	1	1
	(c) Xen (P) Yamuna Nagar	2	1		1
18.	**CHIEF ENGINEER (WORKSHIP) DHULKOTE**	1	1		
	(a) S.E. W/S Dhulkote	1			
	(b) Xen T&S (W) Dhulkote				1
	(c) Xen SSW/Assan, Panipat		1		
	(d) A.E. T&S Store, Dhulkote				1
	(e) AEE PTRW Ballabg		1		1
	(f) AE TRW/Hisar			1	
19.	**S.E. CARRIER COMMUNICATION, HISAR**	1			
	(a) CC Sub Divn. Ballabgarh			1	
	(b) CC Sub Divn. Satrod, Hisar		1	1	
	(c) SDO (CC) Dhulkote		1	1	

	(d) SDO/SLDC Hisar		2		
	(e) AEE/CC, C&T Hisar			2	
	(f) Xen (Civil) Panipat		2		1
20.	**CONTROLLER OF STORE HISAR**	1	1		1
	(a) Xen Central Store, Rohtak		1		4
	(b) Xen C/S Dhulkote		1		3
	(c) Xen C/S Panipat				1
	(d) Xen C/S Ballabgarh				1
21.	**S.E. TCC No. I, HISAR**	1			
	(a) AEE Grid Sub Divn. Sirsa			1	1
	(b) AEE Grid Sub Divn. Hisar		1		2
	(c) SDO T/L Hisar		1		1
	(d) SDO T/L Bhiwani		1		1
	Xen (Civil Works) Hisar		1		1
	(a) AEE (Civil Mte. Hisar			1	2
	(b) AEE Grid Sub Divn. Narwana		1		
	(c) SDO T/L Uklana				2

	(d) SDO T/L Narwana		2		2
22.	**S.E. TCC No. II KARNAL**	1			
	Xen Civil Works Karnal		1		
	(a) AEE (Constn) Karnal		2	1	2
	(b) AEE-II, Panipat			1	2
	(c) SDO (Constn) Assndh			1	1
	(d) AEE Divnl. Store, Panipat				1
	(e) SDO III Panipat			1	1
	(f) AEE Grid Panipat		2		2
	(g) SDO Civil Works Karnal				1
23.	**S.E. TCC III GURGAON**	1			
	(a) SDO Constn. Ballabgarh		2		2
	(b) AEE Palwal		1	1	3
	(c) SDO Civil Works Gurgaon		1		1
	(d) AEE Faridabad		1		2
	(e) AEE Faridabad		1	1	1
	(f) AEE Gurgaon		1		1

	(g) SDO Dadri			1	
	(h) SDO T/L Rohtak		1		1
	(i) SDO T/L Dadri				1
24.	**S.E. TCC No. IV PANCHKULA**	1			
	Xen (Constn.) Ambala		1		
	(a) SDO Const. Yamuna Nagar				1
	(b) AEE Divnl. Store, Khera				1
	(c) SDO (Constn.) Panchkula		1		1
	(d) SDO (Constn.) Shahabad			1	1
	(e) SDO No. 1, Kurukshetra		2		2
	(f) SDO const. No. II, Kurukshetra			1	1
	(g) SDO Constn. S/D Kaithal		1		2
	(h) SDO Constn. Pehowa		1		1
	(i) SDO Civil Works, Ambala		1		1
	Grand Total	31	157	192	163

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय को यह बताना चाहती हूं कि मैने इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड वालों को भ्भ कहा था ओर इनको भी कह रही हूं कि मेरे लोहारू सब

डिवीजनमें कोई पिक–अप या ट्रक्स नही है लेकिन मिनिस्टर महोदय नेआपने उत्तर में दिखा रखा है कि पिक–अप और ट्रक्स वहां पर हैं हम जब भी ि ाकायत करते है तो बिभाग वाल कहते है किहमारे पास सामान ले जाने के लिए कोई साधन नही है। क्या मंत्री महोदय जरा पोजी ान क्लीयर करेगे?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, भिवानी आपरे ान सर्कल में 10 पिक अप वैन्ज और 5 ट्रक्स हैं जब कभी किसी सब डिवीजन में उनकी जरूरत होती है तो उन वैलज व ट्रक्स को दूसरे सब डिवीजन में इस्तेमाल में उनकी जरूरत होती है तो उन वैन्ज व ट्रक्स को दसूरे सबि डिवीजन में इस्तेमाल कर लिया जाता हैं अगर बहिन जी के सब डिवीजन में कोई खास प्रोवलम है तो यहां असिफसर्ज गैलरी मे इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड के चेयरमैन व दूसरे अफसरान बैइे है,वे नोट कर रहे होगे, मै भी इस बारे में उनको बोलूगा। बहिन जी के एरिया में जो भी दिक्कत होगी उसको जल्दी ही दूर कराऐगे।

चौधरी जिले सिंह जाखरः अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब ने जैसे द ार्िया कि एस0 डी0 ओ0 कोसली ने पास एक पिक अप बैन और एक ट्रक ठीक हालत में हैं पिछले दिनों मे जब दो तीन गांवा के ट्रान्सफरर्मज व टयूबवैलज को जे जाने व लाने के लिए ट्रक या वैन चाहिए तो उन्होने कहा कि हमार`पास ट्रक्स सही हालत मे ंनही है क्योंकि उसकागेयर वाक्स फटा हुआ है ओर हमारी पिक अप वेन झज्जर गई हुई हैं फिर लोगों ने अपने ओरसे

चन्दा इकट्ठा करके 300 रूपया किराया देकर ट्रान्सफारमर ओर जले हुए टयूवैलज को भिजवाने का प्रबन्ध किया। हमने मौके पर जाकर देशा, जो पिक अप थी उसका पिछला हिस्स ही नहीथी टूटी फूटी है। टायर वगैरह भी हमें दिखाई दिये इसलिए मै आपक द्वारा मिनिस्टर साहब से जानना चाहूंगा कि क्या सरकार ऐसे व्हीकल्ज को ठीक करवाने का प्रबन्ध करेगी ताकि लोगों को आगे के के लिए किसी प्रकार की दिक्कतों को सामना न करान पडे?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मैने तो उस पिक अप वैन को देखा नही है और नह ही मैन कहा है कि वह ठीक है। अगर पिक अप वैन का पिछलउ हिस्सा ही नही होगा जैसाि कइन्होने कहा तोवह पिक अप वैन ही क्या हुई। जिस पिक अप का पिछला हिस्स ही नही होगा, टायर नही होगा और वह पीछे से बद भी न होती होगी तो वह वैन ही क्या? लेकिन मै इतना अव य कहना चाहता हूं जैसा कि इन्होने बताया कि गांव के लोगों ने अपने पास से चन्दा इकट्ठा करके 300 रूपय किराये के ट्रान्सफारमर ले जाने के दिये है तो हम इसका पता कर लेगे। अगर लोगों ने कही प्राईवेज तौर पर पैसा देकर इसका प्रबन्ध किया होगा तो हम लोगों को वह पैसाबोर्ड दिलवाऐगे। दूसरी बात मै इनको यह कहना चाहता हूं कि हम अपने इस राज में व पिछले राज में ट्रान्सफरमर्ज वगैरह जलने के दूसरे या तीसरे दिन बदलवाते रहे है अैर भेजते रहे है। अगर इन के राज मं तो कोई

ट्रान्सफारमज की जरूरत ही नही पडेगी क्योंकि इनके वक्त में कुछ था ही नही। सब कुछ डायरेक्ट चलता था, वैसे ही चलता था।

श्री सतबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मिनिस्टर साहब ने 192 पिक अप वैन्ज बतायी और 163 ट्रक्स बताए, मै उनसे यह जानना चाहता हूं कि ये पिक अप वैनज व ट्रक्स असलियत में किसानों के लिए बिजली के खम्भे व ट्रान्सफारमर्ज वर्गरह ढ़ोने के काम आते है या किसी एस0 डी0 ओ0 या दूसरे आफिसरों के कामों में इस्तेमाल होते है? हमारी जानकारी के अनुसार ये ट्रक्स व पिक अप वैनज किसानों के काम न आकर के दूसरे अफसरों का प्राईवेट काम करते है। क्या सरकार इस बारे में जांच करवाने का इरादा रखती है?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह जोसवाल कियाहै यह बड़ा जनरल ओरवेग या है जिसका न किसर है न पैर हैं उनहोने कहा कि हमारे जो पिक अप वैनज है और ट्रक्स है ये सामान अफसरों का सामान ढोया है और किस किसान का नही ढोया है तो मै जबवाद देसकता हूं अब जैसी जैसी इनकी पार्टी है, ऐसे ऐसे इनके सवाल है और ऐसी ऐसी इनकी बुद्धि है तो इसमें मै क्या कर सकता हूं?

श्री सतबीर सिंह कादियानः अध्यक्ष महोदय, मेरे सवाल का पूरा जवाब नही आया।

श्री अध्यक्षः आप स्पैसिफिक नाम लेकर के सवाल पूछ लेना। अभी आप बैठिए और कंवर राम पाल सिंह जी को सवल पूदन दीएिज।

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्षमहोदय, मंत्री जी ने अर्ज्ञी बतायाकि ये ट्रक्स और पिक अप वैन्ज जोहै, ये ता किसानों का सामान जैसे पोल्ज या ट्रासफामर्ज आदि ढोते है। दूसरी बात उन्होने कही कि यदि अफसरों का कोई माल ढोते हो तो हमारे नोटिस में लाए। लेकिन मै उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या उनके नोटिस में यह बात है कि प्रैक्टीकली जब किसान को पोल्स ट्रासफार्मज वगैरह बिजली बोर्ड की व्हीकल्ज द्वारा उन तक पहंचुान का कश्ट करवाएंगे?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय,ऐसा है कि जब कभी किसी किसान का टयूबवैल कनैक ान रिलीज होता है तो किसान को पाले वगैराह ले जाने के लिए ट्रांसपोर्ट की जरूरत पड़ती हैं। अगर उसका ट्रांसफार्मर लगाना है तो ट्रांसफार्मर ने जाने की जरूर पड़ती है। लेकिन ऐसा कोई केस मेरे नोटिस मे ंनही आया है। स्पीकर सहाब, मै एक जनरल बात कह रहा हूं। सरकारी व्हीकल यदि 10 किलोमीटर दूर है ओर मै कहता हूं कि मेरी ट्रेक्टर ट्रालजी है और मैने जो चार पोल जोन है, मै उन्हें अभी ले जाता हूं ताि इसमें क्या हर्ज है? फिर भी स्पीकर साहब, यदिी ये बताएं कि किसान का फला–फला नाम है और उसकी यह ि ाकायत है कि व्हीकल मौजूद था और बिजली

बोर्ड वालो ने ले जाने से इन्कारकर दिया जिसकी वजह से किसान को मजबूरी में और किराए की व्हीकल परन आपना समान आप ले जाना पड़ा तो हम इस बारे में एक ान लेगे। स्पीकर साहब मै मैम्बरों से दरखस्त करूंगा कि कृपा आप ऐसा सवाल मत पूछे क्योंकि आप कोई भी जनरल स्वीपिक सवाल पूछ कर करके अपनी मद्द कर रहे है। और न ही किसानों की कर रहे है और न आप बिजली बोर्ड की ठीक लाईन पर जाने की बात कर रहे हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम पाल सिंह कंवरः अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री महोदय को यह बताना चाहता हूं कि मै खुद अपने ट्रांसफार्मर और पोल हमे ाा अपने व्हीकल से लेकर गया हूं। बिजली बोर्ड के मुलाजिमों की यह जनरल प्रैक्टिस है कि वे किसानों से व्हीकल मंगवाते है। (व्यवधान एवं भाोर) जब भ कोर्ठ कनैक ान लिया चाहे वह पिछली गवर्नमैंट का टाईम थ्झा या उससे पिछली गवर्नमैंट काथा ऐसा ही होता रहा है। (व्यवधान एवं भाोर) अब मै आपके डेट क्या बताऊ आप बे इन्क्वारी मत कीजिए। आप इस सवाल का जवाब दीजिए कि आईन्दा आप इसमें सुधार लाएंगे और आईन्दा यह प्रेक्टिस नही होगी?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, कंवर राम पाल सिंह जी या कोई और मैम्बर यदिकभी जुबानी या चिट्ठी लिख के या कसी दूसरे पतरीके से यह बात मेरे नोटिस में लाया हो तो मै कसूरवार हूं। हाउस में ो पहल बार ये चूंकि सवाल कर

रहे है तो उसका जवाब मेरे पास कैसे हो सकता है। (विध्न) मै जनरल बात कह रहा हूं। कोई श्रभी जनरल इंस्ट्रक ान तो ये ह क किसान अपना व्हीकल नही लेकर जाएगा। बिजली बोर्ड जब क्नैक ान देगातो बिली बोर्ड ही व्हीकल ले कर जाएगा। जब भी कोई आदमी इस प्रकार की कोई ि ाकायत लिख कर या जुबानी बताएंगे तो हम उस पर कार्यवाही करेगे।

Dhatir Distrubutary

64 Sh. Karan Singh Dalal: Will the Minister for Irrigation & Power be pleased to state—

(a) Whether there is any scheme under consideration of the Government to extend the Dhatir distributary beyound village Sinkanderpur upto village Dhatir in Palwar Consitunecy; and

(b) If so, the time by which the said scheme is likely to be materialized?

Irrigation & Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surjewala):

(a) No, sir.

(b) Question does not arise.

श्री कर्ण सिंह दलालः अध्यक्ष महोदय, कल भी यह बात चर्चा मे आयी थी ओरआज फिर मै आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से यह अनुरोध करना चाहूंगा कि धतीर डिस्ट्रीब्यूटरी क बाद जो सिकन्दरपुर गांव है, उसमें नहर की पूरील तरफ से खुदाई नह`नेन

की वजह से जब नहर मे ंपानी आत है तो वह पूरी तरह से इसगांव केा डूबों देता है। जिसके कारण गांव के लागों को चलने फिरने में दिक्कत होती है, गांव की बहन बेटियां सही तरीक `सेबाहर निकल नही सकती। इसलिए मै जानना चाहूंगा कि अगर धतरी डिस्ट्रीब्यूटरी को खोदने का सरकार का इरादा नही है तो क्या बां वर सरकार को कोई चैलन वगैरह बनाने का इरादा है या नही?

श्री भाम ोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, धतीर डिस्ट्रीब्यूटरी गुडगांव से निकलती है है जो कि आगरा केनाल का एक पार्ट है और इसकी लम्बाई पौने ग्यारह कि0 मी0 है। इसमं 43 क्यूसिक का डिस्चार्ज है तथा इसके अन्दर पांच छः गाव है जिसमें कि सिकन्दरपुर गांव भी आता है। यह नहर इन सब गांवों को सैरेाब करती है। इस नही को आगे बढ़ाने के लिए अभी कोई स्कीम या प्रौजैक्ट नही है। चूंकि इन्होने पहली बार यह डिमांड की है और यह समस्या बताई है कि सिकन्दरपुर गांव में पानी खड़ा हो जाता है। इसलिए मै इनकों वि वास दिलाता हूं कि अगर इसकेा यह आगे बढ़वाना चाहत है तो हमें लिखकर दे फिर हम इस नहर को आगे बढ़ाने की पूरी कोि ा ा करेगे।

Setting up Defence Colony at Rohtak

45. Ch. Om Parkash Beri: Will the chief Minister be pleased to stae whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Defence Colony at Rohtak, if so, the details thereof?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): नही श्रीमान। रोहतक में डिफैन्स कालोनी बनाने का फिलहाल कोई विचार नही है।

चौधरी ओम प्रका ा चौटाला: अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री जी से आपके माध्यम से पूछनाचाहता हूं कि डिफैन्स कालोनी का क्राइटेरिया क्या है? चूंकि रोहतक जिले मं सबसे ज्यादस ऐक्स सर्विसमैन रहते है इसिलए क्या भविश्य में वहां पर कोई डिफन्स कालोनी बनाने का विचार है या नही?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हमने इस बारे में फैसला किया है कि जहां पर ज्यादा ऐक्स सर्विसमैन या फौजी रहते है। वहां पर यदि हुड्डा कोई प्लाट कांटता है तो उसमें से 20 परसैन्ट का कोटा उनके लिए रिवर्ज होगा यानि अगर हुड्डा 500 प्लाट काटता है। तो 20 परसैन्ट के हिसारब से 100 प्लाट को उनको रिजर्वे ान दिया जायेगा। वैसे अलग डिफन्स कालोनी बनाने का कोई विचार नही है क्योंकि एक जगह इकट्ठी कालोनी बनाने से इनका डिवैल्पमैंट भी कमी हो जाता है। जबकि अलग–अलग कालोनी बनाने सेउनका विकास होने में 10 वर्श लग जाते है।

Appointment made in Haryana Roadways

110 Sh. Chhattar Singh Chauhan: Will the Minister of sate for Transport be pleased to state—

(a) The category wise number of appointments made ondaily wages and on adhoc basis in each depot of Haryana Roadways during the years 1987 to 1991; and

(b) Whether it is a fact that certain irregularities have come to the notice of the Government regarding the appointments made as referred to in part (a) abov; if so, the details thereof?

श्री अध्यक्षः इस प्र न के लिए सरकार के ऐक्सटे ान मांगी है जेा की ग्रान्ट कर दी गई है। इसके बारे में सम्बन्धित मंत्री से आया पत्र इस प्रकार हैः—

Interim Reply

D.O. No. 78-MT

'BALABIR PAL SINGH Minister of state for

Transport Department,
Haryana,

Chandigarh.

Dated 18-12-91

Subject: Starred Assembly Question No. 110 Extension of time.

Respect Speaker Sahib,

Starred Assemblyquestion No. 110 is due for answer on20-12-91. The reply to the question involves collectionof information from 18 defferent depots of Haryana Roadways

located in the field about appointment made in the last four years. The appointing authorties are som tim. Tis is, therefore, requested that an extension of one month period may kindly be allowed for furnishing the reply to this question.

With regards

Yours Sincerely,

SD/-

(Balbir Pal Shah)

Sh. Ishwar Singh

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha,

Chandigarh.

Change of Girdawari

90 Sh. Mani Ram Keharwala: Will the Minister for revenue be pleased to sate whether it is a fact that chang go Girdwari regarding land of Ellenbad Hospital in the Revenue record has taken place; if so, the reason therefor?

Revenu Minister (Ch. Birender Singh): Yes, Sir, The Girdawari was changed in compliace with the order of assistant collector, II-Grade, Ellenabled and additional senior sub Judge, Sirsa.

श्री मनीराम केहरवाला: क्या रेवेन्यू मिनिस्टर बतायेगे कि असिसटैन्ट कलैक्टर, ग्रेड ऐलनाबाद की अदालत में जब केस

जमीन की गिरदावरी बदलने के लिए दायर किया गया था, उस समय हैल्थ डिपार्टमैंट की तरफ से कौनसा औफिसर गया था?

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः हैल्थ डिपार्टमैंन्ट की तरफ से कोई अफसर नही गया।

श्री मनी राम केहरवालाः इस जमीन की गिरदावरी हैल्थ डिपार्टमैन्ट के नाम 1940 से है। जब यह तबदील की गई तो किसी अफसर ने इनको डिफैड तो किया होगा?

श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीरक साहब, बी डी पी ओ ऐलनाबाद ने एक दर्खास्त असिटेट कलैक्टर, II ग्रेड, को दी कि इसकी गिरदावरी पंचायत समिति के नाम कर दी जाए। तो उनहोने नोटिस दिया डिस्पैसरी के डाक्टर को डाक्टर ने जवाब दिया कि मै ऐमरजैसी केस में बिजी हूं इसलिए मैं इस डेट को नही आ सकता। फिर असिसटैंट कलैक्अर ने अगलजी डेट दी लेकिन डाक्टर अगली डेंट को भी पे ी पर नही गया। इसलिए असिसडैट कलैक्टर ने एक्स पार्टी प्रोसिडिग्ज करके फैसला दे दिया।

श्री मनी राम केहरवालाः स्पीकर साहब, कल हाउस में बहिन करतार देवी जी ने जवाबद देते वक्त उस डा0 का नाम कटारिया बताया था। क्या वे वही डाक्अर है जिन्होने सुप्रिया कांड में देवी लाल जी की पौत्रवधू को पोस्ट मार्टम किया था?

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः इस बारे में कल बता दिया गया था।

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, जब यह सवाल हैल्थ मिनिस्टर से पूछा गया था तो कल बताया गया था कि तनी चार रि तेदार ऐक्स चीफ मिनिस्टर चौधरी देवी लाल और ओम प्रका ा चौटाला के थे उन्होने इस जमीन परकब्जा किया हुआहै। स्पीकरसहाब, उन्होने इललीगल वे में इसकी गिरदवारी चेंज करवाई है। क्या मंत्री जी बातएंगे कि उन्होन इसे लीग कराने के लिए कुछ पैसा देने की कोि ा ा की है? अगर की है, तो क्या गवर्नमैंन्ट इसको ऐक्सैप्जल करेगी?

चौधरी बीरेन्द्र सिहः सर, गवर्नमैंट` रेट् स के मुताबिक जस जमीन कीकीकत अढाई हजा ररूप्ए गज बनाती है जबकि वह रजिस्ट्री सौ रूपए गज के हिसाब से हुई। दो रजिस्ट्री 75—75 हजारकी है और एक लाख रूपए की है। कुल अढाई लाख की है। मार्कि रेट के मुताबिक वह 75 लाख रूप्ए की जमीन है। तो उसकाअंडर वैल्यू एस्टीमेंट लगाया था अैर रजिस्ट्री को इमपांउड किया था। पार्टी ने कोि ा ा की थी कि हमसे पैसा भरा लिया जाए। जब हमेंसारे स्कैंडल का पता चाला ता हमने फसेला किया कि हम कोर्ट में जाऐगे और लीगल राय लेकर आगे चलेगे।

श्री फूल चन्दमुलानाः स्पीकरसाहब, अगर खाना गिरदावरी में ऐटरी पोजै ान की हुई है तो हस्पताल के नाम होनी चाहिए थी और था किसी व्यक्ति वि ोश के नाम होने से वह बेईमानी सबि तनही करती?

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह जो जमीननम्बर 766/1766 और 766/2 है इसे वर्श 1938–39 में वहां के कोइ सेठ थे डनहोने अस्तपाल के लिए दान दिया था। 1938 से 1982 तक यह जमीन अस्पताल के नाम या डिस्ट्रिक्ट बोर्ड के नाम, कयोंकि उस समय डिस्ट्रिक्ट बोर्ड ही अस्पताल चलाता था, गिरदवारी चल रही थी। 1982 में हैल्थ डिपार्टमैं ने जब यह डिटैक्ट कियातोडिपार्टमैंट ने इसकी गिरदावरी अपने नाम करा ली। गिरदावरी पिछले पचास साल से अस्पताल के नाम थी।

श्री फूल चन्द मुलानाः स्पीकर साहब, क्या मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि अस्पताल के नाम से जो गिरदावरी बदली उसके बारेमें क्या किसी ने लिखकर दिया था? क्योंकि जब तक कोई लिखकर न दत दे तब तक गिरदवारी नही बदली जा सकती?

चौधरी बीरेन्द्र सिहः स्पीकरसाहब, अस्पताल के अथौरटीज को बाकायदा असिस्टैंट कलैक्टर II ग्रेड ने नोटिस दिया जोकि उसे रिवी किया ओर उसक रिसीव करने के बावजूद वह कोर्ट में हाजिर नही हुआ। स्पीकर साहब, बी0 डी0 पी0 ओ0

के नाम गिरदावरी हो गई तो उसके प चात् पार्टी ने सिविल कोर्ट से अपने नाम गिरदावरी कर ली ओर जब उसके नाम गिरदावरी हुई चौधरी देवी लाल के रि तेदारी ने जीनल की गिरदावरी कराकर 103 दुकानों की तामरी भुरू कर दी। आज वह जायदाद अढ़ाई तीन करोड़ रूपए को बनती है।

श्री पीर चन्दः क्या मंत्री महोदय यह बताने ककी कृपा करेगे कि क्या यह ठीक नही है कि जब कोई प्रौपटी खरीदता है और सरकार को यदि उसकी कीकत कम लगती है तो सरकार खरीदने वाले को पैसा देकर वह प्रोपर्टी ले लेती है? क्या सरकार इस मामले में भी जमीन का पैसा देकर अपने कब्जे में उसको लेगी।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, हम कोि ा ा यह करेगे कि न पैसा दे ओर जो गल्त तरीके से जमीन पार्टी ने ली है उसको अपने कब्जे में ले लें। स्पीकर सहाब, पैसा देकर पार्टी सेजमीनवापिस लेने का काम इंकमटैक्स डिपार्टमैंट वाले करते है वेन्यू डिपार्टमैंट वाले नही करते।

श्री कर्ण सिंह दलालः स्पीकर साहब, पलवल क `सलाहगढद्य गांव के स्कू के खेल के मैदान के नाम से भामलादेह जमीन पड़ी हुई है। हसनपुर के विधायक ने पांच लाख रूपया लेकर उस जमीन को खेल के मैदान के नाम से रिकार्ड से कटवा दिया और उस पर नाजायज कब्जा करना चाहे है। क्या मंत्री जी

इस बारे में ाकेई जांच करवा कर उस दोशियों के खिलाफ कार्यवाही करेगे?

Mr. Speaker: It does not arise out of it. Please take your seat Next Question.

Cases Registered Under Section 302 & 307

61 Prof. Ram Bilas Sharm: Will the Chief Minister be pleased to sate the names and address of the persons against whom the cases under section 302 & 307 of I.P.C. have been registered in Distt. Sirsa during the month of August, 1991?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

जिन व्यक्तियों के विरूद्ध जिला सिरसा में मास अगस्त, 1991 के दौरान धारा 302 और 307 भा0 द0 स0 के मुकदमें दर्ज किये गेय है, उनके नाम ओर पते निम्नलिखित है।:–

1	राजेन्द्र सिंह पुत्र बलबीर सिंह निवासी सकता खेड़ा।
2	प्रीतक सिंह पुत्र बलबरी सिंज ाट निवासी सकता खेड़ा।
3	बलबरी सिंह पुत्र हरचन्द सिह जट सिख निवासी सकता खेड़ा।

4	सोहन सिंह पुत्र बेनका सिह राय सिख निवासी सकता खेड़ा।
5	हरी राम पुत्र डाूल राम निवासी डुडिया वाली।
6	जगदी ा पुत्र डालू राम निवासी डुडियां
7	बुध राम पुत्र डालू राम निवासी डुडिया वाली।
8	किसान चन्द पुत्र राम चन्द जाट निवासी डुडिया वाली।
9	जोरा सिंह पुत्र नाजर सिंह निवासी थराज
10	हरबिन्दर सिं हपुत्र जसबीर सिंह निवासी थराज।
11	अजय सिंह पुत्र औम प्रका ा चौटाला निवासी तेजाखेड़ा फार्म हाउस।
12	श्री लाल चन्द पुत्र ई र राम जाट निवासी चौटाला।
13	हरी राम पुत्र ई ार राम जाट निवासी चौटाला।
14	भाकर लाल पुत्र मनफूल हरिजन निवासी तेजा खेड़ा।
15	पृथ्वी राज पुत्र दूला राम निवासी तेजा खेड़ा
16	कुलदीप सिंह पुत्र बलदेव सिंह निवासी तरूआना।
17	जयबीर सिह पुत्र बलदेव सिंह निवासी तरूआना।

18	जगबीर सिंह पुत्र तेज सिंह जाट सिख निवासी तरूआना।
19	हरी राम पुत्र नानू निवासी मण्डी डबवाली।
20	भयामा पुत्र नानू निवासी मण्डी डबवाली।
21	सखी राम पुत्र नानू निवासी मण्डी डबवाली।
22	फतेह चन्द पुत्र नानू निवासी मण्डी डबवाली।
23	बनवारी पुत्र नानू निवासी मण्डी डबवाली।
24	गोली पुत्री नानू निवासी मण्डी डबवाली।
25	निरमा पत्नि राधे भयाम निवासी करनाल।
26	भाान्ती पत्नि राधे भयाम निवासी करनाला।
27	रामदेर्ह पत्नि नानू राम निवाी मण्डी डबवाली।
28	नानू राम पुत्र मोती राम निवासी मण्डी डबवाली।
29	मलकियत सिंह पुत्र गुरतेज सिंह जट सिंख निवासी बडागुढा।
30	महाबीर पुत्र अर्जन सिंह नवासी चौटाला।
31	रणजती सिंह पुत्र अर्जन सिंह निवासी चौटाला।
32	बलबीर सिंह पुत्र अर्जन सिंह निवासी चौटाला।

33	धर्म पाल पुत्र लाल चन्द निवासी चौटाला।
34	जसबन्त पुत्र रामा निवासी चौटाला।
35	स्वर्ण सिंह पुत्र दौलत राम निवासी चौटाला।
36	बलबीर सिंह पुत्र बुटा सिंह निवासी चौटाला।
37	गुलाब सिंह पुत्र करनैल सिंह निवासी जोरारेरोही।
38	लाभ सिंह पुत्र करनैल सिंह निवाी जोरोरारोही।
39	भाग सिंह पुत्र करनैल सिंह निवासी जोरारेरोही
40	सुखविन्दर सिंह पुत्र भाग सिंह निवासी जोरारेरोही

प्रो0 राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अगस्त 1991 में सिरसा जिले के अन्दर जिन लोगों के खिलाफ 302 और 307 के केस दर्ज हुए उनमें से कितने लोग पड़के जा चुके है?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्षमहोदय, धारा 302 के अंदर 4 आदमियों के खिलाफ केस दर्ज हुए और उनमें से एक आदमी को छोड़ कर बाकी सभी 3 आदमी गिरफ्तार हो चुके है।

Mewat Canal

59 Sh. Mohan Lal Pipal/Sh. Azmat Khan: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct the Mewat Canal ; and

(b) If so, the time by which it is likely to be constructed?

Irrigation & Power Minister (Sh. Shamsher SinghSurjewala):

(a) Yes, sir.

(b) It is diffcult ot specify any time for the construction.

श्री मोहन लाल पिपलः स्पीकर साहब, मेरे ख्याल में 1985 से यह स्कीम आई हुई है। मेरा इलाका साहिबी नीद का इलाका है। इलिए साहिबी नदी बंद होने से मेरे इलाके के पानी कास्तर नची चला गयाहै। मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या वे इसबात का आ वासन देगे कि उस नहर को जल्दी से जल्दी बना दिया जाएगा ताकि वह इलाका नहर के पानी से अपनी जमीनकी सिचाई कर सकें?

श्री भाम ोर सिह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, 70 करोड़ रूपये की मेवाल लिफ्ट इरीगे ान स्कीम नवम्बर, 1985 में बनाई गई थी और उस समय हरियाणा प्रदे ा मुख्य मंत्री चौधरी भजन लाल जी थे। यह 1100 क्यूसिक्स की नहर जे0 एल0 एन0 फीडर से निकलनी थी जिससे रोहतक, गुडगावा, रिवाडी और फरीदाबाद जिलों का रकवाब सैराब होना था। यह सरकार बनने

के बाद इस स्कीम के बारे में 12.11.1991 को प्लानिग कमि ान के वकिग ग्रुप में डिस्क ान हुई है। इस स्कीम को 8वी प्लान में डलवाने के लिए हरयिणा सरकार ने फिर दोबारा से प्रयत्न किए है। पिछली सरकार ने जिनके साथ आज मोहन लाल पिपल जी बैठे है इस स्कीम को कोल्ड स्टोरेज में लगा रिखा था।

चौधरी अजमत खां: स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि वह स्कीम नवम्बर, 1985 में बनाई गई थी और आज 6 साल के बाद हमें यह बताया गयाहै कि ये प्लांनिग कमि ान के साथ बात करके इस स्कीम को 8वी प्लान में डलवाने की कोि ा करेगे। यह एक लम्बा प्रौसेस होगा। मै आदरणीय मंत्री जी से एक बात कहना चाहूंगा कि इस नहर के लिए जमीन एक्वायर करने का काम ओर एलाइनमैंट का काम पहले करवा ले क्योंकि इन कामों में 10 साल का समय लगेगा। क्या मंत्री जी इसबारे में विचार करेगे?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, इस नहर का तक तक कोई काम नही हो सकता जब तक यह स्कीम प्लानिंग कमि ान से ऐप्रूव नही हो जाती। हम कोि ा ा कर रहे है। कि यह स्कीम 8वी प्लान में डलवा दें।

Dadupur Nalvi Canal

92 Sh. Kharaiti Lal Sharma: Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal consideration of the Govt. to construct Dadupur Nalvi Canal;a nd

(b) If so, the time by whichit is likely to be constructed/Completed?

Irrigation and Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surjewala):

(a)Yes sir.

(b) No time schedule can be given as the project is not sanctioned.

श्री खरैती लाल भार्मा: स्पीकर साहब, आदरणीय मुख्य ंत्री जी के कुरूक्षेत्र विजिट के दौरान मैने इनके सामन दादुपर नलवी नहर के निर्माण के लिए मांग रखी थी और इन्होने उस नहर को भीघ्रति ीघ्र पूरका रकने का वायदा भी किया थज्ञं मै आपके माध्यम से जानना चाहता हूं कि क्या उस नहर को भीघ्रति ीघ्र बनाने की दि ाा में कोई पग उठाया गया है?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला: अध्यक्ष महोदय, अम्बाला डिस्ट्रिक्ट और कुरूक्षेत्र जिले के इलाकों के लिए जिनमें अब केवल टयूबवैल्ज है और एस0 वाई0 एल0 नहर तक का जो एरिया है उसमे ंपानी पहंचाने के लिए 1985–86 में कांग्रेस की सरकार ने ही दादुपुर नलवी स्कीम के बारे मेंकार्यवाही भाुरू की थी। उस वक्त हमने इसके लिए जमीन भी ऐक्वायर कर ली थी। स्कीमें पर काम भाुरू करना था लेकिन इतनी देर में बदकिस्मती इस प्रांत की

कि किसान विरोधी सरकार किसानों को झूठा नारा देकर दुबारा सत्ता में आ गई और इन्होने इस स्कीम पर कोई कार्यवाही नही की। अब दुबारा से हम स्कीम को फिर टेकअप करेगे।

श्री लहरी सिंहः स्पीकर साहब, अभी मंत्री महोदय ने सवाल के जवाब में कहा है कि यह स्कीम मन्जूर नही हुई हैं मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि जब पीछे मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी थे तो उस वक्त इन्होने जमीन ऐक्वायर करा कर जमींदारों को जमीन को पैसा दिलाना भाुरू किया था । दादुपुर नलवी और दादुपुर लाडवा इन दोनों नहरों के लिए जमीन की ऐक्वीजि ान भाुरू हो गइ थी। लेकिन अब ये सवाल के जवाब में कह रहे है, कि ऐक्वीजि ान भाुरू हो गई तो ये कैसे कह सकते है। कि सह स्कीम मन्जूर ही नही ुई। मै मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि अब इस की क्या पोजीान है और सरकार इसको कब तक बनायेगी।

Prof. Sampat Singh: Speaker: Sir, Sh. Lehri Singh is saying reightly. The project was not sanctioned. Still the Government acquired theland. How it can be? It was only a drama.

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मै सम्पत सिंह जी को एक बात जरूर बात देना चाहता हूं क्योंक ये आई0 पी0 एम भी रहे है और इनको सारी बातों की जानकारी भी होगी। (विध्न) मै इनको यह बताना चाहता हूं कि चौधरी बसी लाल जी

के समय में जो लिफ्ट कैनाल्ज भाुरू हुई थी, उनकी सैक ान आत तक भी नही ुई हैं जबकि उनकों चले हुए इतना समय बीत चुका है। सैक ान तो फामैलिटी है। मै हाउस की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहता हूं कि 1985–86 में जब चौधरी भजन लाल जी मुख्य मंत्री थे और बाद में चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री बन गएतो उससमय इस स्कीम के लिए जमीन वगैरह ऐक्वायरकर ली गई थी।

Mr. Speaker: Hon'ble Members. Questons hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Black-wise Number of High and 10+2 Schools

95 Ch. Azmat Khan: Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) The block-wise number of Government Hight Schools and 10+2 system scholls in Hathin, Nuh, Taur, Nagina, Ferozepur Jhirka and Punhana; and

(b) The number of schools as referred to in part (a) above are wihtout Headmasters at present?

ि ाक्षा मंत्री (श्रीमती भाान्ति राठी): (ए. तथा बी.) सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

सूचना

हथीन, नूह, तांवडू, नगीना, फिरोजपुर झिरका तथा पुनहाना खण्ड में राजकीय उच्च विद्यायक तथा राजकीय वरिश्ठ माध्यमिक विद्यलयों की संख्या।

खण्ड का नाम	विद्यालयों की संख्या	रा0 व0 मा0 वि0
	रा0 व0 मा0 वि0	
हथीन	11	4
नूह	11	
तावडू	8	2
नगीना	9	1
फिरोजपुर झिरका	7	1
पुनहाना	11	1
कुल जोड़	**57**	**9**

(बी) पैरा ए में अंकित विद्यालयों की संख्चा जिन में मुख्याध्यापक/प्राचार्य का पद रिक्त है।

खण्ड का नाम	विद्यालयों की	रा0 व0 मा0

	संख्या रा0 व0 मा0 वि0	वि0
हथीन	11	4
नूह	11	
तावडू	8	2
नगीना	9	1
फिरोजपुर झिरका	7	1
पुनहाना	11	1
कुल जोड़	**57**	**9**

Upgradaton of the Dispensary

56 Sh. Bharath Singh: Will the Minister for health be pleased to state whether there is anhproposal under consideration of theGovernment to upgade the Kalayat Dispensary of Distric Kaithal in to 10 bed hospital, if so the time by which it is likely to be upgraded?

स्वास्थ्य मंत्री (बहिन करतार देवी): नही, एक 30 बिस्तर सामुदारियक स्वास्थ्य केन्द्र कलायत मे ंपहले ही कार्यरत है।

ध्यानकाकर्शण प्रस्ताव

हरियाणा के धनी आबादी वाले गांवों/छोटे कस्बों में सीवरेज सिस्टम की व्यवस्था करने सम्बन्धी

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मै इस महान सदन का ध्यान इएक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलानाचाहतीा हूं कि बड? गांवों व छोटे आबादी ज्यादाहै, गलियामें पानीखड़ा रहता है, कीचड़ बदबू मारती है, उसके कारण मलेरिया के मच्छर और मक्खियां पैदा हो कर बीमारी फैला रहे है।

अतः भीघ्र ही सीवरेज हो और उसके साथ ही महिलाओं व वृद्धों के लिय भौचालय इत्यादि का प्रबन्ध हो।

आज गांव में नरक बने हुऐ है, गलियों में कीचड़ है और कूंडे के अम्बार है। नई नई बीमारियों फैल रही है। अतः बच्चो के स्वास्थ्य व सारे गांव की सेहत के लिए गांवों को रहनेनायल बनाना सरकार का कर्तव्य है।

वक्तव्य–

जन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी

जनस्वास्थ्य मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, सरकार राज्य के बड़े गांवों तथा छोटे भाहरों में मल निकास व्यवस्था की आव यकता के बारे में जागरूक है। मल निकास व्यवथ्सा को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रत्येक घर में 110 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी उपलबध कराने की

आव यकता है। अब तक सरकार द्वारा स्टैडपोस्टों के माध्यम से लोगों को स्वच्छा पेयजल की पेयजल की न्यूनतम आव यकता पर बल दिया गय ाहै और यह लक्ष्य मार्च 1992 तक पूरा होने की आ ाा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत केवल 40 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी दिया जाता है। पानी की यह मात्रा मल निकास व्यवस्था के लिए पूर्ण तथा अपर्याप्त है। अतः मल निकास की व्यवस्था करने के लिए पानी की मात्रा 110 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक बढ़ानी होगी ताकि मल निकास व्यवस्था चालू की जा सकें।

आठवी पंचवर्शीय योजना के प्रारूप में, 5000 से अधिक जनसंख्या वाले 120 गांवों मे ंपानी की मात्रा 110 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक बढ़ाने के लिए 80 करोड़ रूपये का प्रावधान प्रस्तावित है। इस बढ़ौतरी के साथ साथ इन 120 गांवां में मल निकास व्यवस्था चालू करने के लिए 50 करोड़ रूपये का प्रावधान भी प्रस्तावित है। यद्यपि योजना आयोग ने इसे स्वीकार नही किया है। क्योंकि उनकायह विचार है कि गांव व छोटे भाहर, कम कीमत के स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत लिए जाने चाहिए औरगांवों तथा छोटै भाहरों में मल निकास व्यवसगि के लिए रा ि ा प्राथमिक स्कीमों में उपलब्ध नही करवाई जासकती। तथापि आठवी पंचवशीय योजना के बारे में अन्तिम निर्णय योजना आयोग और राज्य सरकार के बची विचार विम र्ा करके लिया जाना है और इस मामले पर पुनः उच्च स्तर पर विचार–विम र्ा किया जाएगा।

इसी दौरान सरकार ने कम कीमत के स्वच्छता कार्यक्रम के अन्तर्गत निजी घरों में हस्तचलित फल ा भौचालय बना कर देने का कार्यक्रम बड़े स्तर पर आरम्भ किया है और इसके साथ साथ महिलाओं के लिए सार्वजनिक भौचालय भी बनाए जाएंगे ताकि अन्धेरा होने की प्रतीक्षा कए बिना इनका प्रयोग किय जा सके।

जहां तक छोटे भाहरों का सम्बन्ध है, ऐसे 40 भाहर है, जिनमें मल निकास की व्यवस्था नही है। आठवी पंचवर्शीय योजना मे ंइन भाहरों में भी मल निकास तथा लघु भौचालय के मिले जुले कार्यक्रम को आरमी करने के प्रयास किए जाऐग। इनमें से बहुत से भाहरों में जल वितरण व्यवस्था, मल निकास व्यवस्था को चलाने के लिए अपर्याप्त है अैर मल निकासयोजना भुरू करने से पहे इसमें बढौत्तरी करना आव यक है।

यदि विकास ील आव यकताओं के लिए निर्धारित प्राथमिक के अन्तर्गत, बड़े गांवों व छोटे भाहरों में मल निकास व्ययवस्था के लिए पर्याप्त धनरा ि ज्ञ उपलब्ध नही करवाई गई तो राजय सरकार जितनी जल्दी हो सका योजना आयोग के साथ विचार विम र्ा के बाद, गांवों और छोटे भाहरों में कमकीमत का स्वच्छता कार्यक्रम ओ गन्दे पानी की निकासी सुनि ि चत करकेगी ताकि गालियों में और खुले स्थानों पर पड़े कीचड़ और कूडे की समस्या को दूर किया जा सके ओर लोगों की सेहत पर इसका कुप्रभाव न पड़े तथा लोगो को बीमारी से बचाया जा सके।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, गांवों में मीठे पानी की कमी है लेकिन वहां पर खारे पानी की कोई कमी नही है। इसलिए मै सरकार को एक सुझाव देना चाहती हूं और इनसे एक बात जानना भी चाहती हूं। सुझाव यह ळै कि गन्दगी की सफाई करने के लिए खारा पानी भी उतना ही काम करता है जितना मीठा पानी काम करता है है मै जानता यह चाहती हूं क क्या सरकार इस बात पर विचार करेगी कि कोई योजना बनाकर खारे पानी का इस्तेमाल गन्दगी को साफ करने के लिए किया जाए जिससे मीठे पानी की, खती के लिए भी काम आसकता है, बचत हो सके।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकरसाब, ऐसी फिल्हाल कोई योजना नही है कि जिसमें एक व्यवथ्सा मीठे पानी की ओर दूसरी व्यवस्था खारे पानी के प्रयोग की है सके क्योंकि सरकार को जिस तरह से मीठे पानी की व्यव्थ्सा करने के लिए हर गांव में लाखों रूपया खर्च करना पड़ेगा उसी तरह से खारे पानी के प्रयोग की व्यवस्था करने के लिए भी अलग से लाखों रूपया खर्च करना पड़ेगा उसी तरफ से खारे पानी के प्रयोग की व्यवसथा करने के लिए भी अलग से लाखो रूपया खर्च करना पडेगा। इस तरह की प्रोपोज चूंकि फीजीबल नही है। इसलिए इस तरह व्यवस्था करना ठीक नही है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, इजारायल में तो समुद्र के खारे पानी को भी मीठा किया जा रहा है फिर अपने यहां पर

कम ब्रैकि ा वाटर है। आप इसको ट्रीट करके मीठा बनाये ओर फिर उसको यूज करें।

चौधरी जगदी ा नेहराः मैडम, आपने जो बात अब कही है, वह वास्तव में ठीक है कि खारे पानी को मीठा किया जाना चाहिए। खारे पानी को मीटा करने के लिए गुडगांवा में हमने एक स्कीम चालू कर रखी है है। बहुत से गांव उसमें आते है। चार जगहों पर एक योजना सरकार ने भाुरू कर रखी है। वहां पर खारे पानी को मीठा बनाकर गांवो में सप्लाई किया जा रहा है। लेकिन इसके लिए बहुत ज्यादा पैसा खर्च हो रहा है। सारे गांवों के लिए इतना पैसा खर्च की पाना सम्भव नही है। योजना आयोग भी इस बात को मानता नही है कि इता मंहंगापानी लागों को सप्लाई किया जाए। इसके साथ्ज्ञ ही मै यह बताना चाहता हूं कि धीरे धीर इस स्कीम पर कार्यवाही की जा रही है ताकि हरियाणा के उन 6 जिलों में जिनमें खारा पानी है, वहां पर लोगों को मीठे पानी की सुविधा दी जा सके। सिरसा, भिवानी, हिसार, रोहतक, गुडगांव ओर नारनौल के बहुत से ऐसे गांव है जहां पर खारा पानी है। अगर इन सारी जगहो के लिए इस तरह की योजना चालू हो जाए तो बहुत अच्छी बात होगी लेकिन इसके लिए खर्चा काफी आता है इसलिए हम धीरे धीरे इस योजना पर काम करने की कोि ा ा करेगे।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकरसाहब, फस्ट आफ आल, मै ापसे एक सब मि ान करना चाहता हूं। You have allotted a seat to Mr. Kharaiti Lal Sharma with Congress (I). Has he been admitted in Congress (I)? (Iterruptions)

श्री अध्यक्ष: ऐडमिट करना तो चीफ मिनिस्टर साहब का काम है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: परन्तु आपने उनको सीट तो उनके साथ दे दी है।

श्री अध्यक्ष: रूल्ज के मुताबिक ही दी हुई है लेकिन आप इस बारे में मेरे साथ चैम्बर में आकर बात कर लेना।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: ठीक है जी। स्पीकर साहब मैने एक काल अटै ान मो ान दिया था कि महेन्द्रगढ़ जिले में बिजली कम सप्लाई हो रही है। वहां पर केवल 6–7 घंटे ही बिजली आ रही है। वहां पर एक बड़ा ट्रांसफार्मर लगाया जाना जरूरी है। एक वही ऐसा इलाका है जहां पर इतनी कम बिजली दिन में में आ रही है।

मेरा दूसरा काल अटै ान मो ान प ाुओं के चारे की कमी के बारे में था। लोहारू, भिवानी, महेन्द्रगढ़ के इलाकों में सावनी की फसल बहुत कम हुई है। वहां पर चारा सौ रूपये मन के हिसाब से गि रहा है। वहां पर प ाुओं के चारे की बहुत ही

किल्लत है। क्या आप बताएंगे कि मेरे इन काल अटैन्शन मोशन्ज का क्या हुआ?

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, ऐसा है कि एक दिन में एक ही काल अटैन्शन मोशन लग सकता है। और आज एक काल अटैन्शन मोशन का क्या हुआ?

श्री अध्यक्षः राम बिलास जी, ऐसा है कि एक दिन में एक ही काल अटैन्शन मोशन लग सकता है और आज एक काल अटैन्शन मोशन लग चुका है। आपका जो काल अटैन्शन मोशन स्केयरसिटी औफ इलैक्ट्रीसिटी इनमहेन्द्रढ़ से सम्बन्धित है, उस पर चूंकि पहले ही काफी बहस हो चुकी है इसी लिए वह डिस–आलाउट हो चुका है। (शोर) अब आप कृपया बैठिए।

श्री सतबरी सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मैने 18 तारीख को एक काल अटैन्शन मोशन दियाथा जिसमें 6 तारीख से सारी स्टेट के अन्दर डाक्टरों की हड़ताल शुरू होने सम्बन्धी बात कही गयी थी। वे लोग अपनी मांगे स्वीकार न होने के कारण 6 तारीख से सारी स्टेट के अन्दर हड़ताल पर जा रहे है। अन्य मांगों के सथ में डाक्टरों ने अपनी एन0 पी0 ए0 की डिमांड भी रखी है क्योकि दूसरी स्टेट्स के मुकाबले में उनको एन0 पी0 ए0 कम मिलताहै मैरा कहने का तात्पर्य यह था कि अगर उनकी मागे न मानी गई तो वे लोग सारी स्टेट के न्दर हड़ताल कर देगे जिस कारण से अरग कोई गरीब आदमी कही हस्पताल में इलाज वगैरह

के लिए जाएगा तो उसको वे लोग अटैन्ड नही करेगे। अमीर आदमी तो कही भी पैसे खर्च करके किसी भी हस्पताल में अपनाइ इलाज करवा सकता है लेकिन गरीब आदमी का क्या बनेगा? इसलिए सरकार इस ओर वि ोश ध्यान दे। दूसरा मेरा कहना कि अन्धे ने भ धरना दे रखा है। इसलिए आप सरकार को कहे कि वे मेरे इन प्रस्तावों पर विचार करें क्यों जनता को परे ाान किया जा रहा है? क्यों गरीब आदमी को मारा जा रहा है? स्पीकर साहब, मै यह आपसे जानना चाहता हूं कि मेरे इस काल अटैन् ान मो ान का क्या बना?

Mr. Speaker: Kadian Sahib, your call attention motion has been disallowed. इसका जबाव भी आपको भेजा जा चुका है। अगर आप इसकी वजह जानना चाहतो हो मै बात देता हूं। It has been disallowed on the following grouns:—

1. The strickes, dharnas and demonstrations are not subject matters of calling attention notice.

2. The matters relaing to the terms and conditins of the employees are not admitted as part of the cfalking attentionmotion.

श्री सतबरी सिंह कादयानः स्पीकर साहब, मुझे कोई जवाद नही मिला है। (ाोर) हम तो जनाब मरीजों के बारे में चिन्तित है। वे मर जाएंगे। डाक्टरां से हमनें कोई हमदर्दी नही है। हमें तो मरीजों से हमदर्दी है।

श्री अध्यक्ष: आप कृपया बठिए।

सदन की मेज पर रखे गए कागज पत्र

Mr. Speaker: Now, the Irrigation & Power Minister will lay on the Table the Report of Commission of Inquiry headed by Mr. Justice S.S. Grewal.

Irrigation & Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surjewala): Sir, I lay on the Table the Report of Commission of Inquiry in repect of Justice S.S. Grewal, as required under Sub-Section (4) of Section 3 of The Commissions of Inquiry Act, 1952.

नियम 15 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now the Irrigation & Power Minister will move the mottion under rule 15.

Irrigation & Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surewala: Sir, I beg to move—

That the proceeding on the items of business fixed for today be expted at this day's sitting from the provisions of the Rule sittings of of teh Assembly, Indefinitely.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the proceeding on the items of business fixed for today be expted at this day's sitting from the provisions of the Rule sittings of of teh Assembly, Indefinitely.

Mr. Speaker: Question is—

That the proceeding on the items of business fixed for today be expted at this day's sitting from the provisions of the Rule sittings of of teh Assembly, Indefinitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker; Now the Irrigato & Power Minister willmove the motion under Rule 16.

Irrigation & Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move—

That the Assembly its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Motion—

That the Assembly its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Question is—

That the Assembly its rising this day shall stand adjourned sine-die.

The motion was carried

बिल्ज–

दि हरियाणा रैगुले ान एंड केट्रोल आफ क्र ार्ज बिल, 1991

Mr. Speaker: Now the Hon'ble Minister for Industries will introduce the Haryana Regulation and Control

of Crushes Bill, 1991 and also move the motion forits consideratoin.

Industries Minister (Sh. Lachhman Dass Arora): Sir, I introduce the Haryana Regulation and Control of Crushers Bill, 1991.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Regulatin and control of crushers Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Haryana Regulatin and control of crushers Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Question is—

That the Haryana Regulatin and control of crushers Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now te House will consider the Bill clause by clause.

CLAUSES 2 TO 16

Mr. Speaker: Qeustion is—

That clauses 2 to 16 stand part of the Bill.

The motin was carried.

CLAUSE 1

Mr. Speaker: Question is—

That clause I stand part of the Bill,

The motion was carried.

ENACTING FORMULA

Mr. Speaker Question is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carred

TITLE

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Titel of teh Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Minister will move that the Bill passed.

Industries Minister (Sh. Lachhman Dass Arora): Sir, begto move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

श्री बंसी लाल (तो ाम): अध्यक्ष महोदय, यह जो बिल सरकार लाई है, मै इसका समर्थन करता हूं बल्कि मै तो यह

कहूंगा कि सरकार यह बिल लेट आई, इसको तो इससे बहुत पहले ही लाना चाहिए था। अध्यक्ष महोदय, मै इसमें एक बात प्वायंन्ट आउट करना चाहूंगा कि सरकार न इमसेंक्लीयर नही किया कि क्रे ार जौन कौन सा होगा, और कहां होगा और कहां हेागा, सड़के से कितनी दूर होगा और आबादी से कितनी दूर होगा? इसको आप चाहे रूल्ज में डिफाईन कर दे। मै यह नही करता कि आप इसमें करों। मै यह समझता हूं कि सड़के से और आबादी से कितनी दूर होगा? इसको आप चाहे रूल्ज में डिफाईन कर दे। मै यह नही कहताकि आप इसमें करो। मै यह समझता हूं कि सड़क से और आबादी से इतनी दूर हो कि उसका पोल्यू ान सड़कों तक ओर आबादी तक न पहुंचे। अध्यक्ष महोदय, निवेदन यह हैथ क जितने भी क्रे ार्ज लगे उनके ऊपर सरकार यह कडी ान लगाए कि उनसबसे ट्रीटमैंट प्लांट लगे क्योंकि जितने मदूरओर गरीब आदमी इनमें काम करते है, क्रे ार के गर्दे से, उनको टी0 बी0 होती है, उनको कैंसर होत है, यह डाक्टरेां की रिपोर्ट है। गरीब आदमी मजदूरी करने तो जाना पड़ताहै। इसलिए उनकी हिफाजत क लिए टीट्रमैंट प्लांट लगाना बहुत चजश्री है।

अध्यक्ष महोदय, सैक ान 9 मे लिख है। कि डायरैक्टर अपनी पावर्ज किसी को भी दे सकता है। मै आपके के जितरए सरकारको यह सुझाव देना चाहूंगा कि यह पावर डैलीगेट करने का जहां तक सवाल है, अगर सरकार इसको मुनासिब समझे तो डिप्टी कमी ाश्नर इसकी बैस्ट अथौरिटी हैं

मुख्य मंत्री (चौधरी भजनप लाल): हम उसी को पावर्ज देने कीा सोच रहेहै।

श्री बंसी लालः अगर उसको ही देने के बारे में सोच रहे है। तो बहुत ही अच्छी बात है। सैक ान 10 में इन्होने प्रैस्क्राइब्ड अथौरिटी स्टेट को कहा है। अगर वह अथौरिटी जुडीि ायरी हो तो ज्यादा अच्छी बात है। इसके साथ ही मैसरकार से जानना चाहूंगा कि यह रूल कितनेदिल में तैयार हो जाएंगे और यह तो कानून आप बनारहे है। इसके अनुसार इन क्रै ार्ज को क्रै ार जोन में कितनेदिन तक सरकार का पहुंचा देने का इरादा है। और ट्रीटमैंट प्लांट को कितने दिन तक कम्पलीट करवा देने के इरादे से सरकार चल रही है।

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, यह बिल राश्ट्रति जी से पास होकर आयेगा, उसे बाद 6 महीने के अन्दर अन्दर लागू हो जाऐगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः मुख्य मत्री जी, सीमेन्द्र के कारखाने भी बड़ा प्रदूशण फैलते है। ये भी बड़े क्रै ार ही है। दादरी मेंभ तथा अन्य जगहों परभी ये क्रै ार्ज इतनी मिट्टी फैलते है। कि वह पेड़ पौधों पर भी जम जाती है। इसलिए आपको ट्रीटमैंट प्लान्ट लगार या काई म ीनरी लगाकर इनका भी इलाज करना चाहिएं

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, बहन जी ने ठीक ही कहा है। दादरी में जितने लोगों के पास गाड़िया है उन सक बो रंग 6 महीने के अन्दर–अन्दर खराब हो जात है, इसलिएआपको जितनी जज्दी हो सके, गवर्नमैट आफ इन्डिया से पोल्यू ान एक्ट के तहत प्लान्ट लगवाने चाहिए। धन्यवाद

चौधरी अजमत खा (हथीन): स्पीकर साहब इन क्रै ारों की धूल से टी0 बी0 और अन्य प्रकार की बीमारियों मजदूरों और आस पास के रहने वाले लोगों में हेतीा हळैं सथ हइनकी धूल से एक कि0 मी0 तक किसान की फसल को नुकसान होताहै। इसलिए मै सरकार से अनुराध करूंगा कि जहां पर भी यह क्रै ार लगोय जाये,वहां परकिसान कीफसल को ध्यान में रखे और अगर कै ार की गर्द से किसान की खेतो पर प्रभाव पड़ता है। तोयह तो किसान की खेती का बीमा करवाया जाये या उसको मुआवजा दिया जाए। धन्यवाद।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मै एक बात कहना भूल गया था। मै तीन जगहों कीतरफ मै सरकार का ध्यान दिलाना चाहूंगा जहां पर सरकार को एक एक्ट के अन्दर तुरन्त कार्यवाही करनी चाहिए। एक तो दिल्ली से सूरजकुन्ड जो हुए रास्ते में क्रै ार आते है, इनका इलाज करना चाहिए।

श्री अध्यक्षः इसके साथ साथ पंचकुला में भी ऐसे ही हालत है।

श्री लछमन दास अरोड़ा: स्पीकर साहब, ऐसी सभी जगहों का इलाज करने के लिए ही यह बिल लाया जा रहा है। इसके अलावा इन्होने जो फसल की बात कही हे, वह बिल्कुल सही है और सरकार इस तरफ भी ध्यान देगी।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला (बल्लभगढ़): अध्यक्ष महोदय, सदन में क्रै ार सम्बन्धी बिल के ऊपर चर्च चल रही है। मै इस बिल के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मै मुख्य मंत्री जी को इस बिल लाने के लिए धन्यवाद करूंगा और बताना चाहूंगा कि इस बिल को लाने के पीछे बैक ग्राउण्ड क्याहै? आरणीय मुख्यमंत्री जी जब फरीदाबाद पालियामैंट क्षेत्र से एम0 पी0 बपे थे, उससे पहले उनके चुनाव के लिए हम सभी पार्टी के पदाधिकारीगण पार्टी के प्रत्या ी होने के नाते चौधरी साहब, के सथ उस क्षेत्र मे ंवोट मांगने गए थै। उस जिले में, जहां पर गुडगांवा, फरीदाबाद और दिल्ली के बार्डर के साथ अरावली पहाड रूारू हाताहै, काफी क्रै ार के बारे में चौधरी साहब से निवेदन किया था और इन्होने यह वायदा किया था कि अगर हरियाणा में कांग्रेस की सरकार आई और मुझे देाबारा प्रदे ज्ञ के लोगों की सेवा करने का अवर लिा तो मै अव्श्य सदन मे ंएक ऐसा विधयेक लाऊंगा जिससे न केवल क्रै ार्ज औनर की बल्कि वहां जो गरीब आदमी रहता है, उसको भीफायदा मिलेगा। जैसा कि सदन मे कई साथियों ने कहा, इन क्रै ार में काम करने वाले लोग दो अढत्राई साल से ज्यादा अर्से तक काम नही कर पाते क्योंकि उनकी टी0

बी0 और अन्य बीमारियों हेा जातीहैं इन क्रै ार से वहां पर बहुत प्रदूशण होता है। अब वहां पर बहुत कालेनीज बन गयी है अज़ैर बडत्री आबादी बस गई है। इसलिए इस बिल के आने से वहां पर प्रदूशण भी कम होगा और गरीब मजदूरको भी भला होगा क्योंकि जी क्रै ार जोनल बनेगे, उनको आबादी से 10–15 कि0 मी0 दूर रखा जाएगा। इसलिए यह बहुत अच्दा बिल है और मै सरकार के साथ साथ चौधरी भजन लाल जी का भी धन्यवाद करता हूं क्योंकि उन्होने बहुत पुराने वायदे को पूरा किया है।

श्री लछमन दास अरोड़ाः स्पीकर साहब, यह जो भाहर की आबादी से 10–15 किलोमीटर दूर क्रै ार जोन बनाने की बात कर रहे है, भाायद हम उस इससे भी ज्यादा आगे ले जायेगे ओर उसक बाद पील्यू ानक का सवाल ही पैदा नही होगा।

श्री लहरी सिंह साथी (रादौर अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, यह बहुत बढ़िया बिल लाया गया है। मै केवल यह कहना चाहता हूं कि जिन क्रै ार वालों को आप उठाओगे, उनको कहा पर बसाओगे। दूसरी बात यह है कि जो ताजे वाला को सड़क जाती है ओर जो ि ामला की सड़क जाती है, इन पर से सब से पहले क्रै ारों को उठाया जाए। धन्यवाद

श्री लछमन दास अरोड़ाः सब का इलाज करेगे।

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried

(i) दि हरियाणा श्री माता भीतला देवी भाराईन बिल, 1991

Mr. Speaker: Now the Minister of state for Local Govt. will introduce the Haryaa Sh. Mata Shetla Devi Shrin Bill, 1991 and aslo move th motionfor its consideration.

Minister of State for Local Government (Ch. Dharmbir Gauba): Sir, I introduce the Haryana Sh. Mata Sheetal Devi Shirne Bill, 1991.

Sir, I also beg to move—

That the Haryana Sh. Mata Sheetla Devi Shrine Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion move—

That the Haryana Sh. Mata Sheetla Devi Shrine Bill be taken into consideration at once.

चौधरी वीरेन्द्र सिंह (नारनौद): स्पीकरसहाब, सरकार, इस बिल के जरिए श्री माता भीतला देवी भाराईन को, जो गुडगांव मं है, आने हथ मं लेने जा रही है। इसके साथ साथ जो उसकी मूवबेल या इम्मूवबल प्रोपर्टी है, उसको भी लेकर बन्दोबस्त करने जा रही है। इस बिल के एम्ज एंव डआबजैक्टर में लिखा है कि ऐसा किया जा रहा है। सरकार कीओर से न तो कही यह गतायागय है और न मेरे ख्याल में हरियाणा प्रान्त की जनता या जो वहों डिवोटीज जाते है,उनकी तरफ से ऐसी कोई ि ाकायत आई है कि उनको वहां कोई तकलीफ हो रही है या तंगी हो रही

ळै या इसका इडमिनिस्टे ान ठीक नही चल रहा है। या वहां के पैसे का दुरूपयोग हो रहा है। इस प्रकार की न न कोई ि ाकायत है और न कोई बात सुनने में आई है। सरकार की तरफ से भी कोई ऐसी बात नही बताई गई कि उनके पास इस बारे मे इतनी ि ाकायतें आ चुकी है ओर सरकार का मजबूर होकर इस भाराईन को अपने कब्जे में लेना पड़ रहा है।

स्पीकर सर, इसका बहुत पुराना इतिहास है। माता भीतला देवी भाराईन कोई ऐसी भाराईन या स्थान हीळ जिसके एक या दो मालिक हो। यह मठ की तरह से नही है। यह उस प्रकार का भाराईन है कि वहां गांव के जितने बिस्वेदारहै, वे सभी के सभी इस भाराईन के एक तहर से मालिक है। उन्ही की जमीन में से यह वरि ाप का स्थान बना हुआहै और जितनी जमीन वरि ाप के काम आ रही है या भाराईन के कम आ रही है, वह मु तरका खेवट से निकाल कर बतौर भाराईन यूज की जा रही है। और आज के दिन आठ सौ के करीब हिस्सेदार जो सारे गांव की जमीन के मालिक हो और वे अनाप भानाप पैसा कमा रहे हो। ऐसी बिल्कुल कोई बात नही है। इसकी मैन्टेनैन्स के बाद जो पैसा बचता हे, वह पैसा भी बहुत ज्यादा नही बचता, थोडा सा पैसा बचता है, खेवट के हिसाब से आपस में बंट जाता है।किसी के स्सि में पच्चीस रूपय आते है, किसी के स्सि में पचास आते है और किसी के हिस्से मे ंएक सौ पचास रूपए आ जाते है। इसके साथ लोगो ंकी सैन्टीमैन्टल अटैचमैट है। स्पीकरसाहब, कुछेक

व्यक्तियों से जिनके पूर्वजों ने अपनी जमीन काटकर इस भाराईन के लिए दी थी, इस प्रकार से इसे छीन लेना उनके साथ बड़ी ज्यादती है। इससे बड़ी ज्यादती और कोई नही हासकती। स्पीकर साहब, इसको लेने का क्या परपज है, वह आप देख लीजिए। क्लाज 5 में ये कहते है–

"The Shrine founds would be applied—

(a) for defraying expenses for the proper maintenace fo the temple, perforumace of puja and other ituals

स्पीकर साहब, आज उसमें क्या खराबी है और कया कमी है? आगे नम्बर बी0 है। उसमें लिखा है'–

"(b) for providing amenities, facilites to the visiting devotees." जबकि डिवोटीज की तरफ से आत तक कोई ि ाकायत नही मिल। इसके आग नम्बर सी0 है।

उसमें लिखा है–

"(c) for training of vidyarthies,"

स्पीकर साहब, किस चीज के विद्यार्थी? ओर कौनसे विद्यार्थी? (विध्न) मेरे स्पीकर साहब, किस चीज के विद्यार्थी? ओर कौन से विद्यार्थी भाब्द लिखा है। स्पीकर साहब, ये किस चीज की विद्या देगे। वहां पर किस प्रकार की विद्या पढ़ाई जाएगी, कौन सी स्पैसिफिक पढ़ाई वहां हो या कोई स्पैसिफिक ट्रेनिक वहां दी जाऐगी?

इसके आगे लिखा है–

"(d) for establishment and maintenance of the educational institutions; and

(e) for securing the healht, safety and convenience of disciples, pilgrims and worshippers visiting the Shrine.

स्पीकर साहब, यह इनका ऐम है और इस वजह से सरकार इस भाराईन को अपने हाथ में लेने जा रही है। स्पीकर साहब, यह बहुत बड़ी ज्यादती है और हरियाणा प्रांत के लोगां की फीलिग यह है कि मौजूदा सरकार कुछ ऐसे के काम कर रही है। जिससे यह ऐप्रोहैन् ान हाती हैं कि वह सरकार इस वि ोश कम्यूनिटी के खिलाफ है। स्पीकर साहब हम कास्ट में यकीन नही करते लकिनयह प्रचार है और सारे प्रांत में यह प्रचार है। इसलिए सरकार से मेरी गुजारि ा है कि यह प्रचारऔर जयादाजड़ न पकड़े इसको और ज्यादा बल मिले और सरकार की इम्मेज सैकुलर रहे तथा सरकार की छवि ठीक बनी रहे, सरकार इस बिल को वापिस ले ले। सरकार को यह बिल पे ा नही करना चाहिए था। बहुत साल पहले एक दो भाराईन को सरकारा ने टेक ओवरकिया था तो वह बात कोर्ट मेंचैलैज हो गई थी ओर कोर्ट ने सरकार के उस कानून को अवैध करार दे दिया था। मै कहता हूं कि इस बिल को पास करने से एक लम्बा लिटिगे ानहो जाएगा और इससे बदमजगी पैदा होगी और सारे प्रांत में इस सरकार के बारे में खामख्वाह की एक विचित्र किस्म की चर्चा हो जाएगी।

इसलिए सरकार से मेरी प्रार्थना है कि सरकार इस बिल को वापिस ले लो ताकि इस बिल को पास करने से जनता के अन्दर जो खामख्वाह के सैटीमट्स उजागर हो सकते है, उनको हवा न मिले। यह भाराईन उन्ही लोगों के पास रहनी चाहिए जो लोग इस समय इसका रख रखाव कर रहे हे। अगर सरकार को इस भाराईन का रखरखाव करने वालों के खिलाफ कोई ि ाकायत है तो सरकार उनको डी0 सी0 के जरिए बुला लो या किसी एम0 एल0 एल0 की डयूटी लाग दे ओर अगर वहां परकोई छोटी–मोटी कमी को दुरूस्त करना है, तो वह कमी दरूस्त की जा कती है। इन भाब्दों के साथ मै एक बार फिर निवेदन करूंगा कि सरकार इस बिल को वापिस ले ले।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): स्पीकर साहब, श्री माता भीतला देवी पूजास्थन को टेक ओसर करने के बारे में सदन में जो बिल पे ा किया गया है। मै इसका विरोध करने के लिए खड़ी हुई हूं अभी चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने बोले हुए कहा है कि यह एक बहुत ज्यादती का विधेयक है। मै भी उनक विचारों से सहमतहूं। मै सारे हिन्दूस्तान के धामिक स्थलों पर कई हूं और उनकी मैनेजमैंट को अपनी आंखों से देखा है। लेकिन इप पूजास्थल में जितना बढ़िया मैनेजमैंट की अपनी आंखों से देखा है लेकिन इस पूजा स्थल में जिन बढ़िया मैनेजमैंट है,उतना बढ़िया मैनेजमैंट किसी भी पुजा स्थल में नही देखा। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) डिप्टी स्पीकर साहब, इस पूजास्थल में बहुत ज्यादा

भीड़ होते हुए भी आज तक किसी बेटी बहन की तरफ से कोई किसी प्रकार की ि ाकायत नही मिली। जो लोग वहां पर पूजा के लिए जाते है, उनके लिए वहां पर बहुत अच्छा इंतजाम होता है। इस सरकार का यह विधेकय सदन में लोन का हमें कोई औचित्य नही जन नही आताहै। यह ठीक बात है कि पूजास्थल मुस्तरका मालकान की प्रोपर्टी है। इसलिए यदि इस पूजास्थल को सरकार टेक ओवर कर लेगी तो यह बात फण्डामैंटल राईट्स के खिलाफ जाएगी। डिप्टी स्पीकर साहब, इस पूजास्थल के बोडै को जो गठन होगा, उसके चेयमरैन मुख्य मंत्री जी होगी। उसके चेयरमैन मुख्य मंत्री क्यो होगे? कल को ही सकता है कोई और मुख्य मंत्री आजाए ओरयह भी हो सकता है कि प्रदे ा की मुख्य मंत्री परमात्मा करे कोई मुसलनाम बन जाए तो फिर इसका चेयरमैन कौन होग? इसलिए इस बात को कोई औचित्य नही है कि उसक बोर्ड काचेयरमैन मुख्य मंत्री हो। इस भाराईनके बारे में मुझू व्यक्तिगत तौर पर पता है कि इस पूजास्थल के रख रखाव के लिए मैनजमैंट है। उनको कमेटी है। बकायदा उस कमेटी मीटिग होती है ओर उस मीटिग में एक बहुत अच्छे हिन्दु व्यकित को इस भारईन क पुजार नियुक्ति करते है। उसको बाकायदा तनखाह वगैरह दी जाती है ओर बाकी जो पैसा वगैरह बचता है, वह मुस्तरका मालकानआपस में बाट लेते है। आत क कभी की उसमें झगड़े की कोई बात नही हुई। हमारे भी एक दो रि तेदारों की उसमे हिस्सेदारी है। वहां से उन को जो हिस्से मिलता है, उसको भी धामिक कार्यो पर ही चार्च करते है। वे उस पैसे के अपने लिए

कुछ नही करते जब वहां परसारा काम ठीक चर रहा हो तो मै समझती हूं कि यह विधेयक ला कर उन लोगौं के साथ ज्यादती होगी। इस बिल के पास होने से लोगों की भावनाएं भड़केगी। मै सझती हूं कि जिन लोगों ने भी इस बिल को लाने की सलाह दी है उनके मान में कोई धामिक भावना नहीहै। उनके मन में कोई और भावना है। यह विधेयक उन लोगों की भावना के एकदम उल्ट है, इसलिए इसको वापस लेना चाहिए। मै तो यहभी सकतझती हूं कि यह उन लोगों के साथ एक तरह की सजि ा हैं इस बारे में मै हाउस के सभी एम0 एल0 एज से कहूंगकि उनको कहना चाहिए इसको वापस लेना चाहिए क्योकि यह बिल उन लोगों की धार्मिक भावना के खिलाफ हैं इतनी बात कहते हुए में अपना स्थान लेती हूं।

श्री अमर सिंह (बवानी खेड़ा अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, यह जो विधेयक लाया गया है, मै समझता हूं कि आज के महौल में यह लोगों की भावना के बिल्कुल विपरीत है। इस बिल को लाने ककी कोईआव यकता नही है क्योंकि वहा न तो डिबोटीज की कोई ि ाकायत की बाती है और न उनका कोई झगड़ा है। जो वहां के ट्रस्टीज है। उनका भी आपस में कोई झगड़ा नही है। न ही उन की तरफ से कोई ि ाकायत सरकार के पास पहुची है। पहले गुडगांव गांव औरफिर गुडगांवा भाहर आत है। इसका भाहर से कोई सम्बन्ध नही है। यह मन्दिर जुमला मालकान की मुसतरका खेवट की जमीन में हैं वहां पर तमाम

हरियाणा के लोग जो है। ओर तमाम हरियाणा के लोगों के सेन्टीमंटस जुडे हुए है। मै ता यह कहना चाहूंगा कि यह ता गावाब साहब की खाट खडी करने के लिए ही बिल लाया गया है। इसको वापस लेना चाहिए। यह एक ऐसा मन्दि है जिससे एक समुदाय के हरियाणा के लोगों के ही क्या, सारे हिन्दूस्तान के लागों के सेन्टीमेंटस जुडे हुए है। यह एक समुदायक का अपनी तरह का एक अलग ही तरह का मन्दिर है। मै हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि यह परम्पर रही है। कि नवविवाहित जोड़ा परम्परा के मुताबिक उस माता भीतला मन्दिर में जाता है। और वहां परमाथा टेकने के बार ही उस भादी को मुकम्मल माना जाता है। इसके अलावा डिप्टी स्पीकर साहब, मै गाबा साहब के नोटिस में यह लाना चाहता हूं कि जिनके बच्चे काफी दिनों बाद होत है या जो बच्चे पैदा होते है, उन का को भीतला माता के इस मन्दिर में ले जा कर, माथा टिकवाया जात है। और उसके बाद ही उनका मुण्डन करवाया जाता है, ऐसी लोगों की वह पर धार्मिक भावना है। मेरी समझ मे नही आता कि ये क्यो इस बिल को लेकर टच्ची हो रहे है। अगर ऐसा कर करही रहे है तो फिरसारे मन्दिों के लिए ऐसा कानून बनया जाना चाहिए। चाहे वह बि ानोई मन्दिर है या चाहे वह रोहतक का दुर्गा माता का मन्दिर है। मेरे कहने का मतलब यह है कि भीतला माता के मन्दिर से लोग श्रद्धा सुमन, फूल चढ़ाने माता के दरबार में जाते है। और उनकी मन्नतें पूरी होती है। मुख्यम मंत्री जी तो भगवान को मानने वाले है। ये तोजामे वर गुरू के 29 निमयों का मानने वाले है। मै

ुरि कहना चाहूंगा कि यह मन्दिर किसी खास समुदायक के साथ अर्टच है।अगर ये ऐसा करते है तो सारे हरियाणा मं जात पात का आरोप लग जाता है। इसलिए ऐसी कम्पयुनल कलरिग ये क्यों कर रहे है।? ऐसी गलती करने से कम्युनल भावनाएउभरेगी। इसलिए मेरासुझावयह है कि इस विधेयक को वापिस लिया जाए। अगर सरकार इसको वापिस नही लेती तोयह हाउस इसको पास न करे। जैसे मेरे से पहले बोलते हुए बहिन चन्द्रावती जी ने और चोधीरवीरेन्द्र सिंह जी ने बताया है कि 800 किसानों की मुस्तरका खाते की जमीन है, वहा पर अब तक कोई झगड़ा नही है। गांवों में इस भाराईन को लेकर कोई झगड़ा नही है। वहां पर जो भी आदमी जाता है, ह अपने श्रद्धा सुमन चढ़ता है उस चढ़ावे से, जां वहां पर आत है, वहा बेहतर तरीके से इन्तजमा हो रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप भी मेरे ख्याल से पिछले साल वहां पर गये थ अगर नही गये तो जरूरी जाना चाहिए। आपकी सारी मुरादे पूरी होगी। मेरे लायक दोस्त ए0 सी0 चौधरी गाबा साहब भी वहां पर जाते रहते होगे। ए0 सी0 चौधरी तो बहुत बड़े कलाकर है। वह तो कई दफा वहा पर माथाटैक कर आये होगे। इसी माम के आ र्ीवाद से ये ऐक्साईज एंड टैक्से ान मिनिस्टर बने बैठे है। (विध्न) मै ज्यादा समय हाउस का न लेते हुए यह अर्ज करूंगा कि यह जो भीतला देवी माता मंदिर विधेयक लाया गया है, इसको वापिस लिया जाये। इस बिल के हिसाब से इस का जो बोर्ड बनेगा, उसके चेयरमैन स्टेट के चीफ मिनिस्टर बनेगे। चीफ मिनिस्टर को तो और बहुत से काम हाते है। उनको तो फरसत ही

नही होती। ऐसे कामों को देखने के लिए उनके पास समय ही नही होता इस तरह से वहां पर नई कन्ट्रावर्सो पैदा हो जायेगी। इसके लिए जैसे बहिन चन्द्रावती ने कहा कि इसके चेयरमैन के लिए यह प्रोवीजन नही होना चाहिए कि केवल मुख्य मंत्री ही बन सकताहै, कोई दूसरा भी बन सके, इसक लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए। हमारे यहां परतो जम्हूरियत है। लोग आते जाते रहते है सरकारे बदलती रहती है लकिन सवाल इस बात का है कि चीफ मिनिस्टर को बहुत काम होताहै। स्टेट के विाकस का बहत काम होता है। स्टेट के दूसरे काम बहुत होते है। उसके पास कोह ऐसी बातों के लिए सयम होता है। एक मंदिर को कन्ट्रोल करने की बात के लिए उसके पास कहां समय होता है। फिर डी0 सी0 को मंदिरका इन्चार्ज बनाया गया है। यह तो 8 सौ विलेजर्ज की बात है। उन लोगों की भावनाओं काइैस पहुंचेगी। इसलिए डिप्टी स्पीकरसाहब, मैआपके माध्यम से सरकार से और खास तौर पर गाबा साहब से यह गुजरि ा करना चाहता हूं किसको वापिस ले लें। आपके वहां पर स्पोर्टर्ज है, उन लोगों कोक्यो तोड़ने की बात कर रहे हो। यह जो बिल इन्होने पे ा किया है, इसको वापिस लेना चाहिए ताकि यह सारी कन्ट्रोवर्सी खत्म हो सके और इसको कम्यूनल कलरिग न दी जा सके तथा यह रंग कच्चा ही रह जाए। इन भाब्दों के साथ मै इस विधेयक का विरोध करता हूं।

श्री बंसी लाल (तो ाम): उपाध्यक्ष महोदय, इस बिल पर मेरे से पहले बोलने वाले साथियों ने काफी रो ानी डाली।

जैसे कि बताया गया है ि की 800 खानदानों ने मिलकर इसका बनाया है। इउनकी जमीन में यह मंदिर बना है। किसी ने कोई धर्मार्थ का पैया बाहर से लकर इस मंदिर को नही बनाया। इस मंदि का इंतजाम ऐसा रहा हैं कि इसके बारे में कोई ि ाकायत नही आयी है। कि इमसें कोई बंदइंतजामी हो या और कोई बात हो। मेरी यह बता समझ में नही आई कि उस मंदिर का कैसक फिर यह टेक ओवरकर रहेह। जिसके बारे में कोई ि ाकायत ही नही है? इनका तो एक ही मंरि है जैसे यहां परकहा गया है कि यह तो एक जाति वि ोश पर सरकार का हमला है। आप मुझे यह बताये कि हिसार में जो एक बि ानोई मंदिर है और उस बि ानोई मंदिर में कई लाख रूपये साल का चढ़ाया आत है तो पहले आसको टेक ओवर क्यों नही किया गया? इसकेस पहले क्यों कर रहे है? केवल इसलिए कि इसका गुडगांव भाहर से कोई ताल्लुक नही हैं गुडगांवा गांव की जमीन में गुडगांव के बिसबेदारों की जमीनों के 8 सौ हिस्सेदारों की जमीन में यह मंदिर है। सरकार इसको टैक ओवर कार रही हैं मै तो सरकार से यह प्रार्थना करूंगा कि वहां पर कोई राजनीति नही लड़ाई जाती जबकि बि ानाई मंदिर में हर साल जो मेला लगताहै, उसमे ंसिचाये राजनीति के और कोई बात नही होती है। उसकसे अै ओवर करो, इसकसे टैक ओवर करने की क्या जरूरत है? उपाध्यक्ष महोदय, इस विधेयक में यह कह दिया गया है कि मुख्य मंत्री महोदय उसके बोर्ड के चेयरमैनहोगे। उस बोर्ड के मैम्बर कौन बन सकेगे? जो हिन्दु हो या हिन्दू धर्म में वि वास रखते हो। कल

को अजमत खां के मुख्य मंत्री बनने पर क्या कोई रूकावट है? कल को यदि अजमत खं मुख्यब गये तो उसका चेयरमनैन कौन होग? ह ऐकट कहा ंजायेगा? अगर कल को काइ सिख भाई मुख्य मंत्री बन गया तोवह ऐक्ट कहा जायेगा? अगर कल को कोई ईसाई या पादरी मुख्य मंत्री बन गया तो ये ऐक्ट कहां जायेगा? अगर कल को ईयाई या पादरी मुख्य मंत्री बन गया तो यह ऐक्ट कहां जायेगा? क्या उन दूसरी जातियों के आदमियो पर हरियाणा मे मुख्य मंत्री बनने पर कोई पाबन्दी है? किफर एक बड़ी अच्छी क्लाज लाग दी सरकार ने जिस में यह कह दिय ाकि जब सरकार यह समझेगी कि इसकस इन्तजाम ठीक नही चल रहा तो उस वक्त सरकार इस के बोर्ड को तोड़ देगी। मै कहता हूं कि वहां का इन्तजमा तो आज अच्छा चल रहा है। लेकिन सरकार बदइन्तजामी के लिए इसको अपने हाथ में लना चाहती है। इसी लिए तो मुख्य मंत्री खुद इसके चेयरमैन बनना चाहते है क्येंाकि वे यहां की बदन्तजामी करना चाहतो है जबकि आज उस मन्दि की कोई ि ाकायत नही है। अज वहां का इन्तजमा ठीक है। आज वहां के फण्डल का इस्तेमाल सही ढंग से किया जा रहा है। उस मन्दिर के बारे में किसी अखबार में कोई खबर आई हो तेा भी मानते। किसी आदमी को उस मन्दिर की कोई ि ाकायत नही। या तोकिसी अधिकारी के पास उसकी ि ाकायत आई हो कि यहां पर गड़बड़ हो रही है लेकिन हमार जानकारी के अनुसारवं कोई गड़बड़ नही है फिर भी सरकार यह कह रही है। कि जब सरकार यह समझेगी कि वहां कोई बदइन्जामी हो रही है। क्या गाबा यह कहेगा?

(हंसी) यह क्या तमा ाा है? यह बिल है या क्या है? क्यों स्टेट के साथ खिलवाड़ करते हो?

उपाध्यक्ष महोदय, अभी भाई वीरेन्द्र सिंह जी ने एक बात यहां प्वायंट आउट कर दी कि इस किस्म के जो बिल पहे आये थे और जो कानून सरकार ने पास किये थे, वे कोर्ट में स्ट्रक डाउन हो गये। बड़ी खूबसूरती से इसमें सरकार ने एक पैरा लगा दिय जैसे इन्ही के करने परही सब कुछहो जायेगा। क्लाज 39 में लिखा है–

"Save as expressly provided in this Act, no civil court shall have jurishdiction to entertain or adjusdicate upon any dispute or matter which is to be decided byany officer or authority under this act, and in respect of which the decision or order of such officer or authorityhas been made final and conclusive."

उपाध्यक्ष महोदय, मुझे ऐसा लगात है कि हरियाणा सरकार कोई न कोई ऐसा कानून पास करवाने वाली है कि हरियाणा सरकार जो भी कानून एक बार बना दे तो उस पर सुप्रीम कोर्ट भी विचार नही कर पाएगी। इस क्लाज 39 कमे माये ही यह है। उपाध्यक्ष महोदय, एक महीने पहले ऐन्टी डिफैक ान ऐक्ट में पालियामै।न्ट ने जो अमैन्टमैन्ट की थी उस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने यह कह दिया है कि जो कोर्ट की जुरिसडिक ानबार की गई है। यह गल्त की गई है, हम इसकेस अल्ट्रावायरस आफ दी कांस्टीच्यू ान करार देते है। मुण्े हय जानका रबड़ा ही ताज्जुब

हुआ कि इसके बावजूद भी यह सकरार इसको जानने व समझने की कोि ा ा भी नही करती। पढत्रे भी नही है और सीखने की कोि ा ा भी नही करते क्या करे इनका? अभ चौधरी अमर सिं जीन बोलते हुए कहा कि गावा साहब आप अपनी स्पोटर्ज को भी तोड़ रहे है। मुझे ऐसा लगता है कि वे गाबा साहब के स्पोर्टर्ज नही होगे। उन्हौंन मुझे ऐसा लगताहै कि केवल इनकी सेवा की होगी, तभी यह बिल लेकर आए है वरना यह बिल न आता। लेकिन मै इनको यह बता देना चाहता हूं कि अब की बार वे इससे भी कसूते होगके सेवा करेगे यह भीबात यद रिखए। इसबार तो थोड़ी सी कसर छोड़ दी होगी, घर घर के वोट खिलाफ दे दिय होगे लेकिन अब की बार चारों और घूम कर सेवा करेगे ओर आस पड़ोस के दा चार हल्कों में भी सेवा हो जाऐगी। (हंसी) उपाध्यक्ष महोदय, ये लोग जो इस तरह की बाते किये जा रहे है उससे वू आती है कि यह सरकार हरियणा में एक जाति वि ोश के खिलाफ है और जाति वि ोश में चाहे डयरैक्टर प्रिसीपल हो या उस जाति का कोई गलती से वाईस चांसलर लगा या हो या कोई अफसर लग गया है उनका रगड़ा बांधना है, ऐसी इससरकार को मं ाादिखाई देती है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से इनको एक बात बता दूं कि यह सरकार जिस जाति वि ोश को कुचलना चाहेगे, वह उतना ही उभरकर ऊपर आता है। यह मै आपको बता दूं कि जिसको कि जिसको जितना दबाना चाहते है, वह उतना ही उभरता है। अंग्रेजों ने महात्मा गांधी के आंदोलन को दबाने की कोि ा ज्ञ की। वह आंदोलन बढ़ता गया और उस

लंगोटी वाले अकेले आदमी ने आदमी ने अंग्रेजों की जिनके रा मेंसूरज नही छिपता था, छुट्टी कर दी औरयह सिकुड कर छोआ सा राज रह गया। यह रियाणा सरकार क्या समझती है। ये उस जाति वि ोश को दबा लेगे? यह दबने वाले नही है। उपाध्यक्ष महोदय, एक मिसाल है कि जाट और चना जितन काटो उतना ही घना होता चला जाताहै। यह जाति काबू नही आने वाली हैचाहे कुछभी कर लो। (विध्न) मेरे ये भाई जब वोट मांग कर आस थे तो इन्होने कहा था कि हम भजन लाल को मुख्य मंत्री बनी बनने देगै। नही तो अब की बार भी इनको फातिया पढ़ा गया था। (ाोर) इनका फातिया पढ़ा जाना चाहिए। ये बचने नही (विध्न) मै इसकेसाथयह कहूंगा कि पहले सरकार बि नोई मन्दिर को टैक आवर करने का बिल लाए जिसके खिलाफ ि ाकायत है और जहां हर साल राजनीतिक तकरीरे होती है। बकि इस भीतला मन्दिर में कोई राजनीति तकरीर नही होती। कोई आदमी दखल देने नही जाता। वे आठ सो लोग जिनका इसमें हिस्सा है, बेहतरीन किसम के इन्सानहै। वे बड़ी खूबसूरती से इस मन्दिर को चलाते है। उनके खिलाफ आज तक किसी को कोई ि ाकायत नही हुई। इस लिए मै सरकार से यह अनुरोध करूंगा कि इस बिल को वापिस लिया जाए, इसे इन्ट्रोडयूस न किया जाए। और इसको इन्ट्रोडयूस करने की इजाजत न दी जाए।

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): उपाध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से, जो यह बिल माता भीतला के नाम से इस सदन

में लाया गया है, उसका विरोधकरता हूं। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि मेरे पूर्व वक्ता ने सदन को बताया इस मन्दिर में सने सिर्फ गुडगांव गाव के लोग, न सिर्फ गुडगांव जिले के ओर न सिर्फ इस प्रदे ा के बल्कि एक बात मै सदन के सामने रखना चाहता हूं कि आपके हिन्दुस्तान के लोग इस मन्दिर में अपनी आस्था रखते है मै यह समझता हूं कि किने ही हमारे विधायक और मंत्री, उनके घर वाले औरमां बाप जब जन्म लिया हेागा, पहली बार वहां द र्ान करकरे आए होगी। उपाध्यक्ष महोदय, धर्मवीर गाबा जो इस बात को नही समझ पा रहे है। कि इस विधेयक को लाए जाने के पीछे कितनी बड़ी चाल है। इस बिल को लाने से मंत्री जी की कब्र खोदी जा रही है ंउपाध्यक्ष महोदय, इस बिल में एक जगह लिखा गया है। जैसा चौधरी बंसी लाल जी ने बताया कि इस के जो अध्यक्ष होगे वह मुख्य मंत्री होगे ओर अगर मुख्य मंत्री किसी अलग धर्म का हुआ तो इस बोर्ड का क्या होगा? मुण्े तो आज भी एक बात का भाक है। मै भगवान से प्रार्थनाकरूंगा कि सदन के नेता की आयु लम्बी हो लेकिन जहां तक इस मन्दिर का सवाल है ज्यादातर लोग इस मन्दिर में वे जो है। जिनको मरने के बाद जलाया जााात है लेकिन अगर यह बिल पास होगा तो इसके चेयमरैन मुख्य मंत्री जी बनेगे ओर जैसा मुझे ज्ञात है, जैसा कि मुख्य मंत्री जी हमारे मेवात के इलाके में जकर कहा करते थे कि हमारे मरने के बाद दफनाते है। तो यह हिन्दु धर्म के खिलाफ है। जो आदमी मरने के बाद दफनाया जात है, वह ज्यादातर हिन्दू धर्म में नही आता। तो मेरा आप से अनुरोध है कि इस बिल को पास

न कियाजाए क्यों इससे लोगों की भावनाओं को ठेस लगेगी। जय हिन्द।

श्रम तथा रोजगार राज्य मंत्री (चौधरी कृश्ण मूति हुड्डा): उपाध्यक्ष महोदय, बंसी लाल जी को बडत्री तकलीफ हो रही है कि पहली बार कांग्रेस के 14 जाट एम0 एल0 एज0 चुनकर आए हैं अगर इनके लडत्रके रि तेदार चुनकार आ जाएं और ये खुद मुख्य मंत्री हो जाए तबतो कांग्रेस सरकार जाटों के खिलाफ नही है वरना खिलाफ है। लेकिन मै एक बात इनको बता देना चाहता हूं कि जितने दिन भी ये मुख्य मंत्री रहे जितने जुल्म इन्होने जाटों पर किए है, उतनी किसी ने नही किए मै एक इन्टांस आपको कोट करना चाहता हूं। (व्यवधान एवं भाोर) इन्होने जाटों के खिलाफ कहा है, जाति वि ोश की बात कही है उपाध्यक्षमहोदय, सोनीपत के अन्दर एक 80 साल के बूछे नइ इनके पैर पकडत्रे और इन्होने उसके मुक्के मारे और आज यह जाति के ठेकेदार बन गए हैं उपाध्यक्ष महोदय अगर ये कांग्रेस में होते तो ये जो 14 जाट बन कर आए है, इनमें सके कोई भी बनकर नही आता। इनमें सबडत्री कोई जोटों को दु मन नही हो सकता है पूरी जाति को इन्होने आईसोलेट कर दिया है। बस इतनी सी बात कहकर मै। अपना स्थान लेता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

Minister of State for Sports (Sh. Rajesh Kumar Sharma) Sir, on a point of order. I wnt to draw your kind attentionto Ruly 97 (ii) of theRules of Procedure and Conduct

of Business in the Haryan \Legislative Assembly wherein it is stated—

"Whilst the Assembly is sitting, a member—

(i) .....

(ii) Shall not interrupt any Member whil speaking bydisrodrely expression or noises or in anyother disorderly manner."

So, Sir, according to this Rule, when an Hon'ble Member is speaking, no other member has got any right tospeak or interrupt hi,. Therefore, I would request you to kindly direct these Members to go throuhg these Rules. You have not allowed any Member to interrupt.

Mr. Deputy Speaker: No interruption please. Mr. Sampat Singh, will now speak.

प्रो सम्पति सिंह (भट्टू कलां): डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो माता भीता देवी पूजा स्थल विधेयक, हाउस में आया है, इसके बारे मै सरकार से गुजारि ा करूंगा कि इस पर लम्बी–चौडी बहस की जरूरत नही है। यहां के लोगों के सैटीमेंट्स भी ऐसी है। कि लम्बी चौडी कन्ट्रावर्सी में पड़ने की जरूरत नही है ंजहां तक माता भीतला देवी के मन्दिर का सवाल है, आज मन्दिर एक जगह नही बनते है, आज तो लोगों के सैन्टीमेंन्टस ऐसे है कि जो आदमी जिस धर्म में वि वास करताहै वह उसी से संबधित अपना पूजा स्थल बनातौ। यहां तक कि लोग आज अपने घरेां में भी पूजा

स्था बनाते है। यह मन्दिर तो लागों के घर का ही मन्दिर है। (ाोर)

श्री मनी राम केहरावालाः सम्पत सिंह, आप कभी किसी मन्दिर मे ंजो भी हो या नही?

प्रो0 सम्पत सिंहः हां, मन्दिरों में भी जाता हूं गुरूद्वारों में भी जाता हूं, गिरजाधरों और मस्जिदों में भी जाता हूं।

राजस्व मंत्री (चौधरी वीरेन्द्र सिह): सम्पत सिंह जी मै आपस पूछना चाहता हूं कि जाटों का देवता कौन है? (हंसी)

प्रो0 सम्पत सिंहः जहां तक जाटों का संबंध है, अगर वि व में कोई सबसे ज्यादा सैकुलर है, तो वह जाट ही है और हमें जाट होने पर फख्र है।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, जाटों का देवता तो हुनमान है और उनकी माता भीतला देवी। (हंसी)

प्रो0 सम्पत सिंहः डिप्टी स्पीकरसाहब, हमें इस बात का फरहो है कि हम जातिवाद में वि वास नही करते। इसके अलावा जिस जाति में हमने जन्म लिया है, उस पर हम फख्र है। इसमें कऐसी कोई भी आत नही होनी चाहिए कि कोर्ठ आदमी अपनी जाति को छुपाने की कोि ा ा करे। हमने बाकायदा जाटों के घर में जन्म लिया है। और जाट वि व में सबसे ज्यादा सैकुलर कम्यूनिटी है और जहां तक मंदिर का सवाल है, जब यह मन्दिर

बनाथातो इसकी प्रोपर्टी में 800 हिस्सेदार थे। सरकार को वहां पर रोडज बगैरहा बनाने चाहए थी। कोई कम्यूनिटी सेन्टर बनाने चाहिएथे, सराए बनानी चाहिए थी, ताकि लोग वहां अगर आराम से ठहर सके। उनके लिए और सुवधिाए रकार जुटाती तो भी बात ठीक थी लकिन सरकार यह सुविधाए जुटाने के बजाए किसी कम्यूनिटी वि ोश की फीलिग्ज को हर्ट करने की कोि ा ा कर रही है और यह कम्यूनटिी वहै जो वर्ल्ड में से सबसेज्यादस सैकुर है। तो इस तरह बात बनने वाली नही है। कि हमने इस कम्यूनिटी के 14 मैम्बरों मेंसे 10 मंत्री बना दिय है। (इस समय श्री अध्यक्ष महोदय पदासीन हुए) अध्यक्ष महोदय, मंत्री या एम0 एल0 ए0 कितने बन गए इनसे लंगा चौड़ा फर्क नही पड़ता। (विध्न) इनका काम चल गया होगा। लजेकन इससे इस कम्यूनिटी को कोई सरोकार नही है कि कितनी मंत्री है। सवाल यह है कि जब दे ा की अंखड़ता को खतरा हो रहा है तो ऐसे माहौल के अन्दर ऐसा बिल नही लाना चाहिए थां एक तरफ तो मुख्य मंत्री खुद मान रहे है। ऐसे हालत बनागए है कि हम भी व सभी लोग यह चाहते है। इस प्रदे ा से कम्यूनल टैन ान खत्म हो जाए। स्पीकर साहब, यहांफीलिग टच होगी। जैसे चौधरी बसी लाल जी ने बि ानोई मन्दिर को जिक्र किया। मै नही कहता हूं कि उस मन्दिर को भी टेक ओवर करना चाहिए। मै तो चाहता हूं कि मन्दिर राजनीति के अखाड़े नही बनने चाहिए। उस बि ानोई मन्दिर में बि ानोइयों के अलावा दूसरे लोग भी जाते है। लेकिन जहां पब्लिक मीटिग होती है, पोलिटिकल भाशण होते है उसे लिए हम तय करे कि

रिलिजियस प्लेसिज पर चाहे वह मन्दिर है, गुरूद्वारा है या गिरजा घर है, पोलिटिकल भाशण नही होने चाहिए। वहां परतो ि ाक्षा देने वालो के ही भाशण होने चाहिए। बि ानोई मन्दिर में बि नोई धर्म के बारे में बताया जाए ओर दूसरे मन्दिरों में दूसरे धर्मो के बारे में बताया जाए।वे राजीनति का अखाड़ा नही बनने चाहिएं अगर इनके पास कोई ि ाकायत आई है कि यह मन्दिर पोलिटिक्ल अखाड़ा बना हुआ है कि या उसकी वजह से कोई जाति दंगे होने का डर है, जिनलोगों के हाथ में यह मन्दिर है वे ऐसा कर सकते है तब तो टेक ओवर करे ले लेकिन बिना किसी कारण केवल पोलिटिकल कारण से या कम्यूनल कारण से ऐसा करते है, तो इस से प्रदे ा का भला नही होने वाला है। मै यह चाहूंगा कि सरकार का फारखदिली दिखा कर यह बिल वापिस ले लेना चाहिए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, भीतला देवी मन्दिर को टैक ओवरकरने की बात नही है बलिक उसकी मेनेजमैंट को ठीक करने की बात है। इसलिए कि देवी देवता किसी एक के नही होते। (विध्न) आपने जो यहां पर जातिवादा की बात खड़ी कर दी, क्या यह अच्छी बात है? चौधरी बंसी लाल जैसे आदमी ने कह दिया कि यह एक वि ोश जाति के खिलाफ है या जाट के खिलाफ है। क्या आप ही जाटों के ठेकेदार है? (ाोर)

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मै बिल्कुल जाटों का ठेकेदार नही हू। मै आज तक इस भीतला देवी मन्दिर मे नही ग्या और न जाने का प्रोग्राम है। मै जाति वाद नही फला रहा हूं। मै तो कह रहा हूं कि आज की सरकार भीतला देवी मन्दिर को लेकर एक जाति के खिलाफ होने का अपना सबूत दे रही है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सरकार इस काम को इसलिए करने जा रही है। कि वहां पर साल में 25 लाख यात्री आते है। वहां पर उनके ठहरने का इंतजाम नही है, खाने का इंतजाम नही है, खाने का इंतजाम नही है। और वहां की सड़के ठीक नही है। वहां पर बहुत बुरी हालत है। अभ पीछे मनसा देवी मन्दिर को टेक ओवर किया गया था। मै पूछना चाहता हूं कि इसको टेक ओवर किया था? (ाोर एवं व्यवधान) आपकी सरकार ने 15 मार्च 1991 को जब चौधरी देवी लाल की, चौधरी हुक्म सिंह की ओर चौधरी चौटाला की सरकार थी, उस समय यह बात मानी थी कि इस मन्दिर को टेक ओवर करना चाहिए। स्पीकर साहब, जम्मू का मीर में वैश्णू, देवी मन्दि है। वह बहुत बड़ा मन्दिर है। उसकी बाुरी हालत थी। जम्मू एण्ड का मीर सरकार ने उसको मैनजमैंट अपने हाथ में लिया अैर अब वहां सब कुछ ठीक है। त्रिपति का मन्दिर बड़ा भाानदार मन्दिर है। सरकार द्वारा लेने के बाद कितना सुन्दर इन्तजाम वहां पर हो गया है। और कितना भाानदरर वह मन्दिर बन गया है। यह सब जानते है स्पीकर साहब, मंसा देवी का मन्दिर चण्डीगढ़ के पास ही है, वहां जाकर देखिए

कि उसकी हालत कितनी अच्छी हो गई है। लोगों तारीफ करते है। वहां चिप्स के फ र्ा बनास दिए हैं लाइट्स लगवा दी हैं सड़के ठीक करवा दी है। खाने पीने का बहुत बढ़िया इन्तजाम वहां पर कर दिया हैं यात्रियों को हर तरह की सुविधा प्रदान की जा रही हैं ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अध्यक्ष महोदय, इस मन्दिर की जमीन भाामलात पट्टी की है। भाामलात पट्टी का मतलब होताहै कि वह सब की है। उसकी हल साल नीलामी होती स्पीकर साहब, इस साल पैतीस लाख की नीलामी हुई है। एक देवी देवता की पैतीस लाख की नालामी करके, एक आदमी देवी को खरीद करकरे पचाय लाख जरूर कमाता होगा तभा वह पैतीस लाख देता होगा, स्पीकर साहब, माता की नीलामी करके पैसा लेने से घटिया बात कोई नही हो सकती।

श्रीमती चन्द्रावती' आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, एक बार विनोवा जी भूदान के सिलसिले में हिसार का दौरा कर रह`थे। वेकिसानों को कह रहे थे कि जमीन माता है इसको बेचना नही चाहिए। एक जमीदार खड़ा होकर कहने लगा कि माता को दान भी तो नही`दना चाहिए। क्या माता को किसी ने दान में देते देखा है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसका मैनजमैंट हाथ में लेने के बारे में डिप्टी कमि ज्ञर की रिकमैन्डै ान है। और वहां के लोगों की मांग है। कि इसको सरकार को अपने हाथ में लेकर, इसका अपने हाथ मे कन्ट्रोल लेकर इसकी हालत

सुधारनी चाहिए। हमने डिप्टी कमि ानर की रिकमैन्टै ान पर यह कदम उठाया है। लोगों की भावनाओं को देखकर यह कदम उठाया है। यह ठीक है। जकि जो लोग चढ़ावा खाते थे, इससे उनको तकनीफ जरूरर हुई हैं लजेकिनक्य ावे देवी देवता किसी एक जाति का है? वह सभी जातियों को है। अध्यक्ष महोदय चौधरी बंसी ला जी ने कहा कि हिसार बि नोई मंदिर को, भी टेकआवेर कर ले। मुझ कोई एतराजनही है उसको भी टेक ओवर कर लो। अगर वहां की मैनजमैंन्ट ठीक नही है। अगर हिसार बि ानाई मंदिर में ए साल मे ंएक लाख रूपए का चढ़ावा आताहै और वहां पर खर्चा पांच लाख रूपए है। उस मछिर में इतनीआमदनी नही हैं लेकिन फिरभी खर्च पांच लाख रूपए आत है। जोकि लोगोग से जाकर समाज के लोग मांग कर लाते है।

श्री बंसी लालः अगर उसमें आमदनी नही है तो पांच लाख रूपए कहां से खर्च करते हो?

चौधरी भजन लालः चौधरी साहब, जब फसले निकलती है उस समय हमारे समाज के लोग लोगों के घर घर जाकर करके किसी से गेहूं किसी से जौ और किसी चना मांग कर लाते है और वह मंदिर के रख रखाव पर और लोगों को सुविधा देने के लिए खर्च किया जाता है।

चौधरी बंसी लालः आप राजनीति भाशण भी तो वही पर देते हो।

चोधरी भजन लालः मुझे उस मंदिर में राजनीतिक भाशण देने की कोई जरूरत नही है और न ही मैने कभी आज तक उस मन्दिर में जा कर कोई राजीनति भाशण दिया है। लेकिन मै उस मंदिर में विकास की बात तो जरूर कर देता हूं। मै मंदिर में किसी सियासी आदमी को गाली नही देता क्योंकि मंदिन मे सभी जातियों के लोग होते है। जन्मा टमी के दिन उस मंदिर में 40–50 दजार आदमी इकट्ठे होते है ओर हर जन्माश्टी र बह एबहुत गउ़ा मेला भरता है है ओर जब उस मेले में सभी जातियें के लोग, सभी पाटियों के लोग और सभी एम0 एल0 एज0 होते हैं तो वहो परकोढ आदमी किसी को गाली देगा? चौधरी साहब आपकी पार्टी के चौधरी पीर चन्द जी हिसार जिले के रहने वाले हैं ये भी उस मंदिर में कई दफा गए हैं आप भी उस मंदिर में कई दफा गए है। चौधरी देवी लाल जी भी गए है ओर श्री बनारसी दास गुप्ता भी गए है। मेरे कहने का मतलब है कि हरियाणा प्रदे ज्ञ के तकरीबन सभी चीफ मिनिस्टर्ज उस मंदिर में गए है। उस मंदिर को हम पौलिटिकल स्टेज नही बना सकते।

प्रो0 सम्पत सिंहः इस बार तो अपने उस मंदिर में पालिटिकल भाशण भी दिया था।

चौधरी भजन लालः आपकी यह बात बिल्कुल निराधार और बुबेनियादी है मैने कभी भी आज तक उस मंदिर में कोई पोलिटिकल भाशण नही दिया। अध्यक्ष महोदय, श्री माता भीतला

देवी पूजास्थल को हम बहुत भाानदार मंदिर बनाएंगे इसमें किसी को कोई तकलीफ नही होनी चाहिए।

श्री सतबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डरहै। इस विधेयक को जो सैक ान 4 है , उसमें बतायागया है कि इस मंदिर के बोर्ड के अध्यक्ष मुख्य मत्री होगे और आयुक्त, स्थानीय भाासन हरियाणा, पदेन सदस्य होगे। मै। कहनता हूं कि उस मंदरि को राजनीति से न जोड़ा जाए। जो पूजास्थल है, उनको राजनीति से अलग रखना चाहिए। कल को हो सकताहै इस प्रदेज्ञ का मुख्य मंत्री कोई मुसलनाम बन जाए और वह इसको अस्त व्यस्त कर दे इसलिए यह मंदिर सरकार को टेकओवर नही रकना चाहिए। मुख्य मंत्री का पद किसी की जागीर नही है कल को हो सकता है कोई मुसलमान मुख्य मंत्रीबन जाता है ते आप इस ऐक्ट का क्या करेगे? वह जाटों का मंदिरहै इसलिए उस मंदिर के संरक्षक जाट ही होने चाहिए। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जाट भी है, मुख्य मंत्री के पद के काबिल भी है। सभी बातों के अच्छे इन्सान है इनको मुख्य मंत्री बना दे, हमें इसमे कोई ऐतराज नही है, मैसरकार से प्रार्थनाकरूगा कि सरकार इस विधेयक को वापिस ले ले ओर इस मंदिर को टेक ओवर न करे। मै इस विधेयक के सखत खिलाफ हूं। यह सरकार इस बिल को पास करके हामरे साथ एक बहुत बड़ा अन्याय करेगी। यह बिल पास होने से हिन्दु धर्म को बहुत बड़ी ठेस पहुंचेगी और यह बात हिन्दू धर्म के खिलाफ जाएगी इसलिए अंत मं यही कहना चाहूंगा कि इस

विधेयक को यह सरकार पास न करे। हम उस मंदिर का रख रखाव अपने आप करेगे।

चौधरी भजन लालाः अध्यक्ष महोदय, चौधरी सतबरी सिंह कादियान ने एक बात कह दी कि मै हिन्दू धर्म के खिलाफ हूं।

श्री सतबीर सिंह कादियानः मैने यह नही का है कि आप हिन्दू धर्म के खिलाफ है। मैने तो यह कहा है कि यह बात हिन्दू धर्म के खिलाफ जाएगी।

चौधरी भजन लालः अगर इस दे ा में कोई बड़ा हिन्दू है तो वह बि ानोई है ओर अगर ब्राहमण से भी ज्यादा कोई पवित्र है तो वह बि ानोई है।

श्री बंसी लालः बि ानोई तो सबसे बड़ा हिन्दू हो सकता है लेकिन भजन लाल नही हो सकता। (हंसी)

चोधरी भजन लालः क्यो नही हो सकता? ऐसी कोई बात नही चोधरी साहब मै तो जाट भी हूं।

श्री बंसी लालः इसलिएतो नही हो सकते क्योंकि जब आप रोहतक जिले में जाते हो तो कहते हो मै जाट हूं और जब मुसलनामनों में जाते हो तो कहते हो मै मुसलमान हूं और जब पंजाबियों में जाते हो तक हते हेा में पंजाबी हूं। आपका कोई भरोसा नही हैं

चौधरी भजन लालः मै तो सभी जातियों को ओर समुदायों को मानता हूं। मै तो मन्दिर में भी जाता हूं, गुरूद्वारे में भी जाताहूं, मस्जिद में जाता हूं ओर गिरजाघर में भी जाता हूं। इसलिए सब के सब मेरे साथ है।

डा0 ओम प्रका ा भार्माः स्पीकर साहब, ब्राहमण तो एक आद र्ा है।

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, यह तो विधेयक लाया गया है इससे लोगों को धार्मिक भावनाए के खिलाफ है।

चौधरी भजन लालः भार्मा जी, आप बैइिए पहले मुझें अपनी बाम हर लेने दीजिए। आप मेरे बाद में अपनी बात कह लेना। स्पीकर साहिब, मनसा दवेी मन्दिर का जब बिल यह पिछली सरकार लोकर के आई थी लोग सुप्रीम कोर्ट ने भी लोगों की बातानही मानी। आज देश में कई ऐसे मन्दिर है जिनका इन्तजाम सरकार के हाथ में है। वह इसलिएहै कि जां पर बहुत ज्यादा लोग धिर्मि भावना से जाते है तो उनको कुछसुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। अग्र भी जहां पर सरकार के हाथ में है। वह इसलिए है कि जहां पर बहुत ज्यादा लोग धार्मिक भावना से जो है तो उनको कुछ सुविधा उपलब्ध करवाई जा सके। आगे भी जहां पर सरकार जरूरी समझेगी उन मन्दिरों की सरकार अपने कन्ट्रोल मैं लेगी। सरकार जनता की भलाई के लिए ही यह सब कुछ कर रही है। इसमें किसी प्रकार कस सन्देह किसी को नही होनाचाहिए। आज

तो चीफ मिनिस्टर मैं हूं, कल को ये भी हो सकते है ओर कोई दूसरा भी हो सकता है। जो भी चीफ मिनिस्टर होगा, वह इस बोर्ड का चेयरमैन होगा।

श्री बसी लाल: कल को यदि अजमत खा मुख्य मत्री बन गए तो फिर इस बोर्ड का चेयरमैन कौन होगा?

श्री भजन लाल: इस बिल मेंसाफ लिखा है कि हिन्दू धर्म का भाई इस मन्दिर के बोर्ड के चेयरमैन होगा।

श्री बंसी लाल: आप कह रहे है कि हिन्दू धर्म का मुख्य मंत्री इस बोर्ड का चेयरमैन होगा लेकिन भाई अजमत खा जैसा यदि कोई दूसरे धर्म का आदमी मुख्य मंत्री बनता है तो फिर इसका चैयरमैन कौन होगा, यह आप साफ साफ बताए।

चौधरी भजन लाल: चौधरी साहब, लगता है कि आपने यह बिल पूरा नही पढ़ा। अध्यक्ष महोदय, मै इनके कहना चाहूंगा कि ये इस बिल की क्लास 2 (ई) देखे ओर इसको पढ़े।

श्री बंसी लाल: मै इसको पढ़ लेता हू।। इसमें लिखा है—

"Member" menas member of the Bord constituted under section 4 and includes a Member-Secretary and Chairman."

इसमें तो मैम्बर बनने की बात है। जहां मैम्बर बनेगे तो यह मैन्डेटरी प्रोवीजन है कि चीफ मिनिस्टर इतका चेयरमैन होगा। इसलिए 2 (ई) मं यह कवर नही होता। (ाोर एवं विध्न)

श्री सतबीर सिंह कादियानः इस धारा से सारा परपज सर्व नही होता।

चौधरी भजन लालः इससे सारा परपज सर्व होगा। यह प्रांत के जनहित मे ंही है। वहां पर जानेवाले यत्रियों को अधिक से अधिक सुविधए मिल सके इसलिए यह बिल लाया है। इसमें किसी को किसी प्रकार सं ाय नही होना चाहिए।

प्रो0 स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी केवल गए बात स्पश्ट करे दे। चौधरी बंसी ला जी ने भी और दूसरे साथियों ने भी यही आ ांका प्रकट की है कि कल कोअगर इस बिल के मुताबिक हिन्दु धर्म को न मानने वाला चीफ मिनिस्टर होगा तो उस सूरत में इसबोर्ड को चेयरमैन कौन हेागा?

चौधरी भजन लालः यही तो लिखा है कि हिन्दू धर्म को मानने वाला जो दूसरा मैम्बर आयेगा, वह बनेगा।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): अध्यक्ष महोदय, क्लाज 2 के पार्ट (ई) को मै पढ़ देता हूं। इसमें यह लिखा है। "member" measn member of the Borard constituted under section 4 and includes a Member Secreatary and Chairmna professing HIndu religion, in case

Chairman, ex-office member and member-secretary happens to be non-HIndu, the government may appoint in his pleace another member professing Hindu religion" इसमें सारी बात बिल्कुल क्लयीर की हुई है।

चौधरी वीरेन्द्र सिहः स्पीकर सर, जहां तक चैयरमैन बनाने कीबात है, यह तो इन्टरप्रैटे ान अलग अलग हेा सती है लेकिन मेरे हिसार से सैक ान 2 (ई) में उसको कंवर कर लिया गया है। परन्तु स्पीकर सर, मेरी गुजारि ा यह है कि मुख्य मंत्री महोदय नेअभी अपनी सफाई में यह कहा कि पब्लिक की मांग है। डी0 सी0 के लिखने की बात को हम नही मानते है कि हम उसके लिखने पर मजबूर को गये कि इसको टेक ओवर कर ले। मै यह गुजारि ा करूंगा कि जो पब्लिक की डिमांड है, वह टेबल आफ दी हाउस पर रखें हम फिर इसके खिलाफ एक भी भाब्द नही बोलेगे। मेरा कहना यह है पब्लिक की जो डिमांड इनके पास आयी है, वह आन दी टेबल आफ दीहाउस रखे। अगर सह नही रखते तो हम यह नतीजा निकलागे कि इन्होने बिना डिमांड के ही ऐसा किया है। डी0 सी0 की रिपोर्ट को हम नही मानेगे। पब्लिक केा जो डिमांड आयीळ, उसको हाउस की टेबल पर रखे। किस पब्लिक ने क्या कहा, क्यों कहा, क्या ि ाकायत आयी, ऐसीा सारी बातें हाउस में आनी चाहिए। केवल डी0 सी0 की रिपोर्ट सफि ाएट नही है। हम उसको नही मानते। जब हम यह कहते है कि अगर आपने लेना ही है तो सारे धर्मो के स्थानों को लें। आप उनको बहुत बढ़िया बनाना चाहते है, वहां परचौडत्री सडत्रकों से उनकेा

जोड़ना चाहते है, मार्बल बिछवाना चाहते है, यमकदार बनाना चाहे है, अगर ऐसी बात है तो आप सारे धर्म स्थानों को ले ले। मुख्य मंत्री जी यह कहते है कि जिसको हम ठीक समझेगे, जहां से ि ाकायत आयेगी, उसको ही लेगे। अगर इसी तरह से करेगे तो यह बात हमारी एक बात को बल देगी। जो ऐलीगे ान लीडर आफ दी हाउस या मुख्य मंत्री जी के खिलाफ हमने लगाये है, वे झूठे साबित नही होगे। इस बिल के पास होने से वे ऐलीगे ान झूठे साबित नही होगे बल्कि उनको बल मिलेगा। इसलिए मै गुजारि ा करूंगा कि दोबारा इस बिल परगौर कर ले। अगर इस तरह को कोई बिल लाना ही है तो सारे जिनमे भी पूजा स्थल हरियाणा में है, उनको टेक ओवर करने के लिए बिल ाए वरना इसका कोई फायदा नही है। यह जो अलग से बिल लाया जा रहा है, यह उचित नही है। एक बात मै थोड़ी सी क्लयीर कर देना चाहता हूं कि मेरे मुताल्लिक जो बात कही गयी है, उ बारे मे ंपोजी ान यह है कि 15 मार्च, 1991 को गवर्नमैंट में भागीदार नही था।

श्री भाम ेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मै एक बात हौ कहना चाहता हूं। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने यह कहा कि पब्लिक डिमांड है तो वह ाउस की टेबल पर रखे। इससे बड़ा सबूत पब्लिक की डिमांड का है तो वहा हाउस की टेबल पर रखे। इससे बड़ा सबूत पब्लि क डिमांड का और क्या हो सकता है कि उस कांस्टीच्यूएसी का विधययक जो मंत्री भी है वही इस बिल का

का मूव करने वाला है। क्या विधायक जो मंत्री भी है वही इस बिल का मूव करने वाला है क्या विधायक से बड़ा पब्लिक का रिप्रजेटेटिव और कोई हो सकता है? अध्यक्ष महोदय, एक बात मै यह भी कहूंगा कि यहां पर पहले ही ये लोग फिरकापरस्ती का माहौल बना रहे है ओर फिर कह रहे है कि अगर इसको अवायड करना है तो इसको टैक ओवर न किया जाए। मै दोनो और अके भाईयों से यह दरख्वास्त करूंगाि कहरियाण में कोई भी माहौल सरचाज्र नही है जिसका सारा श्रेय लोगों को दिया जात है। और लीडरो को भी जाता है। हरियणा के अन्दर कोई फिरकापरस्ती का माहौल नही है जातपाज का फिरकापस्ती का जो लोग माहौल ये पैदा करने की कोि ा ा कर रहे है मै उसस दरख्वास्त करूंगा कि ऐसा कोई रंग देने की कोि ा ा न करे, लोगों को जीने दे। पहले ही एक मन्दिर के मसले ने पूरे दे ा का ऐसा हाल कर रखा है। जिसके कारण से परा दे ा ही खराब स्थिति में है। कृपया मन्दिर के नाम पर जात का, धर्म का नाम लेकर ऐसी बाते कहने की कोि ा ा नही करनी चाहिए जिससे लोगों के दिलों में किसी किस्म का भ्रम, किसी किस्म का आपसी द्वेश पैदा हो। ऐसे मसले को मैरिट परडिस्कस कर लिया जाना चाहिएं यहां बार बार यह सवाल उठाया जााात हैं कि चोधरी भजन लाल जी किसी एक व्यक्ति, धर्म या कम्युनिटी के खिलाफ हैं मै जातपाल की बात चाहां पर नही करना चाहता था लेकिन कुछेक बातों को स्पश्ट करना जरूरी है। चौधरी भजन लाल जी जाट है। जाट व बि ानोई एक बमत है। बि ानोई कोई जाति नही है। वह मत है

आर्य समाज एक मत है, सनातन धम भी एक मत है। एक जाट आर्य समाजी भी हो सकता है, और बि ानोई कोई जाति नही है वह मत है। आर्य समाज एक मत है, सनातन धर्म भी एक मत है। एक जाट आर्य समाजी भी ाह`सकताहै, और बि ानोई , सनातन धर्मी व जैनी भी हो सकता। यह केवल मत की बात हैं यह काई जात नही हैं बि ानोई एक मत है, जात नही है, वि वास है, फिरका है इसलिए कृपा करके ऐसा माहौला यहां पर बनाने की कोि ा ा न करें। धन्यवाद।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, सुरजेवाला साहब ने एक बड़ी बात कह दी कि एक मन्दिर ने तो दे ा की मिट्टी खराब कर दी हैं और दूसरों की बात क्यें कहते हो? मै उनकी इस बात से सहमत हूं। मै तो कहता हूं कि अगर एक मन्दिर की मिट् टी खराब न करते और अगर वहां पर फौज न भेजते तो आज यह दिन क्यो देखते? इसलिए मै यह कहूंगा कि अभी भी इस बिल को वापिस ले लो ओर इस से पीछा छुडवा लो और अपने अपने घरों का वापिस जाओ। (हंसी) उनकी बात इसी बात को स्पोर्ट है कि बिल को वापिस ले लो। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री धर्म पाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यहां कहा गया हिन्दू धर्म के अन्दर बि ानोई एक जाट हैं तो मै मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या बि ानोई सम्प्रदाय जाति की जगह अपनेआप को जाट लिखते है? (ाोर) यदि नही तो फिर वे जाट

कैसे है? अगर जाट हाते तो कास्ट में जाट लिखते हैं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः कृपया बैठिए।

प्रो0 राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): स्पीकर सर, चर्चा भीतला माता मन्दिर को टेक ओवर करने के बारे मं इस सदन मे ंचल रही है। मेरा अपना विचार है कि इस तरह करने से धार्मिक भावनाओं का व्यापारीकरण होगा। स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार अपने बोर्डज और कारपोरे ान्ज को तो ठीक ढंग से नही चला पा रही है। लेकिन बीच में यह एक ओर विशय चर्चा का बना कर यहां ले आई। जब इस बिल पर चर्चा हो रही थी तो सुरजेवाला साहब ने बड़े लहजे में एक बात की चर्चा कर दी लकिन मै उनको यह बताना चाहता हूं कि आज हिन्दूस्तान में अगर भाान्ति है तो वह केवल भगवान राम की कृपा से अयोध्या के मन्दिर के कारण है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राजे ा कुमार भार्माः स्पीकर साहब, ये यात्रा में क्यो नही गये थे, जारा इनसे पूछिए? (ाोर)

प्रो0 राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, ये आज ज्यादा जो ा में है हिन्दूस्तान में उस मन्दिर के कारण से आज भगवान राम की कृपा से भाान्ति हुई है। लेकिन बची में सुरजेवाला साहब जाटों ओर बि ानोईयों की चर्चा को ले बैठे । मै उन से यह जानना चाहूंगा कि क्या यह बि ानोईयों की चर्चा को ले बैठे। मै

उन से यह जानना चाहूंगा कि क्या यह बि ानोई व जाट का मन्दिर है? हमें तेा स्पीकर साहब, इन सब का हिसाब किताब रखना पड़ता है। सब की खैर मनानी पड़ती है। (हंसी) न तो मन्दिर जाट बि ानोईयों के है, न दूसरी किसी जाति वि ो ा के है। ये मन्दिर तो सभी के है। बाकी चौधरी बंसी लाल जी ने ठीक ही कहा है। कि बेचारे गाबा साहब इसबात को क्येां नही समझ रहे है कि इस बिल को लाना केवल उनकी खाट खड़ी करने की एक साजि ा है। ऐसा वे सोच रहे है। वे तो * * * * * कि यदि उनके उल्टी जच गई तो गाबा साहब बेचारे को साफ कर देगे। (हंसी)

अध्यक्ष महोदय, मै एक बात और कहना चाहता हूं कि मै गुडगांव से दो लोकसभ चुनाव लड़ चुका है।

चौधरी वीरेन्द्र सिहः देखिए स्पीकर साहब, हमारी क्या हालत है? हमारा मन्दिर भी जा रहा है और * * * भी कहलावा रहे है।

प्रो0 राम बिलास भार्माः मैने जो * * * * भाब्द कहा था वह प्यार में कहा था। मेरा मतलब उस तरह से नही है। यह हम गांव की भाशा में प्यार में, अपनेपन में कहते रहते है।

जन स्वास्थ्य मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, भार्मा जी ने जो यह

लफ्ज कहा है यह रिकार्ड में नही आना चाहिए, यह गलत है। (ाोर एव व्यवधान)

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, अगर इन भाब्दों से इनको कोई तकलीफ हुई हो तो मै इन्हें वापिस लेता हूं।

श्री अध्यक्षः श्री राम बिलास भार्मा ने जो 'बाबले भूत' भाब्द कहे है वे रिकार्ड पर न लाए जाए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने कहा है कि हम मन्दिर भी खोएंगे और भी * * * कहलवाएंगे। तो ये * * * इनको छोडेगे नही।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, यह जो * * * भाब्द है, कृपा करके इनको ऐक्सर्पज ही कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः मैने पहले हो कह दिया है कि रिकार्ड पर न लाये जाए।

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। कई बात पता नही हम अपने जजमानों को क्या क्या कह देते है। अध्क्ष महोदय, यह जो गुडगावा का मन्दिर है यह पर्टीकुलरली किसी कास्ट से सम्बन्धित नही है। यह जो स्पैसिफिक रीजन है, उससे सम्बन्धत हैं इस मन्दिर में मेवात का मेव भाई भी आता है। फिरोजपुर झिरका से मेव बहुत बड़ी संख्या में उतरा, गंठजोडे की बात भी मैने वही ली। मेरे छोर का जडुला भी वही उतरा। स्पीकर

साहब, इस मन्दिर काजौ मैनजमैंट हे, उसमें केवल जाट ही नही है, सैनी भी है, ब्राहमण भी है। उस गांव के जितने लोग का तकार है। जिनके पास जमीन है वह सब लोगों से मिली हुइ है। मु तरका मालकान का ट्रस्टसा बना हुआ हैं ओर अध्यक्ष महोदय, गंडगांव, दिल्ली के नजदीक हैं कोई भी सरकार आती है। गुडगांव गांव के किसानों पर कहर बरसाती है। एक तेा छिल्ली में रहने वाले गुडगांव की जमीन मंहगे दामों पर खरीदने है।

श्री अध्यक्षः इसका इससे क्या ताल्लुक है?

प्रो0 राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, इससे मै यह बताना चाहता हूं कि गुडगावं गांव में जहां मन्दिर स्थित है उसके पास हुड्डा के सारे सैक्टर केटे हुए है। गुडगावा मे ंरहने वाले किसान को, हरिजन की माता और बहनों को बाहर निकलना बहुत कठिन है कयोंकि जमीन सैक्टरों में बटी हुई है। यह जो मन्दिर का मनजमैंट हैं सरकार ने इसको भी ले लिया तो केवल भावनओं को ही ठेस नही पहुंचेगी बल्कि गुडगांव में बसने वाले गरीब आदमी को बहुत बडत्री असुविधा का सामना करना पड़ेगा क्योंकि हुड्डा के सारे सैक्टर गांव की जमीन को तीन तरफ से घेर हुए है। सलिए अध्यक्ष महोदय मुख्य मंत्री इसकी कोई प्रति ठा का सवाल न बनाए और भाई धर्मबीर गाबा को इसके बारे में समझना चाहिए मन्सा देवी मन्दिर की चर्चा आई है, अभी तो उसका लिया ही है। अभी उसक परिणाम आने दो, उसक परिणाम देख ली। बहुत जल्दी न करे। कोई बहुत अरजैसी नही है। जहां तक मेरी

जानकारी है गुडगांव में भी और हम भी भीतला माता के श्रद्धालु है। हर क्षेत्र के लोग वहां द र्शन करने, माथा टेकने जाते है। अध्यक्ष महोदय, हो सकता है कि वहां के मैनजमैंट के बारे सरकार के पास कोई ि ाकायत आई हो। पश्रतु उस इलाके में झुझनु तक का आदमी आता है। चेत और बै ाख के महीने में बड़ी क्या, बसिज क्या, सबकों गुडगांव होकर जाना पड़ता है। अध्यक्ष महोदय अगर कोई बहुत किस्म का ि ाकायत नही है तेा मेरा निवेदन है कि सरकार इस बिल को वापिस ले लेा। धन्यवाद

तकनीकी ि ाक्षा राज्य मंत्री (प्रो0 छत्रपाल सिंह): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे माता भीतला भाराईन सम्बन्धी बिल पर बोलने का समय दिया, इसके लिए मै आपके प्रति बड़ा आभार व्यक्त करता हूं इसमें कोई दो राय नही है कि जहां तक मंदिर, मस्जिद और गुरूद्वारों का ताल्लुक है, उनके पीछे वि ो ा क्लास और सैक ान्ज से जुड़े हुए कुछ लोग होते है। लेकिन आज जो कांग्रेस की सरकार है वह बड़ी सैकुलर आर्गेनाईजे ान से संबंधित है। हर धर्म, जाति और इंसानियम की इज्जत, उनके संस्कारों की इज्जत और उनकी भवानाओं की इज्जत करना औ कद्र करना हभ इस संगठनप का मळत्वपूर्ण कामहै। यह संगठन कसभ संर्कीण भावनाओं से ऊपर उठकर काम करताहै और इसी संगठन की आज हरियाणा के अन्दर सरकारहै। यहां पर विपक्ष से जुडे हुसए मेरे माननीय सदस्य इस मन्दिर के ऊपर बोले, इस बिल पर बोलै। इनमें भाई राम बिलास भार्मा और प्रो0 सम्त सिंह भाामिल है जो

भाायद किसी एक जाति और धर्म से संबंध रखते हैं इनको राजनैतिक पार्टी अलग अलग है। लेकिन मुझे बड़ा अफसोस है कि इनकी राजनैतिक पाटिया किसी धमै या जाति के प्रति कोई सम्मान नही रखती है ओर नह ही इनकी पाटियों की विचारधारओं में कोई सैकुलरिज्म की बात है। हरियाणा के अन्दर ही नही पूरे हिन्दुस्तान के अन्दर प्रो0 राम बिलास भार्मा की पार्टी ने धर्म के नाम राजनीतिक की हैं और इस दे ा के कितने ही नौजवान साथी भाहीद कर दिये। इस दे ा के अन्दरा सिर्फ एक धर्म की आड़ लेकर धर्म निरपेक्षता की बात करना अच्छी बात नहीळ`। दूसरी तरफ मै मानपनीय साथियों से कहना चाहूंगा कि मै इस डिबेट का लम्बा नही करना चाहता।

श्री अध्यक्षः छत्रपाल सिंह जी, आप इस बिल पर ही बोले।

प्रो0 छत्रपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरे सजपा के सथी इसी बिल पर बोल रहे थे। इसके जो नेता है इनकी जो पार्टी का कल्चरहै उसको हरियाणा के अन्दर सरेआम देखा गया कि जात पात के प्रति उनकी कितनी श्रद्धा है और उससे कितन ऊपर ठकर कयह काम कर सकते है। मै जयादा गहराई में नही जाना चाहूंगा क्योंकि मेरी एक एक बात की सच्चाई इनलोगों क छः छः फुट कुर्सियों से ऊपर उठायेगी। इसलिए मै ज्यादा गहराई मे ंनही जाउंगा क्योंकि फिर ये भाायद भाोर करेगे ओर मुझ सच्चचाई कहनी पडत्रेगी। इसलिए मै इसकी ज्यादा गहराई में नही जाना

चाहताह। आज जो लोग इस सदन में बैठे है इनको हल्के के लोगों ने जान मं या अनजाने में चुर कर भेज दियाहैं इन्होने पीछे जो गल्तिया कीहै मुझ उम्मीदहै। कि भविश्य में ये उनसे ऊपर उठेगे और ज्यादा डैमोक्रेटिक पैट्रन पर चलेगे। किसी मन्दिर, मस्जिद या गुरूद्ववारे की मैनजम्ेंअ को ळाि में लेने से पहले उस धर्म जात वि ोश के जजबात के प्रति जरूर ध्यन दिया जाना चाहिए। यदिमैनजमैंट ठीक काम नही रही है तो सरकार का यह फर्ज बनता है। कि उस मैनजममैंट का कम अपने हाथ में ले। ऐसा करने से जन साधारण उस मन्दिर या गुरूद्वारे से अपना एम आचीव कर सकताहैं माता भीतला देवी के मन्दिर को अगर सरकार अपने साथ मे लेती है और जन साधारण उसके बाद अपनी पूजा ठीक ढंग से कर सके तो मै समझता हूं कि इसमें कोई गलत बात नही है। ऐसा करने से नि चत तौर पर लाूग अपने एम को अचीव कर सकेगे। मै एक सुझाव निशपक्ष होकर दूंगा। यदि इस मन्दिार वि ोश का संबंध हिन्दू जाति से है ते मै मुख्य मंत्री महोदय से दर्खास्त कररूंगा कि जहां आपने इसका ऐक्स औफि ायी चेयरमैन चीफ मिनिस्टर हरियाणा या अदर देन मैंम्बर रख है ते इसके अन्दर हिन्दू जाट भाब्द को जोड़ दिया जाए। धन्यवाद।

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (चौधरी धर्म वीर गाबा): स्पीकर साहब, मै वहां का नुमायंदाहूं इसलिए वहां की स्थिति के बारे में मेरे से ज्यादा भाायदकिसी को न पता हो। यह बदकिस्मती

हैं कि जिन लागों ने वह मन्दिर देखा भी नही, वे उसको जात पात मे लाए। मै वहां का नुमायंदा होने की नाते अच्छी तरह से जानता हूं कि वहां क्या हालत है। वह बात सही है। कि वह मन्दिर भाामलात पट्टी में है। वहां सब धर्म के लोग आते है। दूसरे यह कोर्ठ नही कह सकता है कि वहा जा यात्री लोग आते है उनकी बेहतरी के लिए कोई काम हुआ है या नही। वहां पर कुछ भी नही था। वहां पर सड़कों और लाइट का काम भी इस साल गवर्नमैंट के दबाव से हुआ है। न तो वहां यात्रियों के बैठने की सुविधा है, न पीने के पानी की सुविधा है। और ना ही लैट्रिन वगैरह जाने की सुविधा है। चौधरी बंसी लाल जीने कहा कि यह बिल लाने और पास करवाने के बाद मेरी खाट खड़ी हो जाऐगी। स्पीकर साहब हर अच्दे काम के लिए किसी न किसी को कुर्बानी तो देनी पड़ती है। अगर मुझे कुर्बानी देनी पडद्य गई तो मुझे कोई आपत्ति नही होगभ। स्पीकर साहब, कुर्बानी इसलि दी जात ीहै कि आने वाले लोगं हमें याद रखे। इससे तो आन वाले लोगों में हमारा नाम रो ान होगा कि किसी ने अच्छा काम किया था। स्पीकर साहब, इन भाब्दों के साथ मेरी दरखवास्त है कि इस बिाल को पास किया जाए।

Mr. Speaker: Question is—

That the Haryana Sh. Mata Sheetla Devi Shrine Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now the HOuse will consider the Bill clause by clause.

Sub-Clasue (2) of Clause 1

Mr. Speaker: Question is—

That sub-clause (2) of clasuse 1 stand part of the Bill.

The motion was carred.

Clauses 2 to 41

Mr. Speaker: Question is—

That Clauses 2 to 41 stand part of the Bill.

The motion was carred.

Sub-Clause (1) of Clause 1

Mr. Speaker: Question is—

That sub clause (1) of Clause 1 stnad part of the BIll

The moton was carried

Enacting Formula

Mr. Speaker: Queston is—

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Minister of state for Local Government will please move that the Bill be bassed.

Minister of state for Local Government (Ch. Dharambir Gauba): Sir, I beg to move—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

श्री बंसी लाल (तो ाम): स्पीकर साहब, अगर पास करने की सटेज आई है तो मै एक बात अर्ज करना चाहता हूं बहर चन्द्रावती ने जो कुछ कहा है। उसके जवाब में मुख्य मंत्री जी ने कहां कि हम इस मन्दिर को टेक ओवर नही कर रहे है। स्पीकर साहब क्लाज 3 में कहा है।

"The ownership of the Shrine fund shall, from the commencement of this Act, est in the Board and shall be entitled to its possession, administration and use for the purpose of this Act."

फिर आगे चलकर ये क्लाज 16 और 17 में कहते है—

"16 (1) No Jewellery, or naments which have once been adrned on the idols or other vialuable properry of non perishable nature forming part of theSrine fund shall be transferred, exchanged, sold or disposted of without the

previous sanction of the Government on the recommendaton of the Board.

17. No. money shall borrowed or lent except by a resolution of the Board and the approval of the Government."

स्पीकर साहब, असैट्स और लायबिलिटीज जब ले ली ते टेक ओवर किस चीज को कहते है? इसको मुख्य मंत्री क्लयीर कर दें।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह): स्पीकर साहब, चौधरी साहब से क्लाजिज की जो लैगवेज है उसके पढ़कर ' ाराईन' छोड दिया। 'फण्डज आफ दि भाराइन' कैसे मैनजे किए जाएंगे सरकार कुछ नही कर रही है। इसमें यह है ओनर ाप आफ दि फण्ड जो चढ़ाया है, from the commencement of this act. vest in the Board, यह एक बात है। अगली बात है कि जो क्लाज 16 इन्होने पढ़ा है वहा तो बहुत अच्छा है। इसमें लिखा है—

"(1) No jewellery ornames which have once been dormed on the idols or other valuable property of non perishable nature forming part of the Shrine fund shall be transferred, exchanged, sold or disposed of without the previous sanction of the Government on the recommendiation of the Board."

no jewellery, ornaments which have once been adorned on the idols of othe valuable property of non perishable nature forming part of teh Shrine fund shall be

transferred, exchanged, sold or disposed of without the previous sanction of the Govt. on the recommendaton of the Board. स्पीकर साहब, यह तो प्रोटेक ान कर ली है। अगर यह बात न हो तो काई आदमी मूर्ति के गले में कुछ डाल दे ओर दूसरा उसकी उतार कर बेच सकता है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब चौधरी साहब ने बहुत अच्छी वकालत की है। क्लाज 16 (1) तो पढ़ दिया लेकिन 16 (2) में लिखा है–

"No land or other immovable property held by the Board shall be alienated except by a reslution of teh Board and the approval of teh Government" यह क्या है?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः इसमें भी प्रोटेक ान दी है। स्पीकर साहब, बोर्ड को भी अधिकार नही है कि वह अपनी जायदाद की नाजायज तरीके से बेची दे। सरकार का नियंत्रण इस बात का रहेगा कि अगर बोर्ड को ऐसा लगे कि सारी जायदार को बेचना चाहिए ता गवर्नमैंट की ऐप्रवल जरूरी है। बात बड़ी साफ हैं सरकार न तो भाराइन की मालिक है, न आभूश्शणों की मालिक और न जमीन जायदाद की मालिक है बल्कि यह कर दिया है कि अगर कोई और गड़बड़ करना चाहे तो वह नही सकेगा।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, फिर तो जितनी कार्पोरे ांज, है उनकी भी सरकार मालिक नही है। क्योंकि वे भी इसी तरह से है।

चौधरी वीरेन्द्र सिह (नारनौद): स्पीकर साहब, अब तक हम सभी ने बहुत कोि ा ा की कि यह सरकार किसी प्रकार से समझ ले ओर इस बिल को वापिस ले ले। जो बातें हम कह सकत `थे वे बातें हमने सरकार को कही। स्पीकर साहब, अब मै कांस्टीच्यू ज्ञनल वैलोडिटी की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा और आपके द्वारउा इस सरकार का ध्यान भी उसकी दिलाना चाहूंगा क्योंकि इस सरकार से केवल एक पी0 एच0 डी0 को छोड कर श्री भाम ेर सिंह सुरजेवाल और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जैसे ला ग्रेजुएटस है। (हंसी) इस कांस्टीच्यू ान के आटिकल 26 में लिखा है—

"Freedom to manage religious affairs subject to public order, morlit and health every religious denomination or any section therefo shall have the right—

(a) To establish and maintain instituions for religious and charitable purposes;

(b) To manage it sown affars in matters of religion;

(c) To own and acquire movable and immovalble property; and

(d) To administer such property inaccordance with law."

स्पीकर साहब, यह आटिकल 26 जो है यह फ्रीडम अकोर्ड करत है कि इस किस्म की भाराईन की मैनजमैंट जैसे चहो अपने इंतजाम को चलाए। इसमें दो तीनबाते है। एक तो यदि वहां

पर कोई ि ाकायत हो याकोई इम्मोरेलिटी होया वहां पर ऐसा कोई माहौल क्रिएट किया जा रहो जिससे पब्लिक आर्डर डिस्टर्ब हो रहाह`या कोई ऐसी बात हा कि वहां पर पोल्यू ान फैल रहा हो और उससे पब्लिक की हैल्थ परइफैक्ट पड़ता हो यदि इस स्मि का वातावरण हो तो सरकार इसमे ंदखलअंदाजी कर कसतीै वरनासरकार को दंखअंदाजी करने का कोई अख्तियार नही है। इसलिए भी मै गुजारि ा करूंगा कि उस बोडी को अन नैसेसिररिली लिटिगे ान मे ंन डाले। It is completely ultra vires इसलिए भी मै गुजरि ा करूंगा कि उस बाडी अन नैससरिली लिटिगे ान मे ने डाले। of the Constituion and I oulw request that better sense should prevail upon the Government and it should withdraw this legislation forthwith.

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मंसा देवी भारइन ऐक्ट इन्होने बनाया था और वह इस साल के मार्च में बनाया था। मंसी देवी मंदिर का रखरखाव करने के लिएजो भी बोर्ड था या पुजारी थे वे उस ऐक्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी गए थे लेकिन सुप्रीम कोर्ट में उनकी अपील खारिज हो गई। फिर राश्ट्रपति स उसकी मंजूरी लेने के बार हरियाणा सरकार ने मंसा देवी मंदिर ऐक्ट बनाया है ंइसक अलावा स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिह जी ने कांस्टीच्यू ान की बात कही और उनहोन कास्टीच्यू ान की बात कही और उन्होने उस कांस्टीच्यू ान का आटिकल पढ़ कर भी सुनाया। मै कहता हूं कि वह आटिकल एक अनेबलिग आटिकल कहै। यह आटिकल सारी 'सिचुए ान

ऐक्सप्लेन नही' करता। उसक मतलब केवल यह था कि जिस धार्मिक स्थल के जो लोग है। उनको इस बात की आजादी है। कि वह अपनी कोई संस्था ऐस्टेब्लि ा करे लेा और उनमें से कोई उसको मैनजे कर ले और उसको चलाए। अध्यक्ष महोदय, मेरी तो यह भी राय है कि मंदिर नाम ता कई स्कूलों के साथ भी लगा हुआ है जैसे बाल विकांस मंदिर इसलिए यह स्ट्रिक्ट सैंस में धामिक स्थान नही है। यह एक सांस्कृतिक स्थानहै। यह बिल इस आटिकल को किसी तर से वायलेट नही करता। इन्होने खुद ही पढज्ञ है कि अगर पाब्लिक आर्डर डिस्टर्ब होने है ंता `सरकार दखअंदाजी कर सकती है। इसलि अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी इस बिल के बारे में भांकाए जाहिर की है वे निराधार और बेबुनियादहै। मै हाउस से दरख्वास्त करूंगा कि इस बिल को पास किया जाए।

वाक आउट

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, अगर सरकार इस बिल को पास ही करवाना चाहता है तो हम वाक आउट करते हैं

(इस समय जनता पार्टी, हरियाणा विकास पाटी, जनता दल पार्टी औरभारतीय जनता पार्टी के सभी उपस्थित सदस्य सदन से वाक आउट कप गए)

दि हरियाणा श्रीमाता भीतला देवी भाराईन बिल, 1991 (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Question is—

That the Bill be passed

The motion was carred

(ii) दि फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुले ान एंड डिवैल्मैट सैकिण्ड अमैण्डमैंट बिल, 1991)

Mr. Speaker: Now, the Minister of state for Local Government will introduce the Faridabad Compled (Regulation and Development) Secound Amendment Bill, 1991 and aslo move that movtion for its consideration.

Minister of state for Loacal Government (Ch. Dharambir Gauba): Sir, I introduce th Faridabad Complex (Regulation and Development) Second Amendment BIll, 1991.

Sir, I also beg to move—

That the Faridabad Complex (Regulation and Development) Scond Amendment Bill be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Faridabad Complex (Regulation and Development) Secojnd Amendment Bill 1991 be taken into consideraton at once.

श्री बंसी लाल (तो ाम): स्पीकर साहब, इस प्रकार को भी अजीब तमा ाा है क्योंकि इस सरकार को कोई सिद्धांत नही हैं एक तरफ तो ये पंचायतों को टैन्योर 5 साल से घटा कर 3 साल कर रहे है। और दूसरी तरफ फरीदाबाद कम्पलैक्स में जो

चुनाव होने थे उनको दो साल के लिए और पीछे कर रहे है। वहां पर 20 साल का समय बीत चुका है। लकिन इलैक ान नही हुए है। अब ये उस अवधि को 20 साल से 22 साल यानि दो साल के लिए और बढ़ा रहे है। जब चुनावों के समय मुख्य मंत्री फरीदाबाद गए थे तो वहां पर कह कर आय थे कि हम 6 महीने में इस कम्पलैक्स के चुनाव करवा देगे। इनको मुख्यमंत्री बने 6 महीने में इस कम्पलैक्स के चुनाव करवा देगे। इनको मुख्य मंत्री बने 6 महीने हो गए है लेकिन वहां परचुनाव नही करवाये गये । जो ये अवधि 20 साल स बढ़ा कर 22 साल कर रह`है इसके बहुत कुछ कारण है। उसका एक कारण तो यह है कि इस सरकार को कोई सिद्धांत नही है और दूसरा कारण यह है कि वां का जा चीफ ऐडीमिनिस्ट्रेटर है जो वहां का इन्चार्ज है। उसकी लूटमार के लिए ओर उसकी धांधली के लिए और जमीनों पर नाजायज कब्जे करवाने के लिए ही ये इस अवधि को बड़ा रहे है। मेरी समझ मं नही आता कि ये चीफ एडमिनिस्ट्रेटर की लूटमार के लिए ही ह अवधि 20 साल से बढ़ाकर 22 साल क्यों कर रहें है? अगर यह सरकार इतना ही प्रातातन्त्र में वि वास रखती है और पंचायतों के इलैक्ल्शन् 5 साल की बजाए जब 3 साल के बाद ही करवाना चाहती है तो फिर इसको 20 साल से 22 साल क्यों करवा रही है? इसके भी इलैक ान फौरन क्यों नही करवा देती? आपका खुद का ऐलान किया हुआ है कि छः महीने के अन्दर अन्दर इलैक ान करव देगे लेकिन अब इस बिल के जरिये यह जो पीरियड बढ़ाया

जा रहा है, यह गलत है। मै इस बिल को इन्ट्रीडक ान का विरोद्ध करता हूं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, पिछला जो 25 साल का पीरिरूड था, उस समय में हरियाणा प्रांत मेंसभी महानुभावों की सरकारे रही है। जो अब इसबारे में बोल रहे है इनकी भी सरकार रही है और दूसरों की भी सरकारे रही है। (विध्न) इस पीरियड के अन्दर चौध्णरी बंसी लाल का समय भी भाामिल है। फरीदाबाद कम्पलैक्स के लिए इलैक्टिड बीडी की कांस्टिच्यू ान हेतु जो 20 साल का पीरिडय ऐक्ट में रखा गया थ्ज्ञा वह खत्म होनो जा रहा था। अब इसके लिए हमनेसिर्फ दो साल का समय और मांगा हैं इस 2 साल के अन्दर है वोटर्ज लिस्टे वगैरह बनाकर ओर लोगों की वोटें बनाकर, दोबारा सब कुछ ठीक ठाक करके चुनाव करवा लेगे क्योंकि पंचातय समितियों के चुनाव अभी नही हुए थे। इसके अलावा और कुछ नही किया है। इनको तकलीफ केवल चीफ ऐडमिनिस्ट्रैटर के होने की वजा से हाती है। उसके भी कारण है। कारण क्या है, अभी जो चुनाव हुए, इनके पार्टी के सदस्य कर्ण सिंह दलाल जो इस हाउस के आनरेबल मैम्बर है, पलवल से चुनाव लड़ रहे थे। उस समय अब के चीफ ऐडमिनिस्ट्रटर वहां पर ऐडी ानल कलैक्टर फरीदाबाद लगह हुए थे। इन्होने एक राम`ा ग्रीन बिग्रेड के गुंडे जैसे पाले आते थे वे बुला लिए और सारी तैयारी कर ली कि सुबह बूथ कैपचरिग करेगे। वहां से इनके पास रिपोर्ट आई कि वहां पर बड़ी

भारी गड़बड होगी ओर इनके वे आदमी बूथ कैपरिग करेगे। वह ऐडी ानल कलैक्टर पुलिस फोर्स के साथ लेकर वहां पर पहुंचे और उन्होनें इनके लागों को बूथ कैपरिग नही करने दी। इनके खिलाफ बाकायदा केस दर्ज किया गया, अब इनकी बात की तकलीफ है। कि वह आदमी वहां पर क्यो लगा हुआ है ओर जो आदमी इनके खिलाफ लड़ रहा था, उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज क्यों नही होगा? जब भी कोई बात आती है तो कभी सिी अफसर का नाम लते है। तो कभी किसी अफसर के बारे में कहते हे। कभी चीफ सैक्रेटरी को तो कभी किसी दूसरे अफसर को ब्लैकमेंल करने की यह लोग कोि ा ा करते है। मै इनको यह बताना चाहता हूं कि हम उनको ब्लैकमेल नही करने देगे।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, एक बात यह है कि आज श्री कर्ण सिल दलाल जी का लड़का बीमार हो गयाहैं, इसलिए उनको जाना पड़ गया है। दूसरी बात ये थी कि चुनाव में क्या हुअउ मुझें इसके बारे मे ंकुछ पता नही है। वे अगर पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देना चाहेगे, तो अगली दफा दे देगे। लेकिन यहां जो कुछ और कहा जा रहा है। यह बात मै नही मानता। यह गलत बात हैं मै तो आपको सिर्फ एक ही बात कह सकता हे। कि मैने कभी आज तक चीफ सैक्रैटरी को या चीफ ऐडमिनिस्ट्रेटर की टेलीफोन तक नहकिया मै ंयह कह सकता हूं किय जो इल्जाम मुख्य मंत्री जी का है, वह गलत है। यह बात सही है चीफ ऐडमिनिस्ट्रेटर को वहा ंपर इसलिए रखा जा रहा है। कि उसके

जरिये जमीन की और दूसरी किस्म की धांधलेबाजी ये लोग करते रहें।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कोई धांधलेबाजी का तो सवाल ही पैदा नही होता। धांधलीबाजी तेा इनके जमाने से हुई होगी या फिर चौधरी देवी लाल के जमाने में हुई होगी। एक धांधली की बात मेर समय की अगर कोई बात हो तो बता दें मै सात साल तक पहले भी मुख्य मंत्री रहा हूं ओर अब भी इतने दिनों से हूं। (व्यवधान व भाोर)

श्री राजेन्द्र सिंह बिसला (बल्लभगढ़): अध्यक्ष महोदय, यह जो फरीदाबाद कम्पलैक्स (रैगुले ान एडं डिवैल्पमैंट) सैकिड अमैटमैंट बिल, 1991 पे ा किया गया है। मै इसकासमर्थन करने` लिए खड़ा हुआ हूं। मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि केवल दो साल का समय बढ़ाने के लिएयह बिल पे ा किया गया हैं पिछले हफ्ते ही फरीदाबाद में एक बहुत वि ााल जन सभा में एक लाख के करीब लोगों की भीड़ थी। उस सभा को मुख्य मंत्री जी ने सम्बोधित किया था, वहां परलोगों ने हाथ उठाकर मुख्य मत्री जी को बात का समथ्रन किया। मुख्य मंत्री जी ने वहां कहा था क फरीदाबाद प्र ाासन में इलैक्टिड बौडी या जो चुना हुआ सिस्टम है, वह जल्दी दिया जायेगा। मै सरकार का आभारी हूं कि मुख्य मंत्री जी ने वहां पर हम सब के सामने यह आ वासन दिया है कि हम जल्दी ही यानी भाीघ्र ही वहां पर इलैक्टिड बौडी देगे। अध्यक्ष महोदय, यहां पर पिछले 20 सालों से चुनावस नही हुए है। वहां

के जो लोग है, मतदाता है, उनकी लिस्टे या वोटे तो एक आध महीने में बन नही सकती। उनकी लिस्टे बनाकर और वोटे बनार ही वहां पर चुनाव होगे। इतना बड़ा कम्पलैक्स का ऐरिया है। उसमें झुग्गी झोपड़ी वाले है है। उसमें इंडस्ट्रीज में कमा करने वाले कर्ज है। कहने का मतबल यह है कि तमात किस्म के लोग वहां पर रहते है। तमात वर्ग की वोटै बनाने में कुछसमय तो लगेगा ही। जैसे मुख्य मंत्री जी ने यह वि वास दिलाया हैं कि हम बहुत जल्दी ही वहां पर इलैक्टिड बौडी देगे तो ये अव य ही दी जायेगी। अध्यक्ष होदय, मै सरकार का धन्यवाद करता हूं कि सरकार करता ने 6 महीने के अन्दर अन्दर सारे प्रदे ा में म्यूनिसिपल कमेटी के चुनाव करवाए और सत्ता डिसैन्ट्र लाईज करके चुने हुए जनता के नुमाइंदों के हाथों में सौप दी हैं इसी तरह 23 तारीख से पंचायतों के चुनाव भी सारे प्रदे ा के अन्दर होने जा रहे है लोग अपनी मर्जी के अनुसार अपने अपने हल्कों के प्रतिनिधि चुनेगे उसके बाद बहुत भीर्घ ही कम्पललैक्स के नुचार भी होगे ओरसत्ता चुने हुए नुमांदों के हाथों में सौप दी जायेगी। इसके साथ साथ अध्यक्ष होदय, मै पूर्ण दायित्व के साथ यह बात कहर सकता हूं कि हरेक के बच्चे, चाहे किसी की लड़की हो या लड़का, वे कही न कही तो ब्याहे ही जाते है। मै बडे अदब के सथ चौधरी बेसी लाल जी से कहना चाहूंगा कि अगर उनकी प्रदे ा के किसी एकाध अधिकारी के सथ इल विल है या बनती नही है अगर इस तरह की कोई बात है तेा अलग बात है। लकन जो अच्छे ईमानदार अधिकारीहै। सुझे हुए अधिकारी है, चाहे वे

आई0 पी0 एस0 है आई0 ए0 एस0 है एच0 सी0 एस0 या दूसरे अधिकारी है, उन सभी को राजनीतिक नजरिये से एक जैसा ही नही समझना चाहिए। अध्यक्ष महोदय मै बल्लभगढ से एम0 एल0 ए0 हूं ओर मै जिम्मेवारी के साथ कह सकता हूं कि चोधरी भजन लाल जी ने हरियाणा के बेहतरीन अफसरों में से चुनकर वहां पर आई0 ए0 एस0 व आई0 पी0 एस0 अधिकारी लगा रखे है और उनकी इंटेगरिटी पर कोई डाउट नही कर सकता। श्री परमवीर राठी जो आई पी0 एस0 अफसर है। वे एस0 पी0 वहां पर लगे हुए इसी तरह से एस0 एस0 प्रसाद डिप्टी कमि ानर फरीदाबाद हैं चीफ ऐडमिनिस्ट्रेटर लगे हुए है। मै यह कह सकता हूं कि उन जैसे बहुत कम अफसर होगै। जब से उनकी वहां पर नियुक्ति हुई हैं उनकी वकिग को मैने बड़े गौर से नजदीक से देखा हैं वे डैड औनैस्ट अफसर हैं और उन्होने चौधरी देवी लाल और ओम प्रका ा चौटाला सरकार के लुटे हुए और पीड़ित फरीदाबाद कम्पलैक्स को अपनी मेहनत अधिकारी है। मै यह बात भी क्लीयर कर देना चाहता हूं कि वे भाादी होने से पहले हीवहां पर चीफ ऐडमिनिस्ट्रेटर लगे हुए थे। मै आने ओथ यह कह सकता हूं कि उन जैसे बहुत कम अफसर होगे। जब से उनकी वहां पर नियुक्ति हुई हैं उनकी वर्किग को मैने बड़े गौर से, नजदीक से देखा हैं वे डैड औनेस्ट फसर है। और उन्होने चौधरी देवी लाल और ओम प्रका ा चौटाला सरकार के लुटे हुए और पीड़ित फरीदाबाद कम्पलैक्स को अपनी मेहनत से 24 घण्टों में से 18 घण्टे दिलो–जान से काम करके सम्भालने की पूरी कोि ा ा की है।

पिछले तीन चार महीनों से चीफ किनस्टिर साहब साहब के आदे ाानुसार जनहित की योजना के कार्यक्रम को चीफ ऐडमिनिस्ट्रेर ने कार्यरूप दिया हैं इसके साथ साथ मै आपकों बताता हूं कि मेरे हल्के बल्लभगढ़ में मुजेसर एक गावं हैं ओर मेरा वह जाति गांव है। वहां पर आज तक ोई भी चीफ ऐडमिनिस्ट्रेर या कोठ ंदूसरा अधिकारी नही गया होगा। मैने उनको कहा कि इस कम्पलैक्स में कुछ गांव भी है।, वहां कुछ दिक्कते भी है। आप कभी वहा चले तो वे कहने लगे कि चौधरी साहब आप अभी दो मिनट के लिए मेरे साथ चले। फिर मै चलता हूं यह रिकार्ड की बातहै, स्पीकर साहब, आप पता करे लेकिन मुजेसर गांव में वे चार घण्टे तक मेरे साथ पैदल चलते रहे औरवहां अजारेां आदमी इकट्ठे हो गए। (चौधी बंसी लाल की ओर से विध्न) चौधरी बंसी लाल जी, मै भी बोल सकता हूं। मेरेा भी उतना ही राईट है।, जितना कि आपका राईट है। मै भी एम0 एल0 ए0 हूं। मेरा भी उतना ही राईट है, जितना कि आपका राईट है। मै भी एम0 एल0 ए0 हू जिस तरह से आप एम0 एल0 ए0 है। हमने आपकी सारी बातें बड़े ययान सेसुनी हैं अब आप भी हमारी बातें सुने, घबराने की क्या बात है। (ाोर) तो स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि चीफ ऐडमिनिस्ट्र मेरे साथ उस मुजसर गांव में गए ओर वहां की पंचायत क लागं जैसा कि रिवायत है कोइ दूध ले आया, कोई कुछ ले आय। लोगों ने हमारा बहुत आधार किया। मेरा कहने का मतलब यह है कि इस तरह के बढ़िया अफसरचौधीर भजन लाल जी ने वहां पल लगाए है। इस लिए चौधरी बंसी लाल

जी से मैं रिक्वैस्ट करूंगा कि आपसी राजनीति रंजि ा के कारण ऐसे बढ़िया अफसरों को राजनीति में न घसीटे तो अच्छा होगा। मे। यह कह सकता हूं किउनहोने अपनी मेहनत के साथ सारे फरीदाबाद कम्पलैक्स को दुल्हन की तरह सजाया हैं इसमें कोई दो राय नही है।। स्पीकरसहाब, मै यहां सदन के अन्छर यह कहना चाहता हूं कि मै किसी बेईमान अफसर या सिी राजनीतिज्ञ को यू ही प्र ांसा नही करने वाहला हूं। भूल ही भला कहने वाला हूं और बुरे को बुरा ही कहूंगा। मै यह भी कहना चाहता हूं कि फरीदाबाद कम्पलैक्स में पिछले चार सालों में जितन काम हुअउ था,उतना आज तक कही और कभी नही हुआ होगा। पिछले जो हमोर मंत्री थे, वे सारे के सारे फरीदाबाद के रैस्ट हाउस में ही बैठे रहते थे। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी वीरेन्द्र सिहः राजेन्द्र सिंह जी, क्या आपेर कभी वहां मुझे देखा था?

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः चौधरी वीरेन्द्र सिह जी, मै आपका नाम तो नही ले रहा हूं। मै कहने जा रहा था कि हमारा दुर्भाग्य ऐसा है कि हमारे राजनीति लोगों को नैतिक पतन इस हद तक हो चुका है जिसका वर्णन नही किया जा सकता।

चौधरी वीरेन्द्र सिंहः मै आपकी बात नही कर रहा हू। वहां के इन्डस्ट्रियलिस्टस कहते है। कि साहब पिछली सरकार में ऐसे मिनिस्टर थे, जो फैक्टरी में आ कर कहते थे कि कैल्वीनेटर

का फ्रिज दो। फैक्टरी वाले नै फैक्टरी में यह दिया कि मिनिस्टर की यदि इतनी माड़ी नीयत है तो फ्रिज दे दो। मिनिस्टर की गाडी बैक के लगा दी गई और डिक्की खोल कर रख दी तथा कह दिया कि फ्रिज उसमें रख दो। मै यह बात जिम्मेवारी के सथ कह रहा हूं। (व्यवधान एंव भाोर) अध्यक्ष महोदय फरीदाबाद में जो इनके काले कारनामे ंरहे है, तो करतूतें रही है या भ्रश्टाचार रहा है, वह काबिले गौर है। (श्री सतबरी सिंह कादयान की तरफ से विध्न)

श्री अध्यक्षः कादयान साहब आप बैठिए और इनको बोलने दीजिए।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः अध्यक्ष महोदय, अगर इनकी पोल पट्टी खोली जाए तो भााम 5 बजे सकते है। वहां पर एक कवायर फोम बनाने की फैक्टरी है। एक मंत्री महोदय वहां गए। मै उनका नाम नही लेना चाहता हूं। गाड़ी फैक्टरी के अन्दर गइ और कहा कि छत पर 4–5 गद्दे रख दो। फैक्अरी के मैनेजर ने मुझे कहा कि साहब ऐसक गन्दे मिनिस्टर हमने जिन्दगी मे ंनही देख। (ोम भोम की आवाजे) फरीदाबाद कम्पलैक्स एरिया इनकी बुरी नीयत का ि ाकार रहाहै। और इन्होने पिछले चार साल में उस फरीदाबाद को तबाह कर दियाहैं मुख्मंत्री जी का मै धन्यवाद करनता हूं कि इन्होने बहुत अच्छे अधिकारी वहां लगाए है और 24 घन्टे निर्माण कार्य वहां चालू है। थोड़े ही समय में उस फरीदाबाद का पुराना जो महत्व था वह बहाल हो जाएगा। इन

भाब्दों के साथ मै आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लेता हूं।

आबकारी तथा कराधान मंत्री (श्री ए0 सी0 चौधरी): अध्यक्ष महोदय, मै मंत्री होने के नाते किसी औफिसर की ज्यादा तरीफ और गुण कह देना इसलिए वाजिब नही समझता क्येांकि कल मैं उसकी बुराई पर अपनी राय नही दे सकूंगा। लकिनयह भीसच है कि औफिसर की ज्यादा तरीफ और गण कह देना इसलिए वाजिब नही समझता क्येां कल में उसकी बुराई पर अपनी राय नही दे सकूंगा लेकिन यह भी सच है कि औफिसर्ज की अगर तारीफ न की जाए और उनका मनोबल न बढ़ाया जाए तो नई सरकार की वह तस्वीर कैसे उभरेगी जो पुरानी बुराईयों को दूर करने की भापथ लेकर आई हैं फरीदाबाद मेरा हल्का है। चार साल जिस तरीके से इसको नीचा गया, लूटा खसोटा गया उसका बयान नही कर सकता हैं आज वे भाई यहां नही हैं कादयान जी है, उनकी सेहत का मुझे ख्याल है कि कही चिन्ता में ज्यादा पिघल न जाए। मै इतना कह सकता हूं कि अगर एक एक बात ओर एक–एक पन्ना उल्टे तो पता लगेगा कि फरीदाबाद खून के आसूं रेता रहाह। स्पीकर साहब, बहन जी ने जो स्कूलेां की अपग्रेडेज्ञन की लिस्ट दी थी उसमें फरीदाबाद का सही कहीनाम नही है। जबकि वह हरियाणा का सबसे बड़ा कस्बा हैं, वह प्रोग्रेसिव टाउन है और वल्डे के मैप रह ै। चौधरी साहब ने कहा कि अफसरों को इसलिए वहां रख गया जिससे ये लोग इनकेजरिए जमीनकी लूट

और धांधले बाजी करते रहे। चौधरी साहब से मुण्े यह कतई उम्मीद नही थी क्योंकि वे एक अच्छे और सुलझे हुए इन्सान है अफसरों को स्टैचर और कैलीबर बगैर जोन `उसके बारे में सरकास्टिक रिमार्कस नही देने चाहिए थे। उन्होने खासतौर पर कहा कि जमीन लूटकर खा जाएंगे। हमारे पास कम्पलैक्स प्र ाासन ऐसी बॉडी है जिसकी कोई अपनी जमीन नही है। सिवाए नाले और सड़कों के। जो गांव की जमीन थी वह पहले ही चौटाला साहब ने इस तरीके से बेनामी खरीद फरोख्त कर दी कि अगर इन्कवायरी आएगी तो पता चलेगा कि फरीदाबाद के साथ कितना अन्याय हुआ है मै तो एक बात कह सकता हूं कि अफसरान ने अपने अपने वक्त में काम किय लकिन जितना थोडे से समय में प्रैजेंट चीफ ऐडमिनिस्ट्रेटर ने काम किया वह काबिले तारीफ हैं स्पीकर साहब, चौधरी साहब का मै बड़ा अजीज रहा हूं और आज भी हूं परन्तु यह अगल बात है। कि ये माने या ने माने। ये मरै यहां भी आए है। फरीदाबाद को पहले भी इन्होने ऐज मुख्य मंत्री देखा है। और अगर आज ये फरीदाबाद को जा कर के देख लेा तो इनको भी अपनी राय बदलने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। यह वह सच है जो सिर परचढकर बोलेगा। स्पीकर साहब, इन्होने एक बात कह दी कि कर्ण सिंह दलाल हाउस में नही है और यह आकर के पर्सनल ऐक्सपले ोन देगा। मै गए बात जरूर कहूंगा कि जाति तौर पर जिसका नाम लिया गया है वह जरूर अपनी ऐक्सप्लेने ान लेकिन चौधरी साहब उस ग्रुप के लीडर भी है। और इनको यह एहसास होना चाहिए था कि कर्ण्क सिंह दलला

जिस एरिया मे। रहता है वह कम्पलेक्स प्र ाासन से बाहर का है। और जो आदमी जिस एरिया में रहता नही है उस विधायक को उस एरिया के दुख तकलीफ के बारे में सही जानकारी नही ही सकती। इसलिए किसी के बारे में बहुत कहना अच्छी बात नही है। (विध्न) स्पीकर साहब, फरीदाबाद में कोई नया उद्योग नही लगा है बल्कि नयी इंडस्ट्री तो क्या लगनी थी, पुरानी इंडस्ट्री भी वहां से जा चुकी है। वह एक कौस्पोपैलिटन सिटी है और उस नाते से वहां डिफरैन्ट ओटोनौमस बौडीज फंक ानप करती हैं एक बात लोकल गवनेमैन्ट मिनिस्टर ने जलसे मूं, जो मैने ही अपने हल्के में रखा था, बड़ी मेहरबानी करके कही थी कि दो साल के अन्दर फरीदाबाद में चुनाव करवा दिये जायेगे। मै लाके का नुमाइन्दा हेाते हुए महेन्द्र प्रताप जी की प्रौक्सी इस्तेमाल करता हूं, बिसला साहब की भ करत हूं क्योंकि हम तीनों के हल्के उस कम्पलैकस डेमिनिस्ट्रे ान में आते है। हम चाहते है कि चुनाव से पहले सब औटोनौमस बौडीज को खत्म करके इस डिवैल्पमैंन्ट अथौरिटी वहां बना दी जाए तो एक कम्प्लैक्स बोडी बन कर के उस सारे फरीदाबाद के अफेसर्ज को डीज कर सके। जब यह कम्पलैक्स बौडी एक बिनें सविस देने लग जाये उसके बाद वहां चुनाव जरूर करवाये जाये क्योंकि चुनाव 1968 के बाद नही हुए है। अगर हमें अपने चुनावों से मुतमयनी होती है तो हमारी यही इच्दा है कि निचले स्तर पर वहां भी चुनाव होने चाहिए अज्ञेर ये हमें हैल्प करे ताकि हम सबि मिल जुल कर फरीदाबाद का विकास कर सके।

इसी नाते मेरी विनम्र विनती है कि वार्ड बन्दी के दौरान इस कम को भी पूरा किया जाये ताकि डिवैलपमेन्ट अथौरिटी बन सके।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): जनाब स्पीकर साहब, यह जो फरीदाबाद कम्पलैक्स के इलैक ान के बारे में दो साल की ऐक्सटै ान का बिल है, इसके बारे में इतनी बात कहना चाहती हूं कि जब 20 साल में बार्ड बन्दी नही करी गयी तो दो साल में बार्ड बन्दी कैसे कर लेगे जो कि इन 20 सालों में माननीय चौधरी भजन लाल जी भी मुख्य मंत्री रहे है और अनय भी रहे है आपको इसकी क्लाज में लिखवाना चाहिए था कि दो साल के अन्दर वार्ड बन्दी करके चुनाव करवा देगे। अगर आप कहे तो इसके लिएमै अमैन्डमैन्ट लिखकर दे सकती हूं कि आज क्लाज में लिखिए कि हम दो साल में वार्ड बन्दी करवा कर चुनाव करा देगे। क्योंकि इसमें अपने बहुत कछ नही लिखा है। इलिएअगर 20 साल में वार्ड जल्दी नही हुई तो दो साल मं वार्ड बन्दी कैसे करवा देगे। इन बीस साल के अन्दर दूसरी या तीसरी बार चौधरी भजन लाल भी मुख्य मंत्री बने और बीच में ऐ साल या डैढ़ साल के लिए माननीय चौधरी बंसी लाल जी भी मुख्य मंत्री बने और इसके बाद तो जनता दल के तीन चार मुख्यमंत्री आए। उनकी गिनती तो मुझें अब याद भी नही रही है। (विध्न) चौधरी साहब ठीक है कि फरीदाबाद आपका भाहर है और आप वहां से एम0 एल0 ए0 बने है लकिन हम लोग भी वहां पर आते जो रहते है। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंह: यह तो * * * है।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): आन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, सम्पत सिंह ने जो भाब्द इस्तेमाल किया है वह अन पालियामैन्टरी है। इसलिए इसको रिकार्ड पर न जाया जाए। (व्यवधान एवं भाोर)

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, अगर मेरे बोर में कोई कुछ कहताहै तो मै उसकी परवाह नही करती। (ाोर)

श्री अध्यक्ष: औनरबल मैम्बर्ज, अगर ऐसा कोई भाब्द कहा गया होगा तो वह ऐक्सपंज कर दिया जाएगा।

जन स्वास्थ्य मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): स्पीकर साहब, सम्पत सिंह ने मैडम के बादे में जो कहा है वह इनको भाोभा नही देता हैं इसलिए इनको हाउस से माफी मांगनी चाहिए।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, सम्पत सिंह जो ने अगर ऐसी बात कही है तो मै उनको बताना चाहती हूं कि उनके घर की हमने कभी रोटी भी नही खाई हमने देवी लाल की मदद की होगी। उनसे कभी मदद नही ली। (ाोर)

प्रो0 सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मंत्री जी का बार–बार पता नही किस बात का उतावलापन हो रहा है ये कभी कुछ कहते है। और कभी कुछ कहते है। (ाोर एवं व्यवधान) जब हम बोलते है तो इनको दर्द होता है। आप भी अपनी चेयर पर बैठे है और मै भी यहां पर बैठा था तथा ये रिपोर्टर भी बैठे है। अगर इन्होनें इस बात को लिख है तो ये बताएं। मै इतना जानता हूं कि जब आदमी

बोलताहै तो खड़ा होकर बोलता है। जबकि मै खड़ा होकर बोलताहै जबकि मै खड़ भी नही हुआ और यह कहउ रहे है कि इन्हें हाउस से माफी मांगनी चाहिए। इस तरह से हम इनकी धमकियों से डश्रने वाले नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। चौधरी सम्पत सिंह जी जब उधर बैइै थेतो इन्होने * * * वाली बात कही थी! न कही हो तो वे खुद बता दें।

श्री अध्यक्षः मैने कहा है कि अगर कोई ऐसी बात कही गई होगी तो वह ऐक्सपंज कर दी जाएगी।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, ये भाब्द कार्यवाही में से निकले जाने चाहिए।

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठे और उनको बोलने दें।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, जो गांव फरीदाबाद के नजदीक है या कम्पलैक्स में आ गए है उनकी हालत अच्छी नहीहैं मुझे खुशी हैं कि बिसला जी ने कहा कि ऐडमिन्स्ट्रेटर ने वहां जाकर खुद देखा। लेकिन पीछे का इतिहास तो सही रहा है कि ऐडमिनिस्ट्रटर उसी को लगाया जाता रहा है जो मुख्य मंत्री का चहेता होता है और वह कोई काम नही करता। अगर वह काम करता तो आज फरीदाबाद की यह हालत ने होती। फरीदाबाद एक इंडस्ट्रियल टाउन है अज्ञेर वहां गन्दगी होना स्वाभाविक है। वहां

की इतनी आमदनी है इसलिए उस गन्दगी को दूर करने के लिए कुछ तो करते। हरियाणा के किसी कस्बे में अगर स्लम है तो वह पानीपत और फरीदाबाद में है। वहां पर पर मच्दर भी बहुत ज्यादा है और पोल्यू ान भी वहां पर बहुत ज्यादा हैं अगर वहां पर इतना अच्छा ऐडमिनिस्ट्रेटर लगाया हुआ है तो वह भाहर के लोगों को अच्छा वातावरण बना कर दे। सब से ज्यादा अपराध भी वहां पर होते है। तो ये जो बाते है। इनके लिए मै आपका आ वासन चाहती हूं कि देा साल के अन्दर आप बार्ड बन्दी करके वहां चुनाव करवा देगे नही तो समझेगे कि दो साल के बाद दो साल ओर ले लोगे। जब आप पहले मुख्य मंत्री हुआ करते थे तब आपने क्यो नही सोचा कि उसकी बार्ड बन्दी करवा ले। चौधरी बंसी लाल जी ने ठीक हो काह कि पंचायतों की लाइफ तोये पांच साल से घटाकर तीन कर रहे है। और वहां 20 साल से 22 साल करवा रहे है। ब्रुट मजोरिटी होने की वजह से मनमानी होनी चाहिए। वे हरियाणा के सिटीजंज है। हरियाणा के नागरिक है। हम सब चाहते है कि उनकी सी सुविधाएं मिनी चाहिए स्पीकर साहब, आज ये सब चीजें क्यों होती है? म्यूनिसिपल कमेटीज के चुनाव बीस साल से नही हुए थे और ये चुनाव चैधारी देवी लाल के वक्त में हुए। इनहोने पंचायतों के चुनाव भी करवाए लेकिन बलौक समितियें के चुनासनही कराएं उन चुनावों को करवाने के लिए अब फिर पंचायतों के चुनाव कराए जा रहेहै। मेरा कहना तो यह है कि पालियामेंट को एक रैजोल्यू ान पास करके भेजना चाहिए कि वह असैम्बलीज के चुंनाव तीन साल बाद कराने की अमैण्टमैंट

कांस्टीच ाून में पास कर दे। इस सरकार ने भी तो पंचायतों की मियाद कम कर दी हैं स्पीकर साहब, आज के बच्चे भी यह कहते है कि हम जल्दी ही हम लोग इतने बेईमान हो एग है कि हम चाहे है कि हम पांच साल में करोड़पति हो जाए। (ाोर एवं व्यवधान) मै तो स्पेड की स्पेड कहना जानती हूं मुझे करप्ट को करप्ट कहने की आदत है। आज हमारे दे ा में सब से बड़ी समस्या करप ान को है और वह बराबर बढ़ती जा रही है ंआज ब्यूरोक्रेसी भी उनती ही कप्त होती जा रही है। जितने राजनैतिक लोग करप्ट हैं इसी करप ान के कारण आज हमारे दे ज्ञ में पंजाब की समस्या है, अउसमा की समस्या है। अंग्रे ाे ने ब्यूरोक्रेसी का ढांचा भारत को दिया था ओर वही ढांचा आजादी के बाद हमने चलने दिया। अब ब्यूरोक्रेटिक लोग भी पैसे खाने लग गये हैं आज हालत यह है कि हम यहां पर बैठे है। और दस उग्रवादी आ जाए हम सब को मार कर चले जात`है। स्पीकर साहब, अगर हम प्रांतके प्रति औ दे ाके प्रति सिन्यिसर रहना चाहते हैं तो हमं ईमादारी से काम करना पड़ेगा। स्पीकर सहाब, मै केवल इतना ही कहना चाहती हूं।

श्री राम रत्न (हसनपुर अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से अपने हल्के की कुछ समस्याएं रखना चाहता हूं। जब चौधरी देवी लाल का राज था उस समय भारत बंद का नारा दिया गया थ्ज्ञा। हसनपुर मे लाला चन्द्रभान कजो कांग्रेस के कर्मठ कार्यकर्त्ता थे, किसी आदमी की मौत हो गई थी, वे अपनी

दुकान पर उसे लिए कपड़ा दे रहे थें इनके वर्करज ने उनकी दुकान से कपड़ा लूट लियाथा उस वक्त फरीदाबाद में चौधरी भाम ोर सिंह एस0 पी0 थे, उन्होने हसरपुर थाने के इन्चार्ज जिनका नाम नत्थू राम, ए0 एस0 आई0 था, को दुकान लूटने की हिदायत दी। जनता दल के गुण्डों ने, पुलिस ने और उनके साथ चौधरी गया लाल जो जनता दल का उपाध्यक्ष हैं सब ने मिलकर उस दुकान से सत्तर हजार का कपड़ा लूट लिया।

श्री अध्यक्षः आप प्वायंट पर ही बोलिए।

श्री राम रत्नः स्पीकर साहब, उसकी रिपोर्ट तक नही खिी और उनको बाद में तंग करते रहे। अब मैने इस कोस की फाईल डी0 सी0 फरीदाबाद के पास पहुंचाई। मेरी प्रार्थना है कि इस बादे में दो आदमियों के खिलाफ ऐक ान लिया जाए और सजा दिलाई जाए।

प्रो0 राम बिलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): स्पीकर सहाब, यह जो बिल आयाहै यह बिल्कुल सही हैं लेकिन बात सही भीहै कि पिछले वर्शो से जब से हरियाणा बन हैं फरीदाबाद में लोगों को अपनी पसन्द का प्र ाासन आज तक नही मिला। फरीदाबाद सब से बड़ा इंडस्ट्रियल टाउन है। लेकिन यहां पर आज तक चुनाव नही हुए। हरियाणा मं छेटी दोटी जगहों पर म्यूनिसिपल कमेटीज के चुनाव हुए। लेकिन यहां लागों को अपना प्र ाासन नही मिला। श्री ए0 सी0 चौधरी गुडगांव ओर फरीदाबाद से सम्बन्ध रखते है।

और वे कुछ दिन तक लोकल बौडीज के मंत्री भी रहे है। लकिन सह भी चुनाव नही करवासके। पता नही इसका क्या कारण है? मै केवल उनकी आलोचना नही करना चाहता। इस बीच में कई बार सरकारे भी आई है। बहुत लम्बे समय तक फरीदाबाद के लोगों को अपनी इच्दा के प्र ाासन से महरूम रखना ठीक आत नही है। गाबा साहब ाक अपना नगर गुडगांवा है। वहां पर भी म्यूनिसिपल कमेटी नही है जबकि लौकल बौडीज महकमा इनके पास है। स्पीकर साहब, एक अधिवे ान के बाद दूसरे अधिवे ान में इस तरह से फीदाबाद काम्पलैक्स के बारे में बिल लाते रहना कोई अच्छी बात नही हैं सरकार को इस बारे में बड़ी गम्भीरता से विचार करना चाहिए। फरीदाबाद काम्पलैक्स में चुनाव के लिए दो साल की मियाद बढ़ाने के लिए यह बिल लाया गयाहैं जबकि 20 साल का समय अभी खत्म नही हुआ है। फरीदाबाद के अन्दर 6 महीने के अन्दर वार फुटिग पर वार्ड बंदी कराई जासकती है। और वहा चुनाव कराए जासकते है। यह बात ठीक नही है। कि फरीदाबाद को इतने लम्बे समय तक ऐडमिनिस्ट्रेटर के हवाले रखा जाए। फरीदाबाद बहुत बड़ा टाउन है। वहां पर दे ा के हर हिस्से का आदमी रहताहै और झुग्गी झौपडी वाल मजदूर भी काफी संख्या में वहं रहते है। मै कहता हूं क यह जा`बिल है यहा एक अनडैमोक्रेटिग बिल है और इसपरम्परा को बहुत देर तक जारी नही रखना चाहिए।

स्थानीय भाासन राज्य मंत्री (चौधरी धर्मवरी गाबा): स्पीकर साहब, अभी राम बिलास भार्मा जी ने कहा कि 6 महीने के अन्दर फरीदाबाद की वार्ड बंदी कराई जा सकती हैं मै आपक माध्यम से भार्मा जी से कहना चाहूंगा कि वह इस बिल को पहले अच्दी तरह से पढ़ लेते हैं मै उनको बताना चाहूंगा कि वह इस बिल को पहले अच्दी तरह स पढ लेते है। मै उनो बताना चाहूंगा कि सरकार इस बिल को इसलिए लाई है क्येांकि फरीदबाद कम्पलैक्स की मियाद 14 जनीवरी, 1992 को समाप्त होने वाली है। मै आनरेबल मैम्बर्ज के नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि हमारे सामन `वहां पर सबसे बड़ी प्रोब्लम वार्डबंदी करने की है क्योकि पालियामेंट के मैम्बर के तौर पर या एम0 ए0 ए0 के तौर पर जो वार्डबन्दी होती हैं या वोटर लिस्ट बनती है। उसको म्यूनिसिलपल कमेटीज ऐक्ट के अन्दर नही माना जाता है। म्यूनिसिपल कमेटी क लिए दोबारा वार्डबंदी करनी पड़ती है। चाहे एम0 एल0 ए0 या ए0 के इलेक ान हुए दो महीने हो क्यो नह हुए हो फिर भी म्यूनिस्पिल कमेटी के चुनाव के लिए दोबारा वार्डबंदी करनी पड़ेगी। रीसैटली कुछ देहात फरीदाबाद कम्पलैक्स में भाामिल किए गए हैं उन देहातों की वार्डबंद करने में सबसे ज्यादा मु कल आ रही हैं जब तक देहातों की वार्डबंदी सही तरीके से किसी पालिसी के तहत नही का जाएगी तब तक वार्डबंदनी सही नहीा हो पाएगी। इसलिए इसक चुनाव के लिए इतना समय लगगा। लेकिन अध्यक्ष महोदय मै जाननीय सदस्यों को बताना चाहूंगा कि हमने फरीदाबाद की वार्डबंदी का काम चालू कर दिया

हैं इसके अलावा मै एक बात यह भी कहना चाहता हूं कि जिस समय हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने म्यूनिसिलप कमेटीज के इलैक ान के लिए आदे ा दिया थाकि म्यूनिसिपल कमेटी के इलैक ान होने चाहिए उसी के सथ इन्होने हमें यह भी आदे ा दिया था कि फरीदाबाद के अन्दर भी वहां के लागों को उनकी हकूमत दे देनी चाहिए और वां पर इलैक ान होने चाहिए लेकिन वार्ड बंदी न होने की वजह से हम वहां क पर इलैक ान नही कर सके। इसका यह मतलब नही है कि हरियाणा सरकार किसी वि ोश आदमी के कारण वहां पर इलैक ान नही कराना चाहती। ऐसा इल्जाम किसी माननीय सदस्य को नही लगाना चाहिए। एक बात राम बिलास भार्मा जी नेयह कही कि यह महकमा मेरे पास हैं इन्होने फरीदाबाद कम्पलैक्स के ऐडमिनिस्ट्रेटर के बारे में भी कुछ बाते कही। स्पीकर साहब, मै औन और यह बात कहना चाहता हूं कि जिस अफसर के बारे में हाउस में चर्चा हुई हैं अगर उस अफसर के खिलाफ कोई इल्जाम है तो वह इल्जाम में अपने ऊपर लेने के लिए तैयार हूं। इससे ज्यादा मै कुछ नही कह सकता। इसलिए मेरी प्रार्थना है कि किसी अच्दे अफसर पर खामख्वाह किसी जाति रंजि ा की वजह से कोई इल्जाम लगाना ठीक नही है। बहरहाल हम यह अमैडमैंट किसी मजबूरी की वजह से लाए है क्योंकि फरीदाबाद कम्पलैक्स की 14 जनवरी, 1992 को मियाद समाप्त होने ा रही है। इसलिए हम आपको मंजूरी के लिए यह बिल ले कर आए है ताकि आपसे यह बिल पास करवा सकें।

श्री बंसी लालः स्पीकर सहाब, अभ मंत्री महोदय ने फरमाया कि वहां लिमिटे ान/डीलिमिटे ान कराने तथा चुनाव के लिए 2 साल लगेगे। अध्यक्ष महोदय, एक बात अपने और सभी मैम्बरेां ने अखबारों में पढ़ी होगी कि दिल्ली में भारत सरकार ने असैम्बली बनाने की ऐलान किया है। औरवहं परसाथ ही साथ 6 महीने में चुनाव कराने का भी ऐलान किया है। मै मी महोदय से जानना चाहता हूं कि जब दिल्ली में इनते समय में चुनव होसकती है तो हरियाणा के इस कम्पलैक्स में चुनाव क्येां नही हो सकते? क्या फरीदाबाद भाहर दिल्ली भाहर से भी बड़ा है? मै पूछना चाहता हूं कि क्या दिल्ली में कांस्टिचूऐ सीज नही बनेगी? मेरे हिसाब से तो वहां पर जो औफिसर लगा हुआ हैं वह वहां चुनाव करवाना नही चाहता है। मंत्री जी ने एक बात यह कही कि मैने किसी जाति रंजि ा की वजह से उसके बारे में बात कही है तो मै सदन की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि मेरी उस औफिसर को मैने देखा है ओर न ही मै उसको जानता हूं इसके अलावा न ही मैने आज तक कभ उसको कोई काम कहा है।

चौधरी धर्मवीर गाबाः दिल्ली में तो कांस्टिचुऐंसीज पहले से ही बनी हुई है। वहां पर जो मौजूदा मैट्रोपौलिटन कोंसिल है उसने ही असैम्बली कादर्जा लेना है। लेकिन वहां पर सारी नए सिरे से वार्ड बन्दी होनी हैं इसलिए इसकाम के लिए यह दो लाख की अवधि बढ़ाये जाने की मांग इस बिल के जरिये की गई है।

Mr. Speake: Queston is—

That theFaridabad Complex (Regulation and Development) Second Amendment Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried

Mr. Speaker: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill

The motion was carried

Clause 1

Mr. Speaker: Question is—

That Clause 1 stnad part of the Bill.

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. Speaker: Queston is—

The Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill

The motion was carried

Title

Mr. Speaker: Question is—

That Title be the Title of the Bill

The motion was carried

Mr. Speaker: Now the Minister of state for Local Government will be please move that the Bill be passed.

Minister of state for Local Government (Ch. Dharabir Guauba): Sir, I beg to move—

That the bill be passed

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is—

that the Bill be passed.

The motion was carried

(iv) दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसीलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैण्डमैंट बिल, 1991

Mr. Speaker: Now the Hon'ble Chief Minister will intorduce the Haryana Legislative Assembly (Facilites on Members) Amendment Bill, 1991 and anslo move the motion for its consideration.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): स्पीकर साहब, मै हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बलों (फैसीलिटी टू मैम्ब्र्ज) अमैडमैंट बिल, 1991 की इन्ट्रोडयूस करता हूं। मै यह भी प्रस्ताव करता हूं कि—

दि हरियाणा लैजिस्लटीज टू मैम्ब्र्ज) अमैडमैंट बिल, 1991 को इन्ट्रोडयूस करता हूं मै यह भी प्रस्ताव करता हूं कि–

दि हरियाणा लैजिस्लेटिव असैम्बली (फैसीलिटीज टू मैम्बर्ज) अमैडमैंट बिल पर तुरन्त चिार किया जाए।

Mr. Speaker: Motion moved—

That the Haryana Legislative Assembly (Facilites to Members) Amendment Bill be taken into consideration at once.

श्री राम पाल सिंह कंवर (घरौडा): स्पीकर साहब, सबसे पहले तो मै मुख्य मंत्री महोदय का धन्यवाद करता हूं कि उन्होने महंगाई को दखेात`हुए हम मैमबरेां काभी ख्याल रखा है। महगाई के कारण ही कार भी पहले की अपकक्षा काफी महंगी हो गई है और हाउस बिल्डिग के लिए भी जो मैटिरियल युज होता है। वह काफी मंहगा हो गया है। इन सब बातों को देखते हुए ही मुख्य मंत्री महोदय बि बिल लोयह ैं इस के लिए मै इनका धन्यवाद करता हूं। पश्रतु मै एक बात इनके ध्यान में लाना चाहता हूं कि मैम्बर्ज को कार का जो लोन दिया जात है उसके अन्दर ऐ ऐनोमली है। जिस मैम्बर ने पहले कार का लोन के लिए ले लिया है ओर वह अगर दोबार कार का लोन लेना चाहते ता विधान सभा के सैक्रेटरियेट से मुझे यह पता लगा है कि उसने पिछली कार को बेच कर जो पैसा लिया है, वह पैसा काट कर लोन मिलता है। कहने का मतबल यह है कि दूसरी बात अगर कोई गार लोन लेना चाहते तो उसकी पहली कार की कीमत, जितने मै उसेन बेची हो,

कटा कर बाकी को पैस उसको लोन का दिया जाता है। मै इस बोर में यह अर्ज करना चाहता हूं कि यह जा ऐनोमजी है, यह बक बहुत बडत्री मैम्बर्ज के लिए रिस्ट्रिक ान है। जब पिछला लोन उसके वापिस कर दिया तो ऐसी अडऋन क्यें कि उस कार को बेच कर जितना पैसा उसको मिल चुका है, उसकी लोन अमाउन्ट में से काट कर बैलेस का पैसा कार लोन कर दिया जाये। जो कार लोन लेना चाहता है, उसको एक सर्टीफिकेट देना पड़ता है। कि मैने पिछली जो कार लोन से ली थी उसका इतना पैसा मुझे मिला है। वह पैसा काट क उसी बाकी का पैया कार लोन का दिया जाता है। मेरा कहना यह है कि इस रिस्ट्रिक ान का रिमूव किया जाये। जब एक बार मैमबर ने सरकार का सारा पैसा दे दिया है तो इसका कोई मतलब नही रहा जाता। ऐसी भार्त उन पर लगाकर उनके साथ एक तरह से ज्यादती हो रही है। इस ज्यादती को अव य ही दूर किया जाना चाहिए। इसके साथ ही मै एक और बता कहना चाहता हूं। आज कल टी0ए0/डी0ए0 के जो रेट्स मैम्बर को दिये जो है। उनकी तरफ भी मुख्य मंत्री जी ध्यान करे। आज पैट्रोल की कीते पहले से कम से कम दोगुना हो चुकी है। जब ये रेट्स फिक्स किये गये थे, तक से लेकर आज तक पैट्रोल की कीमत बहूत बढ़ चुकी है। उस समय ये रेट दो रूपये किलेामीटर के हिसार से तय किया गया था। जब से लेकन आज तक, जैसे मैने कहा, पैट्रोल की कीमत तकरीबन दोगुना हो चुकी है। मै मुख्य मंत्री महोदय से यह प्रार्थना करूंगा कि टी0 ए0 के माइलेज 4 रूपये प्रति किलोमीटर के हिसार से मिलनी

चाहिए। यदि आप ऐा करेगे ताक ठीक होागा। मै मुख्य मंत्री महोदय ये प्रार्थना करनाचाहूंगा कि अगर वह मरै इन सुझावों को इस सै ान मे ंनही मान सकते तो बजट सै ान में इस बात का ध्यान रखे और हमारी माईलेज के रेटस बढाये जाय। हमारी मैमबर्ज की डेली 100 रूपये जो है वह भी काफी नही है। यह कितने ही साल पहले फिक्स की गयी थी। उसके बाद महंगाई बहुत ज्यादा बढ़ गयी है। महंगाई के हिसारसे हमारी डेलीको भी रिवाईज किया जाये। बढती हुई महंगाई का सामना केवल जनता को ही नही, मैबर्ज को तो करना पड़ता है। महंगाई के हिसार से हमारीडेली कोभी रिवईज किया जाये। बढती हुई महंगाई का सामना केवल जनता को ही नही, मैब्र्ज को भी करना पड़ता है। इस महंगाइ के जमाने में कांस्टिचुएसी अलाउन्को भी बढ़ाना चाहिये क्येां पट्रोल की कीते बढ जाने की वजह से पैट्रोल परआने जाने में काफी खर्च होता है। इसलिए उसको भी बढ़ाया जाना चाहिए। इसके सथ ही एक ओर जो फैसिलिटी मैम्ब्र्ज को दी जातीहै, वह भी बेकार है। हरेक मैम्बर अपनी जरूरत के वक्त डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर एक व्हीकल चाहे तो उसको वहां से मिल सकात है लेकिन होता क्या है? जब कोई मैम्बर किसी डी0 सी0 को इसके लिए टैलीफोन करता है या मांग करत है तो किसी विभाग की ऐसी जीप भेज देते है जो भाायद धक्के खा–खा कर भी ठीक से नही चल सकती। वह स्टार्ट ही नही होती। इसलिए मेरी प्रार्थना यह है कि यह जो सुविध दी हुई है। इसको इम्पलीमैंटसही तरीक से करने के लिए डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर यह

इन्स्ट्रक ान्ज होनी चाहिए कि वे कोई अच्छी कंडी ान की कार वगैरह दे ताकि हम अपना सफर अच्छी तहर से तय कर सके। यही बाते नहीहैं इसके अलावा एक और प्रौवीजन किय हुआहै मैम्बर्ज को एक पी0 ए0 या स्टनों दिया जयेगा। इस सुविधा को आज तक इम्पलीमेंट नही किया गया है। डी0 सी0 साहेबान को लिखकर भेजने के बावजूद कि हमें पी0 ए0 या स्टेनों दिया जाये। क्योंकि इसकेलिए प्रोवीजन किया हुआ है, हमें ये सुविधा आत तक भी नमिलती हैं आज तक भी मैम्बजै के लिए पी0 ए0 या स्टनों की कोई सुविधा नही है। अगर इंस्ट्रक ान्ज इस बारे में इ ू नही हुई है ते उनको इ ु किया जये ओर वहां पर जरूर भिजवायी जायैं भिजवायी ही नही जानी चाहिये बल्कि प्रैक्टीकली दी जानी चाहिये ओर उन इंस्ट्रक ान्ज को एम्पलीमैंट भी किया जाये। जब भी मैम्बर्ज को कोई सुविधा दी जाती है तो अखबार में उसको काफी चर्चा आती है। उनकी चर्चा तो होनी चाहिए लेकिन प्रैक्टिकल तो कुछ मैम्बर्ज को मिलता नही है, वह सब मै आपके द्वारा हाउस के नोटिस मे ला चुका है। मै आ ाा करता हूं कि मेरी इन बातों पर गौर करके अगर इस सत्र मे बिल न आ सके तो न सही, अगल सत्र में जरूर इस बारे में बिल लाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः कंवर राम पाल सिंह जी, हाउस बिल्डिग एडवांस के बारे में भी कह दे कि अगर किसी मैम्बर ने एक टर्म में थोड़ा लोन लिया हो तो बाकी को वह अगली अर्म में लासकताहै ताकि कुल मिला अढ़ाई लाखहो जाए।

श्री राम पाल सिंह कंवरः जी हां। स्पीकर साहब, आपका सुझाव बहुत उचित है जो मेरे दिमाग से निकल गया था मै सरकार से इसके लिए हूंगा कि हाउस बिलडिग एडवान्समें जो इस तरह की अड़चने है कि जिस ने एक बार लोन ले लिया हा तो उसको दोबारा नही मिल सकता, इसको भी दूर किया जाए। हो सकता है कि एक आदमी जो गांव मे ंरहने वाला है। उसने पहले अपना मकान वहां लोन लेकर बना लिया हो और उसके हल्के वाले यह चाहते हो कि हमारा मैम्बर हमें डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर पर भी मिले तो फिर उस मैम्बर को डिस्ट्रिक्ट हैड क्वार्टर पर भी रहने के लिए कोई न कोई प्रबन अव यक करना होगा। इसलिए मेरी सरकारी से रिकवैस्ट है कि इस एक टमै वाली जो लेान की बात है, सर इस पर फिर और किया जाए और वह प्रोवीजनकर दिया जाए ओर वह प्रोवीजन कर दिया जाए जैयाकि स्पीकरसाहब ने सुझाव दिया है कि अगर एक टर्म में थोड़ा लोन मिला हो तो दूसरी जगह मकान बनाने के लिए उसे दूसरी टर्म में बाकी की पूरी रा ि ा लोन के रूप में देने का प्रावधान होना चाहिए।

इससे अगला मेरा प्वायंट यह है कि सरकार को मैम्बर्ज के टेलीफोन के रेट्स बढ जाने के कारण इस और भी कोई इंसैन्टिव देना चाहिए। टेलीफोन का जो अलाउंस है, उसे बढ़ाया जाए। अगर इस सै ान में हनी तो कम से कम बजट सै ान में यदि चीफ मिनिस्टर साहब हमारी बातों पर अव य ध्यान देगे तो उनकी मेहरबानी होगी। ये बड़े खुले दिल के आदमी है और मुझे

उम्मीद है कि ये अपने ऐक्सचैकर का ध्यान न करते हुए, ये सुविधाए अव य मैम्बर साहेबान को देगे। धन्यवाद।

चौधरी वीरेन्द्र सिंह (नारनौद): स्पीकर सर, कवर राम पाल सिंह जी ने खुले दिल से मुख्य मंत्री महोदय के बारे मे ंबाते कही, वे बड़ी ही पसन्द आइ लेकिन साथ में यह भी कह दिया कि अगर ये बाते वे इस सै ान में ने कर पाए तो कम से कम अगले सै ान में अव य इन बातों पर विचार किया जाए। मेरे विचार में अगर कुछ करना है तो इसी सै ान में कर ले क्योकि 26 जनवरी तक का तो इन्हे अल्टीमेंट्स मिला हुआ है। उसके बाद पता नही यह सरकार कहां होगी? (हंसी)

श्री सतबीर सिंह कादयान (नौलथा): स्पीकर साहब, आज हरियाणा विधान सभा के अन्दर विधान सभा सदस्य सुविधा सं ाोधन बिल पर चर्च चल रही है। यह ठीक है। कि दे ा में 27 परसैन्ट डिवैल्एयुऐ ान हुई है और इसके ऐवज में सुख सुविधाए केवल 25 परसैन्ट बढ़ी है। भााायद कुछ ध्यान इस सरकारे ने अब विधायकों को रखा है। कंवर राम पाल सिंह जी ने अच्छी अच्छी बातें कही है। (इस समय सभातियों की सूची के एक सदस्य श्री राम पाल सिंह कंवर पदासीन हुए) अब तो वे चेयरमैन के तौर पर विराजमान हुए है। हम उनका स्वागत करते है। मै इनकी कही हुइ बातों का समर्थन करता हूं। मै यह कहना चाहता हूं कि विधायकों की सुविधाओं के लिए महाराश्ट्र और उत्तर प्रदे ा में विधायकों को स्टैनोन का प्रावधान है और उनको साथ में सरकार यहां पर

भी होना चाहिए। पब्लिक के कामों के लिए यह जरूरी है क्योंकि हमने सारे काम जनता के ही करने हाते है। चेयरमैन महोदय, इसी तरह से से जिस तरह मुख्य मंत्री महोदय के लिए अलग से कमरे का विधानसभा में प्रावधान है। उसी तरह से विपक्ष के नेता के लिए यह प्रावधान होना चाहिए। अलग से उसका आफिस होना चाहिए। मै तो इससे भी आगे कहता हूं कि जितने भी अलग अलग दल या पाटियों इस विधानसभा में है, जैसा कि पालियामैन्ट में भी है।, उन सभी के लिए यहां पर अलग अलग कमरों का प्रावधान है। उसी तरह से हमारे यहां पर भी होना चाहिए। उसी प्रकारी की सुख सुविधाए यहं पर उपलब्ध करवायी जानी चाहिए। अब आप ही सोचिए कि हमार विपक्ष का नेता मुख्यम ंत्री महोदय के कमेरे में तो नही बैठ सकता। मुख्य मंत्री महोदय के बाद विपक्ष के नेता का नम्बर इस सदन में आता है। इस लिए उनकी सुख सुविधाओं पर पूरी तरह से सरकार को ध्यानप देना चाहिए। इसके साथ साथ मै यह कहना चाहूंगा कि टैलीफोन के लिए अलाउंस 500 से बढ़ाकर विधायकों को सरकार ने 1500 किया था लेकिन आपको पता है कि आजकल महंगाई कितनी बढ़ गई हैं मीटर अपने आप भी चलते रहते है कम से कम ये भत्ता 3000 से कम नही होना चाहिए एक एक मैम्बर को जोकि जनता की भलाई के लिए रहते है पांच–पांच हजार तक टैर्लीफोन का बिल आता है। कई मैम्बर ऐसे भी होगे जोकि जनता का काम करने से कतराते है ओर वे छुप भी जाते है। और व पैसा भी बचा लेते है लेकिन हमारे जैसे

मैम्बरों का महीने में 5–5 हजार बिल आज जाता है। इसलिए सरकार इस ओर अव य ध्यान दें।

इसके बाद अन्त में, मै सरकार से कहूंगा कि विपक्ष के नेता के पास आफि ायल तौर पर एक प्राइवेट सैक्रेटरी होना चाहिये। कार सुविधा भी होनी चाहिए कयोंकि विपक्ष के नेता, जैसाकि मैने पहले भ कहा है कि मुख्यमंत्री महोदय ` बाद दूसरे नम्बन पर माना जाता है। अगर कही विपक्ष के नेता को कार देते है तो वहा ऐक्वायर करके देते है ओर दूसरे मंत्रियों को लम्बी लम्बी कारे उपलब्ध करवाई जाती है इसलिए मेरा सरकार से यह अनुराधे कि एम0 एल0 एज0 की सुविधाओं के साथ विपक्ष के नेता का तो भी पूरा ध्यान रखा जाता है। चाहे विपक्ष के नेता किसी भी पार्टी से हो। उसकी सारी सुविधाअें काध्यान रखना चाहिए ओर यह जो बिल आया है यह ठीक है मै इसका समर्थन करता हूं।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): सभापति जी, यह जो बिल है, ठीक है। सब स्टेटस ओर पालियामैंट हाउस की तरह जो कमेटीज के चेरमैन होते है वि ोशकर ऐस्टिीमेट और अकाउन्टस कमेटियोंके, उनके लिए अलग कमरे होने चाहिए। पंजाब तथा हरियाणा का जो बटवारा हुआ उसमें सारे कमरे तो पंजाब के पास चले गए परन्तु वे सारे कमरे वहा ंखाली पड़े है। मै तो कहना चाहती हूं कि बे ाक कमरे उनसे किराए पर हो लो लो, परन्तु विरोधी दल के नेता का भी दफ्तर होना चाहिए। जब मै विरोधी दल की नेता थी तौ मैने इस सिलसिले में बहुंत कौरस्पौडैस की

और मैने कहा कि मुझे दफ्तर मिलना चाहिए ओर जो भी बने उसको मिलना चाहिए। ऐसिटीमेंटस और अकाऊट्सय कमेटी के चेयरमैनों के कमरे तो अलग ही होने चाहिए। अलग टलीफोन किलना चहिए, जैसा कि हर स्टेट में है। अपने स्टेट में भी यह होना चाहिए। इतीन बड़ी बिल्डिग पड़ी है, कमरे खाली पड़े है। जो बंटवारा पंजाब और हरियाणा के बीच 60–40 का होना था वह उतना न होकर मेरे ख्याल से 70–30 का भी नही हुआ है। वहां मुख्यमंत्री जी हा जी कमरा है और स्पीकर साहब का कमरा भी बहुत बड़ा है। अगर सारा हम कवर्ड एरिया ले लों तो वह सारा कम से कम 25 प्रति ात ही होगा लेकिन उनके तो वे कमरे खाली पड़े हैं मै समझती हूंकि उनसे बात की जाए। इन भाब्दों के साथ मै तो इस बिल का समर्थन करती हूं।

श्री लहरी सिंह साथी (रादौर, अनुसूचित जाति): सभापति महोदय, आज सदन के नेता ने यह जो बिल रखा है इसके बारे मे ंकई बात हाउय में आई है यहां पर यह बात आई कि विधानसभा में बैठने की जगह कम है, कमरे नही है। जिस कारण लीडर आफ दि अपोजी ज्ञन आदि को कमरे नही दिए गए है। मेरा निवेदन है कि लीडर आफ दि अपोजी ान के साथ साथ पी0 ए0 सी0, पी0 यू0 सी0 ऐस्टिमेंटस, वैल्फैयर आफ दी भाड्यलड ट्राइबज कमेटी जो इलैकिटड है औ जिनके पास बहत अधिक कम है। इनके चेयरमैनों के लिए तो कम से कम अलग कमरे दिए जाने चाहिए।

श्री सभापतिः लहरी सिंह जी यह कमरे वाली बात आप स्पीकर साहब से कर लेना। अब आप बिल पर ही बोलिए।

श्री लहरी सिंह साथीः यह सदस्य सुविधा का ही मामला था। सभापति जी हरेक एम0 एल0 ए0 अपनी कांस्टिचुऐसी में टूर पर जाता है। ओर मेरी कांस्टिचुएंसी तो ऐसे है सर कि इधर यू0 पी0 लाग हुआ है और उधर डिस्ट्रिक्ट अम्बाला तथा कुरूखेत्र लगा हुआ हैं (विध्न) मै यह निवेदन करना चाहता हूं कि इ सतरह से जो सरकारी आफिस चाहे बी0 डी0 ओ0 का है, पी0 डब्ल्यू0 डी0 का है, पब्लिक हैल्थ का है या एस0 डी0 ओ0 बिजली बोर्ड का है। यहां जाने में बड़ी दिक्कत आती है।

श्री सभापतिः लहरी सिंह जी आप बिल पर बोलिए।

श्री लहरी सिंह साथीः सभापति जी मेरा निवेदन है कि जब एम एल0 एज0 टूर पर जाए, कच्चे रास्तों में या पक्के रास्तों में तो उसको एक विहक्ल मिलना चाहिए। इसी तरह से स्टैनो की बात आई हैं डी0 सी0 यमुनानगर और डी0 सी यमुनागर और डी0 सी0 कुरूक्षेत्र दोनो के पास मै गया क्योंकि दोनो जिलों में मेरा हल्का पड़ता है। लेकिन उन्हेंाने जवाब दिया कि हमें तो पता नही है। कि आपकी स्टैनो दिया भी जाना है या नही दिया जाना है।

श्री सभापतिः लहरी सिंह जी यह डिस्क ान में आ चुकाहै।

श्री लहरी सिंह साथी: इसके साथ ही मेरा निवेदनय यह है कि जो कांस्टिचुऐंसी अलाउस है उसकसे आप 1500 की बजाए 3000 हजार करें। इससे आगे मेरेा निवेदन है कि जिस आदमी ने कार के लिए लोन ले रखा है लेकिन वह नई कार के लिए दुबारा लोन लेना चाहता है तो उसका लोन दिया जाये तथा पुरानी कार बेचने से जो पैसा उसको मिलता है। उसको काटकर लोने देने वाली भार्त हटाई जाए। जिस आदमी ने पहले साठ हजार या चालीस हजार रूपये लोन के ले रेख है आर जब वह अढाई लाख रूपस भी लोन के लेना चाहता है तो उसको इस लोन के लिए दिलवाने की भी व्यवस्था करनी चाहिए। अंत में मै इतना ही कहूंगा कि यह बिल ठीक है और में इसका समर्थन करता हूं।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): चेयरमैन साहिब, जैसा कि माननीय सदस्य ने कहा ह कि औ देसरे सदस्यों ने भी यह कहाहै ि क कारकालोन देाबारा मिलना चाहिए। इस बोर मं हमने यह यह प्रावधान किया है कि अगर सिी सदस ने पहले कारका लोन ले रखाहै। और उसये वह सारी कद दीहै। लेकिन इसके बाद वह नयी कार लेना चाहता है तो उसे लोन लेने के लिए डेढ़ लाख रूपये मिल जायेगा दूसरे सवाल मकान से संबंधित है। चेयरमैन साहब, महान के लिए हमने अढ़ाई लाख रूपये क लोन का प्रावधान कियाहै। अगर किसी सदस्य ने देा साल पहले तीन साल पहले या चारसाल पहले मकान के लिए लोन लियाहथा तो उस समेय मेंऔर जा के समय में फर्क है क्योंकि उसवक्त इतनी

महंगाई नही थी जितने में मकान लियाथ और मकान बनाया था इसलिए उस मकान के लिए दोबाारा लोने मिलेगा। इसके अलावा टी0 डी0 ए0 के बारे में भ कहा गया है। तथ पी0 ए0 गाड़ी तथा टेलीफोन के बारे में भी माननीय सदस्यो ंनक कहाहै कि सभापति महोदय, पी0 ए0 और गाड़ी के बोर मं हम विचार करेगे। जहां तक टेलीफोन सम्बन्धी और अन्यु सुविधाए देने की बात है। इस संबंध में हम अगले सै ान में सब पार्टी के नेताओं के साथ बैठक करके विचार करेगे क्योंकि आज सब लोग सुविधा लेने की बात करते ळ लेकिन बाद में कहते है कि सरकार सरकारी खजाने के ऊपर बड़ा भारी बोझ डाल रही हैं इसके अलावा जब हम अपने लिए यह कानून पास करेगे तो हमें जनता का भी ध्यान रखना होगा। नही तो जनत यह कहेगी कि खुद ही लेने वाले है और खुद ही कानून पास कर दिया। इसलिए जो भी बात जायज है, हम उनहें करेगें पहले हम सबाकां वि वास में लगे औ जब सब यह कहेग कि ऐसा होना चाहिए तथा जब सभी हाउस में उस बिल को सपर्अ करेगे तब हम उसको पास करेगे ताकि सरकार के बारे में कोई गलत न कह सके। वीरेन्द्र सिंह ने मुझे 26 जनवरी तक का अल्टीमेंट दिया है। वैस तो मैने इस तरह के बहुत अल्टीमेंट देखे है। फिर भी मै इनसे कह रहा हूं कि जब भी इनकी मर्जी हो तब यह अपना पूर जोर अजमा सकते है। हम 26 जनवरी तक ही नही रहेगें। बल्कि अगल साढे चार साल तह हम ही रहेगे ओर साढे साल तक इ सरकार की तरफ कोई भी झांक नही सकता। यह सरकार चट्टान की तरफ मजबूत है। औ अपले बजट से ान में

भी हम ही आपको राम राम करेगे। लेकिन जो सुविधा हम दे सकते है, उसको देने की पूरी कोि ा ा करेगे। इसलिए चेयरमैन साहब में आपसे प्रार्थना करूंगा कि यह बिल अच्छा है। और इसका पास कर दिया जाए।

Mr. Chairman: Question is—

That the Haryana Legislative Assembly (Facilites to Members) Amendment Bill be taken into consideraton at once.

The motion was carried

Mr. Chairman: Now the House will consider the Bill clause by clause.

Sub-Clause (2) of Clause 1

Mr. Chairman: Question is—

That Sub-Clause (2) of Clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried

Clause 2

Mr. Chairman: Question is—

That Clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Sub-Clause (1) of Clause 1

Mr. Chairman: Queston is—

That Sub-Clause (1) of Clause 1 Stand part of the Bill

The motion was carried

Enacting Formula

Mr. Chairman: Queston is—

That Enacting Fromula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carred

Title

Mr. Chairman: Question is—

That Title be the Title of the Bill

The motion was carried.

Mr. Chairman: Now the chief Minister will move that the Bill be passed.

मुख्य मंत्री (श्री भजन लाला): सभापति महोदय मै प्रस्ताव करता हूं कि बिल पास किया जाए।

Mr. Chairman: Motin moved—

That the Bill be passed.

Mr. Chairman: Queston is—

That the Bill be passed.

The motion was carred.

नियम 84 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Chairman: I have received notice of 7 motions under Rule 84 from Smt. Chandervati M.L.A., with regard to the discussion of Annual Reports of Haryana state Small Industries and Export Corpotraton Limited for the Years 1987-88, 1988-89 and 1989-90, of Haryana Sate Industrial Development Corporation, Limited for the Year 1989-90, of Haryana State Handloom & Handicrafts Corporation Limiterd for the years of 1987-88 and 1988-89, and Haryna Warehousing Corportaiton for the year 1989-90, and of Haryana Warehousing Corporataion for the year 1989-90, which were laid on the Table of the House on the 17th December, 1991.

Vocie: Sir, these be discussed togehter.

Mr. Chairman: Alright, these moton will be deemd to have ben read an dmoved and discussed together. However, the Members whil speaking will indicate the Report on which they wish to rais discussion before speaking.

That the 21st Annula Report of Haryana state Small Industries and Export Corporation Limited for the Year 1987-88, which was laid on the Table of the House on the 17th December, 1991, be discussed.

That the 22nd Annula Report of Haryana state Small Industries and Export Corporation Limited for the Year 1987-88, which was laid on the Table of the House on the 17th December, 1991, be discussed.

That the 23rd Annula Report of Haryana state Small Industries and Export Corporation Limited for the Year 1987-88, which was laid on the Table of the House on the 17th December, 1991, be discussed.

That the 12th Annula Report and Balcae Sheet of Haryana na state Handileom & Handicarafts Corporation Limited for the Year 1987-88, which was laid on the Table of the House on the 17th December, 1991, be discussed.

That the 13th Annula Report and Balcae Sheet of Haryana na state Handileom & Handicarafts Corporation Limited for the Year 1987-88, which was laid on the Table of the House on the 17th December, 1991, be discussed

That the 23rd Annual Report of Haryana Waredhousing Corporation for the year 1989-90, which was laid on the Table of teh House on the 17th December, 1991, be discussed.

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): चेयरमैन साहब, ये जो रिपोर्टस पे ा की गई है। ये बजट सै ान मे ंपैश होनी चाहिए थीं तीन–तीन साल की ऐनुयल रिपोर्टस अब पे ा की गई हैं

श्री बंसी लाल: चेयरमैन साहब, बहिन चन्द्रावती जी ने ठीक ही कहाहै। ये रिपोर्टस बजह सै ान में आनी चाहिए थी। हमे इनको पढ़ने का टाइम नही मिला है। इसलिए अगर सदन के नेता मान लो तो इनकों अगले सै ान में एक दिन के लिए डिस्कस कर लेगे।

मुख्यम मंत्री (श्री भजन लाल): आज तो सारा दिन बाकी पड़ा है, आराम से डिस्कस करो, कोई दिक्कत नही है। आज तो खाने का इन्तजाम भी यही पर है।

श्रीमती चन्द्रावती: चेयरमैन साहब,वैसे तो माननीयस चौधरी बंसी लाल जी ने ठीक बात कही है। बड़ी मु कल से रात को दस बजे छुटै थे, हम इनको थोड़ा बहुत ही पढ पाए है। हम लोगों के चुने हुए नुमायदे हैं और अपनी बात कहे बर्गर हम लोगों के साथ जस्टिस कैसे कर सकते है। इतने बडे–बड़े बोर्ड है जो सफेद हाथी है। उनका हिसाब किताब न रखे ं तो ठीक नही है। लोगों को कम से कम यह ता पता चलना चाहिए कि कितने घपले हुएहै और चार्टर्ड अकाउटै।ट ने क्या क्या बाते कही है। चेयरमैन साहब, अब मै सारी बातें तो कह नही सकती क्योंकि सारा पढ़ना मु कल था। टाईम ही नही था। अब इवैन्टरीज का हैड देखिए। पेज 41 पर ि डयूल 25 में इवैन्टरी का हैडिग है। इसमें लिखा है–

"(1) Goods held on eonsignment basis at different emporia are not accounted for in the accounts as per past practice.

(ii) Stock includies certain old/aboslete/slow moving and damaged item which have been evaluated realisbale value, as assessed by the Company. Certain suh items have also been valued at corprice as their realisable valu could not be determined.

(iii) Shortages of Rs. 116207/- (Previous Year 191547) found during physical Verfication of stock."

इसमें जाहिर होता है कि इन्होने कोई हिसाब किताब नही रखा और न ही फिजिकल वैरिफिके ान की गई। चेयरमैन साहब, इससे आगे आप सन्डरी डेटर्ज, लीन्ज ऐंड एडवान्सिज एण्ड करेन्दअ लायबीलिटील देखिता। जा `यह बै डैट है ये इनकी जापरवाही के कारण हुइ है। इनके लिए किसी की जिम्मेदारी होनी चाहिए। स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एण्ंड एक्सपोर्ट कांपरे ज्ञन इसलिए बनाई गई थी कि गांव तथा देहात के लोगों को स्माल स्केल इंडस्ट्रीज में बढ़ावा मिल सके। आज देहात में सब के पास जमीन नही है ओ जिनके पास जमीनहै वह बहुत थोड़ी है। जमीन से गुजारा होना मु कल है। चेयरमैन साहब 22 वी रिपोर्ट में भी यही बात लिखी है।

चौधरी भजन लालः बहन जी आप यह भूल गई है। कि रिपोर्टस तो वर्श 1987–88, 1988–89 की अै और यह पिछली सरकार की है जिसकों आप स्पोर्ट करती थी।

श्रीमती चन्द्रावतीः ठीक है। उसी गवर्नमैंट की होगी लेकिन ये बातें तो जो भी मुख्य मंत्री हो उनको देख लेनी चाहिए। आगे से आपका इस तरह की बात देख लेनी चाहिए। चेयरमैन साहब, इसी तरह से और भी चीज है। चेयरमैन साहब, 22 वी रिपोर्ट में ग्रांटस फण्डज के हैड के नीचे देखिए। इसमें लिखा है–

"During the year, the Company has incrurred en expditure ofRs. 20315311/- and Rs. 71791/- on revenue and capital items respectivley."

इसका भी कोई हिसार किताब नही रखा गया। इसके आगे लिखा है–

"Damaged/obsolere stocks has been valued at cost less 30%"

"The shortage of material found during the course of physical verification Rs. 235750/- during 1986-87 and 1987-88 relating to raw material for sales thourght depots have not yet been rrecoverd/adjusted."

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): आन ए प्वायं आफ आर्डर, सर। चैयरमैन साह जो कुछ बहन जी कह रही हैवह ठीक है। जो भी इसमें गल्ती है या औडिट औबजेक ंज है, इन गल्तियें के लिए जो भी जिम्मेदार होगा सरकार उसके खिलाफ कार्यवाही करेगी।

श्रीमती चन्द्रावती: सभापति जी, इस के अलावा मै। एक बात हैडलूम कार्पोरे ज्ञन के बारे में कहना चाहूंगा। हैडलूम कार्पोरे ान बनाने का परपज यह भी था। कि गांवों में जुलाहे बुतनी का काम रकत`ळ, जिनको हम धानक हते है, उनको उनके काम में मदद देने का थाा। उनसे बुना हुआ माल लेकर उसकी मार्किटिग में उनकी सहायकता करने का था हैडलूम कार्पोरे ान

काअमीर आदमियेां की दुकानों से कपड़ा खरीद कर उसको अपने भाो रूप में बेचने का ऐम कतई नही था।

चौधरी भजन लालः सभापति जी, मै आपके द्वारा बहन जी को बताना चाहूंगा कि अगर इन रिपेार्टस में कोई आडिट औबजलेक ांज हैं तो जैसे श्री भाम ेर सिंह सुरजेवाला ने अभी बताया है कि हम उर पर तुरंत कार्यवही करेगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः सभापति जील, मै अपनी ओर से कोई बात नही कर रही हूं। मै तो इन रिपोर्टस में जो कुछ लिखा है उसी के बारेमें में बोल रही हूं। मै इस मामले में इतना जरूर कहना चाहूंगी कि चार्टड अकाउटैट ने जो जो बातें इन कापारिं ाज के आकडटस और आडिट के बारे में कही ळै उन पर पूरी कार्यवाही होनी चाहिए। इनवेटरीज में जो डिसक्रिमेंसिज है या जो बैक डेटस है या ऐसे और ममले है उन र कार्यवाही अ वय होनी चाहिए। इस कार्पोरे ज्ञन के चेयरमैन और डयरेक्टर के खिलाफ जो पैसा पड़ा है उसको रिकवर करे। जिन आफिसर्ज ने बाई डिफाल्ट कार्पोरे ज्ञन के लिए ऐकोमोडे ज्ञन हायर की वे भी। अकांउट फार होने चाहिए। सभापति जी, इस रिपोट में लिखा है—

"The corporation in addition to commitments inthe ordinary course of bBasiness, was contingently liable under pending law suits, claims and other, which have not been provided for in the accounts of Corporation as 31st March, 1989."

यही बात इस कार्पोरे ान की 1987–88 की रिपोर्ट में कर रखी है। मै इस रिपोर्ट के बारें में ज्यादा नपही कहूंगी। अब मै हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल डिवैल्मेंट कार्पोरे ान की रिपोर्ट के बारे में एक बात कहना चाहूंगी। हरियाणा स्टेट डिवैल्पमैं कार्पोरे ान के अंडर माइन्ज एंड मिनरल6 कार्पोरे ान भी आती है, ब्रिवरीज भी आती है। ओर कनकास्ट भी आती हैं वे ऐसे कार्पोरे ाज घाटे में जा रही है। भाायद इनमें से ब्रिवरीज नफे में है। यदिसरकार ब्रिवरीज की तरफ ओर ज्यादा ध्यान दे तो सरकार को उसमें कई गुणा नफा हो सकता है। सभापति जी, नाम तो हरियाणा स्टे इंडस्ट्रियल डिवैल्पमैंट कार्पोरे ान है लेकिन सरकार की लगभग सभी कार्पोरे ान घाटे में जा रही हैं सभापति जी यह जो इन्टरनल आडिटर की रिपेर्ट है इसके बारे में में बहुत कुछ क सकती थी लेकिन मुझ इन रिपोर्टस को पढ़ने के लिए टाईम नही मिला क्योंक कल हम 10.00 बजे यहां से गए थे। कल रात को मै इन रिपोर्टस का एक घंटा सरसरीतौर से देख पाई थी। मै तो इन रिपोर्टस को एक एक पन्ना पढऋना चाहती थी। यदि हम इन रिपोर्टस को अच्दी तरहे स पढ़ पाते तो हम सरकार को बहुत अच्दे सुझाव देते जिनसे सरकार को बहुत फायदा होता। कनकास्ट के बारे में तो यह सरकार कहती है कि उसको बेचा जा रहा है। कनकास्ट हरियाणा प्रदे ा के एिल कब बहुत बड़ा कारखाना बनाया गया था जिसकी अपने आप में एक मिसाल होनी चाहिए थी। आज वह कारखाना घाटे में चल रहा है। आज उस कारखाने में कोई चीज अच्छी नही बनती है। सभापति जी, अब मै वेयर

हाउसिग कार्पोरे ान के बारे मे ंएक बात कहना चाहूंगी कि जितनी भी वेयर हाउसिज है उनमें ज्यादातर इफको वाल अपना माल रखते है। फूड कार्पोरे ान वाले भी रखते है। खाद वाले अपनी खाद रखते है लेकिन वेयर हाउसजि में ामल का रख रखाव ठीक नही है। मरै कहने का मतलब यह है कि वेयर हाउसजि में जितनी चीजे रखी जाती ै उनककी जितनी देखभाल होनी चाहिए उतनी देखभाल नही होती है। वेयरहाउसजि मं जितन अनाज रखा जाता है वह खराब हो जाता है।

कृशि मंत्री (श्री हरपाल सिंह): बहन जी वेयर हाउसिग कार्पोरे ान तो घाटे में नही है। वह तो मुनाफे में है।

श्रीमती चन्द्रावती: वह कापारे ान मुनाफे में है इसे लिए मै आपको बधाई देती हूं। लेनि वेयर हाउसिज में जो चीजे रखी जात ै उनकी जितनी देखभाल होनी चाहिए उतनी देखभाल नही होती है। वेयर हाउसजि में जो अनाज रखा जात है। वह खराब हो जाता है।

श्री हरपाल सिंह: बहन जी एक बात यह भी है कि उस कार्पोरे ान के खिलाफ कोई आडिट औब्जैक ान भी नही है।

श्रीमती चन्द्रावती: आपकी यह बात भी ठीक है। कि उस कार्पोश्रे ज्ञन के खिलाफ कोई आडिट औब्जेक ान भी नही है। लेकिन वेयर हाउसगि के गोदामों में जो अनाज रखा जाता है वह काफी खराब हो जाताहै। हम इस अनाज को दूसरे प्रांतों में भी

भेजते है। वह खराब हाताहै। इस बारेमें मेरायही कहना है कि इस तरफ ज्यादस से ज्यादा ध्यान दिया जाए। ताकि अनाज कम से कम खराब हों इसके अलावाएक बात मै यह कहना चाहती हूं कि ये वेयर हाउसगि कार्पोरे ज्ञन के जेा गोदाम बने थे वे किसानों के अनाज राने के लिए बनाये गए थे लेकिन इन गोदामों में उनको जगह नही दी जाती इस तरफ भी मंत्री महोदय ध्यान दें कि किसानों को वहां पर अधिक से अधिक जगह मिल सके। ताकि वह भी इनका फायदा उठा सके।

श्री हरपाल सिंहः बहन जी आपने जो भी सुझाव रखे है उनकी तरफ हम पूरा पूरा ध्यान देगे ओर उन पर कार्यवाही करेगे। जो बात आप कर रही है यह पुरानी सरकार की कारगुजारी है। मै सदन की जानकारी और आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि हम अगले साल में किसानों को ज्यादा से ज्यादा सुविधाएं उपलब्ध करवायेगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः मै यह बात कहना चाहती हूं कि ये इस तरह की जितनी भी रिपोर्टस है उन पर हाउस में बहस होनी चाहिए क्योकि चाटिड अकाउटेट ने जो जो कमियों निकाली है उनकी तरफ सरकारको ध्यान देना चाहिए औरजो पैस लोगों ने मार रखा है। चाहे वे इन कार्पोरे ानों के चेयरमैन रहे है या आफिसर रहे है, वह वापिस होना चाहिए ओर जिस किसी ने भी गलती की है उससे वह पैसा वसूल करके उसके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। यही मेरा सुझाव था।

श्री बंसी लाल (तो ाम): चेयरमैन साहब, मेरा स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एण्ड एक्सपोर्ट कार्पोरे ान की रिपोर्ट के बारे में निवेदन है कि मुझे इस रिपोर्ट को और दूसरी रिपोर्टस को पढ़ने का समय तो नही मिला लकिन इस बारे में मंत्री महोदय से प्रार्थना है कि वह कुछेक बातों का हमें जवाब दे दें। इस कार्पोरे ान के जो पीछे चेयरमैन 3–4 साल रहे है वे भाायद 3–4 बार विदे ायात्रा पर गए थे। मंत्री जी सिर्फ इताना बात दे कि व कितनी बातर दूसरे दे ाों की यात्रा पर गए और उनकी यात्रा पर कुल कितना खर्च आया और वे वहां से कुल कितने रूपये के आर्डर लेकर आये थे? इसके अलावा मुण्े तो यह भी पता लगा है। कि बम्बई ऐयरपोर्ट पर इस ऐक्सपोर्ट कार्पोरे ान की कोई दुकान थी उसकी भी पगड़ी ले करके छोड दिया है। इसके अलावा जिन लोगों को भी लोहा दिया जाता था उनसे भी वे पैसे खाते थे अगर मंत्री महोदय इन सब बातों की जानकारी अब नही दे सकते तो अगले सै ान में बता दें।

उद्योग मंत्री (श्री लछमन दास अरोड़ा): चेयरमैन साहब, इस बारे में अभी मै जवाब दे देता हूं कि इस कार्पोश्रेशन के चेयरमैन पिछली सरकार में प्रताप सिह थे वे कुल 8 बार 22 मुल्कों की विदे ा यात्रा पर गए। उनकी इस यात्रा पर 24–25 लाख रूपया खर्च आया और कुल 5 लाख रूपये के आर्डर वे लेकर के आये थे।

श्री बंसी लालः ऐसी बात है तो उसके खिलाफ केस रजिस्टर करवाओ।

श्री लछमन दास अरोडाः उसे पर भी कार्यवाही होगी।

श्री अमर सिंह (बवानी खेडा अनुसूचित जाति): चेयरमैन साहब, आज हाउस में 7 रिपोर्टस पर बहस हो रही है। इनमें से एक रिपोर्ट हैण्डलूम एण्ड हैण्डी क्राफ्ट कार्पोरे ान की है। इस रिपोर्ट के बारें में मै यह कहना चाहता हूं कि जिन लोगों को पे ाा कपड़ा बुनना है था उन लोगों के लिए ही यह हैण्डलूम एण्ड हैण्डीक्रापटस कार्पोरे ान बनाई गई थी। ये लोग जो कपड़ा बनाते थे उनका काम मिलों ने छीन लियाहै। आज चाहे कांग्रेसी हो या दूसरे लोग सभी नक खद्दर पहनना छोड दियाहै जो ये लोग तैयार करते थे। अब वे सिर्फ मिलों द्वारा तैयार किया गया ही कपड़ा पहनते है। इन मिलों ने इस पे ो में लगे लोगों को बिल्कुल ही अनएम्पलाएड कर दिया है। मेरे कहने का मतलब यह है कि उन लोगों को अल्टरनेटिस साधन जुटाने के लिए ही और उनके कार्यक्रम को जारी रखने के लिए ही यह कारपोरे ान बनाई गई थी। लेकन देखने में यह आया है कि इन लोगां के लिए माकिटिग का कोई प्रबंध यह सरकार तथा कय कार्पोरे ान नही कर पाई है इस वजह से हेरीडीटरी बीवर्ज को कोई लाभ नही हे। मै आपके माध्यम से इंडस्ट्रीज मिनिस्टर जो हमारे दोस्- भी है, से एक ही बात रैलियों मे से कोई फर्क पड़ने वाला नही था। अगर इधर बैचों पर बैठने वाले साहब न होते ओर ग्रीन ब्रिगेड वाले

डटकर मकानों पर और दुकानों पर कब्जे न करते ो हमारी रैलियों का कोई फर्क नही पड़ता। (ाोर एवं व्यवधान) इससे आगे में यह कहना चाहता हू कि सरकार ने स्माल स्केल इंडस्ट्रीज,कार्पोरे ज्ञन हैन्डी क्राफ्ट हैन्डूलम कारपौ ज्ञन्ज ओ जितनी भी करपोश्रे ान्ज बनाई है, उन सब की रिपोर्टस अभी अन्छर कांसिड्रै ान है। इन पर चार्टर्ड अकांउटैन्ट की रिपोर्ट भी आई होगी कि कितना खर्चा आया है। कितना चेयरमैन पर खर्चा हुआ है, बोर्ड पर कितना खर्चा हुआ है। लकिन इस बारें में कोई जिकर इन रिपोर्टस में नही किया गयहैं मेरे इंडस्ट्रीज मिनिस्टर से रिकैस्ट है। कि आईन्दा जब वे अपने वक्त को रिपापेर्टस भाया करवाए तो इन सभी बातों का पूरा पूरा ध्यान रखा जाए। एक मेरी और रिकवैस्ट है कि इंटीरियर बिलेजिज में सैन्टर्ज खुलवाए जाए ताकि किसान का बेटा जमीन के बर्डन से हटकर इंडस्ट्रीज की ओर अपना इंट्रैस्रूट ले और वहां से पैसा कम करके अपनी रोजी रोटी चला सके। बस इतना ही कहते हुए मै चेयरमैन साहब बोलने ाक समय देने के लिए आपका धन्यवाद करता हुआ अपना स्थान लोता हूं। जय हिन्द।

श्री लहरी सिंह साथी (रादौर, अनुसूचित जाति): चेयरमैन महोदय हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रीयल डिवेल्पमैंन्ट कारपोरे ान की 1989–90 की रिपोर्ट पर डिस्क ान हो रही है। इस बारे में कहना चाहता हूं कि इस इंस्टीच्यू ज्ञन का हैड कभी भी कोई पोलीटीकल व्यक्ति नही होता था ओर हमे ा ही आई0

ए0 एस0 अफसर इसका चेयरमैन होता था ओर काम भी ठीक चलता था। इसी तरह से दूसरी जो हरियाणा सरकार की कार्पोरे ान्ज है। जैसे स्माल स्केल इंडस्ट्रीज एण्ड एक्सपोर्ट कार्पोरे ान उसका चेयरमैन पोलीटिकल व्यक्ति था और उसने उसमें बडत्रे भारी घपले कि ए थे सरकार ने पूर्ण वि वास दिलाया है कि उसके खिलाफ कार्यवाही होगी और उसके खिलाफ ऐक ान भी लिया जाएगा। मै सरकार की इस बात की तारीफ करता हूं। इसके बाकद मैं एक बात यहां सदन के सम्मुख रखना चाहता हूं कि रादौरमें 1981 में आदरणीय मुख्य मंत्री महोदय चौधरी भजन लाल जी ने एक इंड्रस्ट्रीयल कम्पलैक्स का नींव पत्थर रखा था। पत्थर रखने के 6 महीने बाद तक वहहा पर चौकीदार बैठा रहा। उसके बाद इंटे भी आ गयी और उस कम्पलैक्स के लिए मैने पंचायत से जमीन भी दिलवायी थी। उस जमीन के बारे में मुझं यह पता चला हैं कि भाायदमहकमें ने वह जमीन कभी बेच दी हैं चेयरमैन साहब, मुख्य मंत्री महोदय तो भाायद यहां पर बैठे नहीहै। मै आपके द्वारा सम्बन्धित मंत्री महोदय से यह कहना चाहता हूं कि मुख्य मंत्री महोदय ने यह कहा था कि वक कम्पलैक्स 6 महीने के अन्दर अन्दर बनकर तैयार हो जाएगा ओर इस कम्पलैक्स के लिए साढे 22 लाख रूपया भी स्वीकृत किया गया था, मंत्री महोदय इस ओर जरा ध्यान देवे क्योंक न तो अभ तक वहां पकर कम्पलैक्स ही बनाहै और नही उस साढे 22 लाख रूपए का ही कुछ पता चला है। कि वह रूपया कहा गयात्र इस सारे कम्पलैक्स के लिए 78 ऐन्टरप्रिन्योर्ज सिलैक्ट किए गए थे जिन्होने अपने अप्ने यूनिटस

इस कम्पलैक्स में लगाने थे, वे सभी यमुनानगर की बड़ी बडी इंडस्ट्रीज से ट्रेनिग लेकर के अये थे वे आज सरकार की ऐसी नति के कारण बिल्कुल बेकार किफर रह`हैं सरकार को इस ओर पूरा ध्यान देना चाहिए। सभापति महोदय, मै हरपाल सिंह जी को बधाई देना चाहता हूं कि इनके कारर्पोरे ान में घाटा तो दिखाया गयाहैं परन्तु उसके बावजूद वे बहुत बढ़िया ऐडमिनिस्ट्रे ान चला रहे हें लेकिन एक बात जरूर है कि जहां तक दवाईयों का सवाल है, उनके रख–रखाव का मामला है, उसमें जो थोड़ी सी कोताही है। इस पर से अंकु ा लागए और वहां जकर सरप्राईज चैक करें यही मेरा निवेदन है। ये खुद जमीदारहै, ऐसे किसानहै जिनकी चीटी से लेकर हाथी तक का पता है। चेयरमैन साहब, मेरा एक ओर निवेदनहै कि तीनों रिपोर्टस आज ही इकट्ठी पे ा की गई है, यह ठीक बात नही है।

Mr. Chairman: Lehri Singh Ji, this is not correct. These Reports were supplied on the 17th of the month.

श्री लहरी सिंह साथीः सभापति जी, ऐक्सपोर्ट कार्पोरे ान की तीनो रिपोर्टस इकट्ठी रखी गई अै औरतीनो ंपर बहस करनी है। इनको इकट्ठा नही रखा जाना चाहिए था। मै यह गुजारि ा करूंगा कि इस कारपोरे ान के कामकाज की इन्क्वायरी जरूर करों और इसमें जो घटा ही घटा हैं उसके बारी मे ंपत लगाना चाहिए कि उस घाटे के लिए कौन जिम्मेदार है। जिनका

कसूर पाया जाए उन आदमियों की रिसपैसिबिलिटी फिक्स करे। धन्यवाद

श्री मनोराम केहरवाला (ऐलनाबाद, अनुसूचिज जाति) सभापति महोदय, किसी ने भूखे से पूछा कि दो ओर दो कितने हाते तो भूखा कहने लगा कि चार रोटी। तो सभापति महोदय, अब लंच का टाईम है। जो रोटी नही खाकरआए ळ उनका रोटी की कि तरफ ध्यान है। सभापति जी ऐलनाबाद के लैड स्कैडल के बारे में मेरी तरफ से प्र न पूछा गया था। उस वक्त चौधरी देवी ला हा राज था और उनके रि तेदार ने उस जमीन पर नाजायज कब्जा किया हैं इसके अलावा ऐलनाबाद में 30 एकड जमीन का दूसरा लैड स्कैडल हुआ है। यह जो 30 एकड़ जमीन का लैड स्कैडल हुआ है। यह जो 30 एकड़ जमीन काक लैड स्कैडल हुआ है। इस जमीन पर भी चौधरी देवी लाल के रि तेदारों का नाजाययज कब है।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। सभापति महोदय, चौधरी मनीराम जैसे विधायक को इस तहर से नही बोलना चाहिए। इससमय सदन में रिपोर्टस पर चर्चा चल रही है इलिए इन्हों उनके बारे मं ही बोलना चाहिए। इसमें लैण्ड सकैझडल के बारे मे ंकोई चर्चा नही है।

खेल राज मंत्री (श्री राजे ा कुमार भार्मा): सभापति जी जब कोढ भी माननीय सदस्य सदन मे ंबोल रहा हो तो इनको इस तरह से बची में इन्ट्रप नही करना चाहिए।

श्री राम बिलास भार्मा: मै आपकी इजाजत से नही बो रहा हूं मै सभापति जी की इाजात सेबो रहा हूं।

श्री राजे ा कुमार भार्मा: आवज ऊंची करने से मजमा नही लगता। इसलिए आप बैठ जाए।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: आप किसी परमी ान से बोल रहे हे।

श्री राजे ा कुमार भार्मा: मै सभापति जी की परमी ान से बो रहा हूं।

श्री सभापति: आप दोनो कृपया बठिए और मनीराज जी आप उस कापॉरे ान का नाम ले ंजिसके बारे में आप बोलना चाहते है।

श्री मनीराम केहरवाला: चेयरमैन साहब, मेरी सबमि ान यह है। कि हम सब लोग यहां पर अपनी हल्के क हितों को सुरिक्षत रखने के लिए हाजिर हुए है। इसलिए ऐलनाबाद` क्षेत्र पर भीसदन को ध्यान देना चाहिए। यहां पर सभी लोग अपने अपने हल्के की बात कर रहे हैं मै यह अर्ज करना चाहता हू कि एक

स्कैन्डल तीस एकड़ जमीन का वहां हुआ हैं जिसक बारे में मै कुछेक बातें सदन के सामने रखना चाहता हूं।

Mr. Chairman: Mani Ramji, you are not relevant. Please take your seat. Hon'ble Members enought discussion has taken pleace. Now the Ministers concerned may reply to the debate.

श्री हरपाल सिंहः चेयरमैन साहब, मैने मनीराम जी से यह पूछनाहै कि यह इण्डस्ट्रियल स्केण्डल है या ऐग्रीकल्चरल स्केण्डल है? अगर ऐग्रीकल्चर का हो तो मै जवाब दूंगा अैर इण्डस्ट्रिहो तो अरोड़ा जी जवाब देगे।

श्री मनीराम केहरवालाः ऐग्रीकल्चर का है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हरपाल सिंहः चेयरमैन याहब, औफ हैंड इसके बारे में बताना मु ि कल है।

श्री लछमन दास अरोड़ाः चेयरमैन साहब, मैनत तो सभी प्वायंट्स काजवाब साथ केसाथ दे दिया था लेकिन फिर भी निवेदन है। कि मैम्बर्ज साहेबान ने जो प्वायंट्स रेज किए है वे नोट कर लिए गए हैं ओरअगर किसी पर ऐक ान की जरूरत होगी तो वह लिया जाएगा।

Mr. Chairman: Hon'ble Members, thank you very much.

The House stands adjourned sine-die.

14.17 बजे

(तत्प चात् सदन अनिि चत काल के लिए स्थगित हुआ)